MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

NA
Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories, Safety Equipment, Power Tools, Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda, Hyderabad - 500 012

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 21 मार्च, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-80

नूपुर शर्मा को रायबरेली सीट से चुनाव में उतारेगी भाजपा!

नारी शक्ति की प्रतिष्ठा बचाने की गारंटी कसौटी पर

नई दिल्ली, 20 मार्च। ईंट का जवाब पत्थर से देने वाली तेज तर्रार नेता नूपुर शर्मा को रायबरेली से चुनाव मैदान में उतारने की भाजपा की तैयारी चर्चा में है। नूपुर शर्मा को रायबरेली से चुनाव लड़ा कर भाजपा दो लाभ में रहेगी। एक तो रायबरेली से अगर प्रियंका गांधी कांग्रेस की तरफ से आती हैं तो नूपुर शर्मा उनका सटीक जवाब और प्रभावशाली प्रतिद्वंद्वी साबित होंगी। इसका फायदा भाजपा को मिलेगा। दूसरे, नूपुर को अवसर देकर भाजपा अपना पुराना अपराधबोध धो पाएगी, जो धार्मिक बयान-विवाद के वक्त नारी-शक्ति को अनाथ छोड़ कर भाजपा ने हाथ झाड़ लेने का अपराध किया था। उस वक्त भाजपा यह नैतिक बल नहीं जुटा पाई थी कि यह कह सकते कि हिंदू देवी-देवताओं को सार्वजनिक तौर पर गाली-गलौज करना उतना ही बड़ा पाप है जितना इस्लामिक आस्था के खिलाफ गाली देना। इन दोनों पापों की सजा बराबर है। लेकिन यह हिम्मत भाजपा ने नहीं दिखाई थी। नतीजा क्या हुआ, यह सब आप जानते हैं। भाजपा नेतृत्व के क्लीव-चरित्र के कारण पूरे देश में मासूम लोग धर्मांधता का शिकार होकर मारे गए। अकारण हिंदुओं की गर्दनें कटीं... और हमारा नेतृत्व नूपुर शर्मा के निंदा-गायन में लगा रहा। नूपुर शर्मा को अगर रायबरेली सीट से चुनाव मैदान में उतारा जाता है तो भाजपा ऐसा करके अपना वह पुराना पाप धोएगी और नारी शक्ति के नारे के बरक्स अपना चेहरा ईमानदारी से देख पाएगी।

भाजपा धो सकती है खतरे में नूपुर को अकेला छोड़ देने का पाप

आगामी लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा ने अपनी पहली लिस्ट में उत्तर प्रदेश से 51 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया है। अब बाकी बचे हुए प्रत्याशियों को लेकर पार्टी लोगों को चौंका भी सकती है और सुकून भी दे सकती है। गांधी परिवार का गढ़ माने जाने वाले रायबरेली से नूपुर शर्मा को भाजपा का टिकट मिलने की चर्चा जोरों पर है। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के लगातार जीतने की वजह से रायबरेली सीट यूपी की हाई-प्रोफाइल सीट मानी जाती रही है। इस बार उन्होंने स्वास्थ्य का हवाला देते हुए चुनाव से अलग कर लिया। वे राजस्थान के रास्ते राज्यसभा चली गईं। इसके बाद चर्चा चली कि कांग्रेस की ओर से प्रियंका गांधी रायबरेली से चुनाव लड़ेंगी। हालांकि, कांग्रेस की तरफ से अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

शुभ-लाभ सरोकार

अगर रायबरेली की अहम सीट से प्रियंका चुनाव में उतरती हैं तो निश्चित तौर पर नूपुर शर्मा बेहतरीन प्रतिद्वंद्वी साबित होंगी। यह समझते भांपते हुए भाजपा नेतृत्व नूपुर शर्मा को टिकट दे सकती है। नूपुर को भाजपा ने बयान-विवाद के बाद पार्टी से निष्कासित कर दिया था। उन्हें जान से मारने की खुली धमकियां मिली थीं। कई लोगों की हत्याएं भी हुईं। लंबे समय नूपुर शर्मा को अज्ञातवास में रहना पड़ा। पिछले कुछ समय से नूपुर सामाजिक राजनीतिक कार्यक्रमों में दिखने लगी हैं। 22 जनवरी 2024 को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के दौरान वो फिर से सबके सामने नजर आईं। ▶9पर

स्टार्टअप महाकुंभ में बोले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

भारत की युवा शक्ति का डंका पूरी दुनिया में

स्टार्टअप क्रांति का नेतृत्व कर रहे छोटे शहरों के युवा

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। नई दिल्ली के भारत मंडपम में चल रहे स्टार्टअप-महाकुंभ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, अंतरिक्ष के 50 से अधिक सेक्टर्स में भारत के स्टार्टअप्स बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। भारत की युवा शक्ति का सामर्थ्य आज पूरी दुनिया देख रही है। आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम भारत में है। देश में 1.25 लाख पंजीकृत स्टार्टअप हैं, जो 12 लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार देते हैं। भारत में 110 यूनिकॉर्न स्टार्टअप हैं और हमारे स्टार्टअप के पास 12 हजार से ज्यादा पेटेंट हैं। सरकार ने बजट में रिसर्च और इनोवेशन के लिए एक लाख करोड़ के फंड का ऐलान किया है। स्टार्टअप महाकुंभ एपेक्स इंडस्ट्री एसोसिएशन, बूटस्ट्रैप इनक्यूबेशन एंड एडवाइजरी फाउंडेशन और इंडियन वेंचर एंड अल्टरनेट कैपिटल एसोसिएशन (आईवीसीए) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया।

प्रधानमंत्री ने कहा, मुझे खुशी है कि आज कृषि, टेक्सटाइल, मेडिसिन, परिवहन, अंतरिक्ष और यहां तक कि योग और आयुर्वेद के स्टार्टअप भी शुरू हो चुके हैं। देश ने स्टार्टअप इंडिया अभियान के तहत नए-नए इनोवेटिव आइडियाज को एक प्लेटफॉर्म दिया, उनको फंडिंग के स्रोत से कनेक्ट किया। शैक्षणिक संस्थानों में इनक्यूबेटर स्थापित करने का अभियान भी चलाया और ▶9पर

अब मुफ्त उपहार के राजनीतिक वादे पर चलेगी कुल्हाड़ी

वोटरों को घूसखोर बनाने की कुप्रथा बंद हो

सुप्रीम कोर्ट ने स्वीकार की महत्वपूर्ण जनहित याचिका

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। चुनावी बॉन्ड के जरिए होने वाली राजनीतिक दलों की भारी फंडिंग पर अंकुश लगाने वाली सर्वोच्च अदालत अब मुफ्त उपहार देने के वायदे करने वाली राजनीतिक पार्टियों पर शिकंजा कस रही है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में दाखिल जनहित याचिका स्वीकार कर ली गई है। शीर्ष अदालत ने इस गंभीर मुद्दे पर संज्ञान लिया है। जनहित याचिका दाखिल करने वाले अश्विनी उपाध्याय की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता विजय हंसारिया ने आग्रह किया था कि याचिका पर लोकसभा चुनाव से पहले सुनवाई की आवश्यकता है। इस पर शीर्ष अदालत ने स्वीकृति दे दी। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने बुधवार को कहा कि यह जरूरी मसला है और हम इस मामले पर कल सुनवाई जारी रखेंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के लिए उक्त जनहित याचिका को सूचीबद्ध करने का निर्देश दे दिया है। राजनीतिक दलों द्वारा चुनावों के दौरान मुफ्त उपहार का वादा करने की कुप्रथा के खिलाफ दाखिल जनहित याचिका देश की राजनीतिक कुप्रथाओं पर अंकुश का सबब बन सकती है। याचिका में राजनीतिक दलों के ऐसे फैसलों को संविधान के अनुच्छेद-14, 162, 266 (3) और 282 का ▶9पर

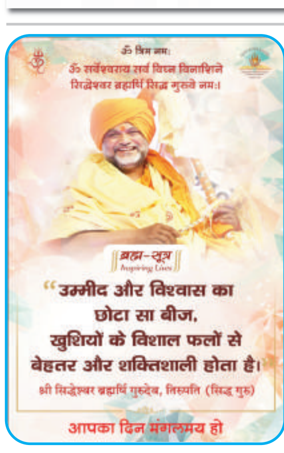

तेलंगाना की पूर्व राज्यपाल सुंदरराजन भाजपा में शामिल

चेन्नई, 20 मार्च (एजेंसियां)। तेलंगाना की निवर्तमान राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन बुधवार को भाजपा में शामिल हो गईं। सुंदरराजन ने दो दिन पहले ही राज्यपाल पद से इस्तीफा दिया था।

सुंदरराजन ने भाजपा में शामिल होने के बाद कहा, मैं चुनाव लड़ना चाहती हूं और मैंने यह इच्छा अपनी पार्टी को भी बताई है। मैं खुश हूं कि मुझे एक बार फिर से सदस्यता कार्ड मिल गया है, जो मेरे पास है। यह सबसे खुशी का दिन है। यह एक कठिन फैसला है और एक अच्छा निर्णय भी। राज्यपाल के रूप में मेरे पास कई सुविधाएं थीं, लेकिन मैंने इसे छोड़ दिया। मुझे इसका एक प्रतिशत भी दुख नहीं है। तमिलनाडु में निश्चित तौर पर कमल खिलेगा। सुंदरराजन ने कहा, मैं फिलहाल बहुत खुश हूं। मुझे नहीं लगता कि मैंने एक बहुत ही शानदार जीवन और एक संवैधानिक पद छोड़ा है क्योंकि मुझे लोगों की सेवा करना पसंद है।

मैं हमारे प्रधानमंत्री की प्रशंसा करती हूं, जिस तरह से वह लोगों से जुड़ते हैं। वैसे ही मैं भी लोगों से जुड़ना चाहती थी और लोगों की सीधे सेवा करना चाहती थी। मैंने यह बात सामने रखी और मैं उम्मीदवार बनूंगी। हालांकि, निर्वाचन क्षेत्र कौन सा होगा यह फैसला आलाकमान करेंगे।

पुडुचेरी के राजभवन की तरफ से जारी बयान में उन्होंने इस केंद्र शासित प्रदेश के उपराज्यपाल पद छोड़ने की भी जानकारी दी थी। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया था, तेलंगाना की माननीय राज्यपाल और पुडुचेरी की उपराज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सुंदरराजन ने ▶9पर

विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने ईवीएम को लेकर कहा

लोकतांत्रिक प्रक्रिया की पवित्रता के प्रति दृढ़ता का प्रमाण

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने बुधवार को तीसरे लोकतंत्र शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) की शुरुआत पारदर्शिता, दक्षता और लोकतांत्रिक प्रक्रिया की पवित्रता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। यह बदलाव न केवल आधुनिक लोकतंत्र के सिद्धांतों के साथ संरेखित होता है, बल्कि अधिक नागरिक जुड़ाव का मार्ग प्रशस्त करता है, खासकर युवाओं के बीच जो हमारी लोकतांत्रिक विरासत की जिम्मेदारियों को प्राप्त करेंगे।विदेश मंत्री ने कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष और समावेशी चुनाव कराने की भारत की प्रतिबद्धता इसकी लोकतांत्रिक मशीनरी के लचीलेपन और अनुकूलन क्षमता को दर्शाती है। साथ ही यह दिखाती है कि कठिनाइयों के बीच भी हर नागरिक की आवाज मायने रखती है। उन्होंने कहा कि देश में लोकसभा चुनावों का बिगुल बज चुका है। ▶9पर

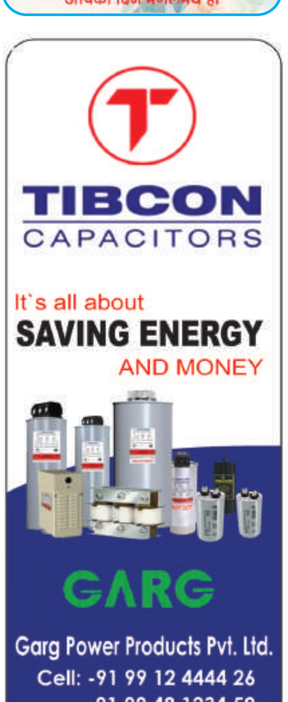

झारखंड हाईकोर्ट का महत्वपूर्ण फैसला

प्रमोशन में आरक्षण की व्यवस्था खत्म

रांची, 20 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड हाईकोर्ट ने प्रमोशन में आरक्षण के खिलाफ दायर एक मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि आज से प्रमोशन में आरक्षण झारखंड सरकार नहीं दे सकती है। जब तक की झारखंड सरकार सुप्रीम कोर्ट के जरनैल सिंह जजमेंट 1, 2 एवं एम. नागराज के केस में दिए गए दिशा-निर्देश के आलोक में नयी नियमावली नहीं बनाती।एक्टिंग चीफ जस्टिस एस. चंद्रशेखर और जस्टिस नवनीत कुमार की खंडपीठ में इस मामले की सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान प्रार्थी की ओर से हाई कोर्ट में याचिका दाखिल कर कहा गया था कि ▶9पर

पीएम मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन को बधाई दी

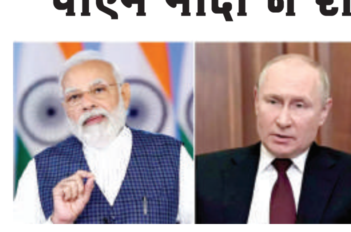

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को पांचवीं बार राष्ट्रपति बनने पर बधाई दी है। उन्होंने कहा कि भारत और रूस के बीच साथ काम करने को लेकर सहमति बनी है। पीएम मोदी ने कहा कि आने वाले वर्षों में भारत और रूस के विशेष एवं विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और प्रगाढ़ बनाने की दिशा में प्रयास किए जाएंगे। दोनों नेता आने वाले वर्षों में दोनों देशों के बीच साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में ठोस प्रयास करने पर सहमत हुए। फोन पर हुई मोदी और पुतिन की बातचीत के दौरान भारत और रूस ने द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न मुद्दों में प्रगति की भी समीक्षा की। दोनों शीर्ष नेताओं के बीत आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। ▶9पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 67,850/-
(प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 76,350/-
(प्रति किलोग्राम)

शेयर मार्केट

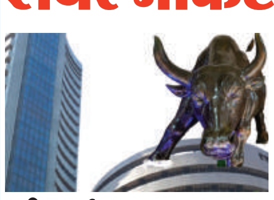

बीएसई : 72,101.69
+89.64 +0.12% ↑

एनएसई :21,839.10
21.65 (0.1%) ↑

मोबाइल नेटवर्क पर पड़ा विचित्र डाका

मोबाइल टावरों से लूट लिए करोड़ों के उपकरण

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने मोबाइल टावर उपकरणों की खरीद-फरोख्त व चोरी की वारदातों में शामिल एक गिरोह का पर्दाफाश कर दो सरगनाओं समेत 15 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनकी गिरफ्तारी से दिल्ली एनसीआर में मोबाइल टावर उपकरणों की चोरी के 63 मामले सुलझाने का दावा किया है।

इनके कब्जे से मोबाइल टावर उपकरण 33 आरआरयू, 20 बीबीयू, 15 पावर बैटरी, 20 बंडल केबल, 2 आरएसपी, रेडियो यूनिट आदि बरामद किया है। इन सभी की कीमत करीब 1.50 करोड़ है। अपराध शाखा के

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त संजय भाटिया के अनुसार, एयरटेल के राष्ट्रीय नोडल

रहस्यमय गैंग ने मोबाइल कंपनियों की उड़ाई नींद

ऐसी लूट के 65 केस सुलझाने का पुलिस का दावा

अधिकारी ने बड़े पैमाने पर देश के विभिन्न हिस्सों में स्थापित मोबाइल टावरों से आरआरयू, बीबीयू और संबंधित सहायक उपकरण चोरी होने की शिकायत दी थी। इस लूट के कारण ग्राहकों को कॉल करने ▶9पर

कार्टून कॉर्नर

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे

पप्पू यादव की पार्टी का कांग्रेस में विलय

पटना, 20 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के सीमांचल में प्रभाव रखने वाले राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने अपनी जन अधिकार पार्टी का कांग्रेस में विलय को मंजूर कर लिया है। मंगलवार रात पप्पू यादव ने लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव और बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव से मुलाकात की थी। सुबह पटना एयरपोर्ट पर उन्होंने विलय के सवाल को टाल दिया था, लेकिन यह जरूर कहा था कि वह कांग्रेस की विचारधारा पर ही लंबे समय से चलते आ रहे हैं। तभी यह माना जा रहा था कि पप्पू अपनी पार्टी के विलय के लिए राजी हो गए हैं। पप्पू की पार्टी जाप के पास बिहार में एक भी विधायक या सांसद नहीं हैं। पप्पू खुद सांसद रह चुके हैं और फिलहाल उनकी पत्नी राज्यसभा सांसद हैं। शाम चार बजे जाप का आधिकारिक तौर पर अस्तित्व समाप्त हो जाएगा और पत्नी रंजीत रंजन की तरह पप्पू यादव भी कांग्रेसी हो जाएंगे।

यह पहले उजागर हो चुका था कि पप्पू यादव पूर्णिया से महागठबंधन के उम्मीदवार होंगे। इसके लिए वह पूरी तैयारी कर रहे हैं।

बुधवार को पूर्व सांसद पप्पू यादव ने मीडिया से बातचीत के दौरान राजद सुप्रीमो और तेजस्वी यादव की तारीफ की थी। पप्पू यादव ने इस बात का संकेत भी दिया कि अगर कांग्रेस पूर्णिया से उन्हें लोकसभा टिकट देगी वह अपनी पार्टी का विलय कर देंगे। पप्पू यादव की पत्नी रंजीता रंजन कांग्रेस से राज्यसभा सांसद हैं। उन्हें कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ से राज्यसभा भेजा था।

पप्पू यादव ने लालू परिवार से मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत हमारे और लालू जी के बीच पूर्ण तौर पर पारिवारिक रूप से रिश्ता रहा है। हम दोनों एक-दूसरे से कभी अलग नहीं हुए। कोसी, सीमांचल और मिथिलांचल में हमलोग भाजपा को रोकेंगे। जिस तरह 17 महीना तेजस्वी यादव ने काम किया, उससे जनता में एक विश्वास पैदा हुआ। राहुल गांधी ने जिस तरह दिल भी जीता और सपने दिखाएं लोगों उससे एक उम्मीद जगी है। हमलोग मिलकर 2024 ही नहीं 2025 का चुनाव भी जीतेंगे। कांग्रेस के नेतृत्व में हमलोग मिलकर लड़ेंगे। पूर्णिया मेरी लाइफ लाइन है। वहां न कोई जात है न कोई धर्म है। मैं हर एक व्यक्ति के दिल में हूं। मेरी लड़ाई बिल्कुल साफ है। मैं पूर्ण रूप से इंडी गठबंधन के साथ हूं। राजद से मेरा पारिवारिक रिश्ता था, है और हमेशा रहेगा। तेजस्वी यादव के साथ खड़ा रहना मेरा दायित्व है। मैं चाहता हूं कि तेजस्वी यादव 2025 में मजबूती के साथ सरकार बनाएं।

माकपा विधायक अजीत सरकार की हत्या 14 जून 1998 को हुई। हत्या में एके-47 का इस्तेमाल हुआ था। इस मामले में पप्पू यादव को मुख्य आरोपी बनाया गया था। इनके अलावा राजन तिवारी, अनिल यादव, अमर यादव, हरीश चौधरी आदि को आरोपी बनाया गया था। पटना के एमपी-एमएलए कोर्ट ने वर्ष 2008 में उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

लेकिन, पटना हाईकोर्ट ने 17 मई, 2013 को पप्पू, राजन व अनिल को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया। इसके बाद पप्पू यादव ने 2015 में अपनी जन अधिकार पार्टी बनाई। पप्पू यादव की पार्टी ने बिहार विधानसभा उम्मीदवार उतारे थे लेकिन सफलता नहीं मिली। पप्पू ने 2019 में मधेपुरा से लोकसभा चुनाव भी लड़ा था, लेकिन हार गए थे। 2024 में वह पूर्णिया लोकसभा से चुनाव लड़ने की घोषणा कर चुके हैं। पप्पू यादव का जन्म मधेपुरा जिले में 1967 में हुआ था। इसके बाद पूर्णिया पर पढ़ाई करने के लिए आ गए। 1990 में निर्दलीय विधायक चुनकर आए पप्पू यादव ने 1991, 1996, 1999, 2004 और 2014 में लोकसभा चुनाव जीता था।

रामविलास के पुत्र चिराग पासवान ने कहा

हाजीपुर से मैं ही लड़ूंगा, चाचा की चुनौती स्वीकार है

पटना, 20 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्रिमंडल से पशुपति कुमार पारस का इस्तीफा मंजूर होने के साथ ही यह तय हो गया है कि वह अपनी हाजीपुर की जिद पर रहेंगे। महागठबंधन से उनकी पक्की बात अबतक नहीं हुई है, लेकिन चूंकि हाजीपुर की जिद पर ही उन्होंने केंद्रीय मंत्री का पद छोड़ा है तो लड़ना तय है। ऐसे में इस सीट पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की ओर से लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रत्याशी के रूप में चिराग पासवान का नाम भी पक्का है। चाचा पारस से हाजीपुर में संभावित टक्कर पर बुधवार को चिराग पासवान ने दिल्ली में मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि वह चुनौतियों के लिए तैयार रहते हैं। ऐसी चुनौतियों का सामना करते हुए ही यहां तक पहुंचे हैं।

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने कहा कि केंद्रीय संसदीय बोर्ड (पार्टी की) की बैठक के बाद, हम बिहार के लिए रवाना होंगे। आने वाले दिनों में हमलोग बड़े रण की ओर अग्रेसर हो रहे हैं। हमलोगों का 400 से ज्यादा सीटें जीतने का लक्ष्य है। पीएम मोदी के नेतृत्व में हम जीतेंगे यह हमारा विश्वास है। उम्मीदवारों के सवाल पर चिराग पासवान ने कहा कि प्रत्याशियों ने नामों पर चर्चा चल रही है। कुछ नामों के सुझाव हमारे संसदीय बोर्ड द्वारा आया है इस पर आ चर्चा हुई है। अगले चार से पांच दिन के अंदर पांचों सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी जाएगी।हाजीपुर सीट से चुनाव लड़ने के सवाल पर चिराग पासवान ने कहा कि यह सहमति जरूर हुई है। आज भी संसदीय बोर्ड की बैठक में हाजीपुर सीट पर औपचारिक मुहर लगा दी गई है। हाजीपुर मेरे पिता की कर्मभूमि रही है। वहां से एनडीए प्रत्याशी के रूप में लोक जनशक्ति पार्टी के उम्मीदवार के रूप में मैं खुद चुनाव लड़ने जा रहा हूं। वहीं पशुपति कुमार पारस के हाजीपुर से चुनाव लड़ने के बयान के बारे में पूछे जाने पर चिराग पासवान ने कहा कि इसमें कहीं कोई समस्या ही नहीं है। मैं चुनौतियों से कभी नहीं डरा। मैंने हमेशा चुनौतियों का बहादुरी से सामना किया है। इसलिए आज मैं यहां खड़ा हूं। मेरे नेता (रामविलास पासवान) के जाने के बाद मुझे ख़त्म करने की कोशिश की गई, लेकिन मैं झुका नहीं। अब मैं हर चुनौती के लिए तैयार हूं। जनता मेरे साथ है। चाचा जी हमेशा कहते रहे हैं कि राजनीति में अंतिम सांस तक वह पीएम मोदी के साथ रहेंगे और एनडीए में रहेंगे। ऐसे में पीएम मोदी के 400 सीटों के लक्ष्य के राह में वह स्वयं रोड़ा बनेंगे? यह फैसला उनको लेना है। परिवार से अलग होने का फैसला उन्हीं (पशुपति पारस) का था। आज भी वह साथ आएंगे तो फैसला उन्हीं का रहेगा।

लोकल ट्रेनों में मतदाताओं को लुभा रही हैं सुप्रिया सुले

मुंबई, 20 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने मंगलवार को लोकल ट्रेन में यात्रा की। इस दौरान उन्होंने यात्रियों से बातचीत भी की। बारामती लोकसभा सांसद ने यावत और दौंड तालुका के बीच पुणे दौंड लोकल ट्रेन में सफर किया। ट्रेन में उन्होंने यात्रियों की परेशानियों पर बात की और उनसे इसपर चर्चा भी की।

सुप्रिया सुले हमेशा एक नए तरीके से मतदाताओं के साथ मतदाताओं से मिल रहीं है। इससे पहले उन्होंने बारामती में युवाओं के साथ एक बैडमिंटन खेल में हिस्सा लिया। बारामती से तीन बार की सांसद सुप्रीया सुले इस बार अपनी भाभी और अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार के खिलाफ चुनाव लड़ सकती है। बता दें कि राकांपा में विभाजन के बाद ही अजित पवार के गुट ने सुनेत्रा पवार को बारामती से अपना उम्मीदवार घोषित किया था।सुनेत्रा पवार ने मीडिया से बात करते हुए कहा, अगर आप हमारा समर्थन करते हैं तो हम आपकी समस्याओं को हल करने के लिए काम करेंगे। उन्होंने अपने पति अजित पवार द्वारा किए गए कार्यों पर जोर देते हुए कहा कि उन्हें अपने पति पर गर्व है। सुनेत्रा ने आगे कहा, जब मैं अजित द्वारा किए गए कामों को देखती हूं तो मुझे उनपर गर्व होता है। मुझे ऐसा लगता है कि उन्होंने हमेशा अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर समस्याओं को हल किया है।राकांपा-शरदचंद्र पवार की तरफ से सुप्रीया सुले को बारामती का उम्मीदवार घोषित किया गया है। अपनी बेटी के लिए वोट मांगते हुए शरद पवार ने जनता से उनके नए पार्टी चिंह पर वोट डालने की अपील की है। उन्होंने कहा, अगर आपको लगता है कि सब कुछ नियंत्रण में होना चाहिए, तो अब समय आ गया है कि जब आप मतदान के लिए जाएंगे और तुतारी का बटन दबाएं। सुप्रीया सुले को बारामती लोकसभा सीट से उम्मीदवार घोषित करते हुए शरद पवार ने बताया कि सुप्रीया उन दो-तीन सांसदों में से एक है, जो अपने कार्यों के लिए जानी जाती है।

लोकसभा चुनाव को भुनाने की तैयारी में फेसबुक

फेसबुक और इंस्टाग्राम पर रखेगी नजर

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। भारत में लोकसभा चुनाव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। चुनाव आयोग ने तारीखों का ऐलान कर दिया है। राजनीतिक दल भी सोशल मीडिया से लेकर डोर-टू-डोर प्रचार अभियान में जोर-शोर के साथ जुट गए हैं। इसी बीच फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा ने भी चुनावों को लेकर तैयारियां शुरू कर दी हैं। कंपनी चुनाव के दौरान भ्रामक खबरों, फोटो और वीडियो पर नकेल कसने की तैयारी कर रही है। लोकसभा चुनाव को देखते हुए कंपनी इंडिया स्पेसिफिक इलेक्शंस ऑपरेशंस सेंटर को एक्टिव करेगी, ताकि गलत खबरों की पहचान की जा सके और उन्हें तत्काल सोशल मीडिया प्लेटफार्म से हटाया जा सके।

मेटा का कहना है कि देश में आम चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष एवं पारदर्शी रखने में वह अपनी तरफ से पूरा सहयोग करेगी। कंपनी एप्लिकेशन और तकनीकी प्लेटफॉर्म पर लोगों को गुमराह करने वाली खबरों हटाने के लिए खास इंतजाम करेगी। इसके अलावा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी चुनाव में बेजा इस्तेमाल

न हो इस पर भी काम किया जाएगा। चुनाव में मतदाताओं को गुमराह करने वाली खबरें फैलने से रोकने के लिए कई कदम उठाएगी।

लोकसभा चुनाव 2024 को देखते हुए कंपनी एक खास कंट्रोल रूम स्थापित करने जा रही है। इसमें हर क्षेत्र के विशेषज्ञ लोग शामिल होंगे। इनमें जासूसी के मामले समझने वाले, आंकड़ों के वैज्ञानिक, इंजीनियर, रिसर्च करने वाले, कानून और कंटेंट से जुड़े लोग शामिल होंगे। ये सभी मिलकर चुनाव के दौरान होने वाली परेशानियों को पहले ही पहचानने की कोशिश करेंगे और उन्हें रोकने के तरीके भी खोजेंगे।

कंपनी का कहना है कि वह चुनाव के दौरान गलत जानकारी फैलने से रोकने और ट्रांसपेरेंसी बढ़ाने की कोशिश करेगी। दुनिया भर में बचाव और सुरक्षा जैसे

फेक-न्यूज़ रोकने का होगा खास इंतजाम

विषयों पर 40,000 लोगों के साथ मिलकर काम कर रही है। इनमें कंटेंट को चेक करने वाले 15,000 लोग भी शामिल हैं, जो फेसबुक, इंस्टाग्राम और थ्रेड्स जैसे प्लेटफॉर्म पर 70 भाषाओं में काम कर रहे हैं। इनमें 20 भारतीय भाषाएं भी शामिल हैं। कंपनी ने यह भी कहा कि वह भारत में फैक्ट-चेकिंग टीम का विस्तार कर रही है। इस काम के लिए भारत में हमने 16 साझेदारों से हाथ मिलाया है, जो 16 भाषाओं में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। किसी देश के लिए हमारी यह सबसे बड़ी व्यवस्था है। मेटा ने कहा कि वह गूगल, ओपन आई, माइक्रोसॉफ्ट, अडोबी, मिड जर्नी और शटरस्टॉक द्वारा एआई से तैयार तस्वीरों की पहचान करने के लिए नई तकनीक तैयार कर रही है।

कंपनी का कहना है कि आने वाले दिनों में सोशल मीडिया प्लेटफार्म जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम और थ्रेड्स से गलत और भ्रामक जानकारी हटाएगी। ये ऐसी जानकारी होगी, जो लोगों को वोट डालने से रोक सकती है, या फिर हिंसा पहुंचाने वाली खबर हो सकती है। इसके अलावा कई धर्मों से जुड़े जो भ्रामक कंटेंट उपलब्ध है, तो उन्हें भी कंपनी हटाएगी।

पंजाब में एक बार फिर मिल बैठेंगे दीवाने दो

भाजपा और शिरोमणि अकाली दल में गठबंधन संभव

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब में भाजपा और शिरोमणि अकाली दल मिलकर चुनावी ताल ठोक सकते हैं। लोकसभा चुनाव में गठबंधन को लेकर, दोनों दलों के बीच बातचीत चल रही है। अगले 48 घंटे में इन दोनों दलों के बीच सीट शेयरिंग का ऐलान संभव है।

बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी इस बाबत संकेत दिया है कि पंजाब में दोनों दल मिलकर चुनाव लड़ सकते हैं। एक मीडिया हाउस के साथ बातचीत में शाह ने कहा, पंजाब के लिए अभी मध्यस्थता चल रही है। दो तीन दिन में स्थिति स्पष्ट होगी। इससे पहले शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर बादल ने भी लोकसभा चुनाव में भाजपा के साथ गठबंधन होने के संकेत दिए थे। उन्होंने कहा था, हम लाइक माइंडेड पार्टियों के साथ गठबंधन करने के लिए तैयार हैं। हालांकि उन्होंने यह भी कहा था कि शिरोमणि अकाली दल के गठबंधन की सूची में कांग्रेस और आप शामिल नहीं है।

भाजपा से जुड़े नेताओं का कहना है, पंजाब में दोनों पार्टियां मिलकर चुनाव लड़ें, इसके लिए बातचीत हो रही है। पहले भी दोनों दल साथ रहे हैं। 2020 में शुरू हुए किसान आंदोलन के दौरान, दोनों सहयोगी अलग हो गए थे। उस वक्त किसानों के समर्थन में शिरोमणि अकाली

दल, एनडीए से बाहर हो गया था। लोकसभा चुनाव के लिए पंजाब में भाजपा और शिरोमणि अकाली दल की मौजूदा राजनीतिक स्थिति देखें, तो वह उनके हित में नहीं है।

मतलब, दोनों पार्टियां अपने बलबूते पर चुनाव लड़ती हैं तो राजनीतिक नुकसान संभव है। लोकसभा चुनाव में दोनों दलों के अधिकांश नेता, गठबंधन के पक्ष में हैं। हालांकि पिछले दिनों शुरू हुए किसान आंदोलन में दोनों दलों के बीच दूरी पैदा हो गई थी। तब सुखबीर बादल के अधिकांश सहयोगियों का कहना था कि किसान आंदोलन के चलते, एसएडी को भाजपा के साथ नहीं जाना चाहिए। इससे खासतौर पर पंजाब के ग्रामीण इलाकों में एसएडी को बड़ी राजनीतिक चोट लग सकती है।

अब किसान आंदोलन, शांत हो गया है। ऐसे में दोनों दल, गठबंधन के लिए आगे आए हैं। भाजपा नेता के मुताबिक, पंजाब की मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों में दोनों दल गठबंधन चाहते हैं। बहुत जल्द गठबंधन का औपचारिक एलान कर दिया जाएगा।

बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, अभी मध्यस्थता चल रही है। दूसरी तरफ से एक ऑफर आता है, तो हम काउंटर ऑफर दे देते हैं। गठबंधन को लेकर जारी इस प्रक्रिया को हां या ना में नहीं देखना चाहिए। दो तीन दिन में स्थिति स्पष्ट हो जाएगी।

हम चाहते हैं कि एनडीए के सभी साथी एक साथ आ जाएं। हालांकि इसमें भाजपा को उसका उचित हिस्सा व कार्यकर्ताओं का सम्मान, वो भी हमारी चिंता का विषय है। इससे पहले खुद सुखबीर बादल भी गठबंधन को लेकर इशारा कर चुके हैं। पिछले दिनों बादल ने कहा था, पंजाब को बचाने के लिए अकाली दल किसी भी राजनीतिक दल से हाथ मिला सकता है।

भाजपा नेता एवं पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह और सुनील जाखड़ भी चाहते हैं कि लोकसभा चुनाव में दोनों दलों के बीच गठबंधन का होना जरूरी है। दोनों दलों को इसका फायदा मिलेगा। इससे पंजाब की राजनीति में बड़ा बदलाव संभव है। विधानसभा चुनाव 2022 में आम आदमी पार्टी को 117 में से 92 सीटें मिली थीं। कांग्रेस पार्टी 18 सीटों पर सिमट गई थी।

शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) के खाते में केवल तीन सीटें आई थीं, जबकि भाजपा ने दो सीटों पर जीत दर्ज कराई। संगरूर और जालंधर लोकसभा उपचुनाव में दोनों पार्टियां के हाथ कुछ नहीं लगा। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि शिरोमणि अकाली दल, पंजाब में अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है। दूसरी तरफ, भाजपा के लिए भी ऐसी ही स्थिति है।

पंजाब के शहरी इलाकों में भाजपा का कुछ जनाधार है, लेकिन गांव में पार्टी ज्यादा कुछ नहीं कर सकी।

दूसरी ओर, शिरोमणि अकाली दल का ग्रामीण इलाकों में अभी वोट बैंक बचा है, लेकिन शहरों में एसएडी की स्थिति अच्छी नहीं है। ऐसे में दोनों दल मिलकर लोकसभा चुनाव लड़ते हैं, तो पंजाब की 13 सीटों पर कड़ा मुकाबला हो सकता है। भाजपा का प्रयास है कि गठबंधन के तहत उसे सात-आठ सीटें दी जाएं।

भाजपा सांसदों के खिलाफ आरोपपत्र लाएगी कांग्रेस

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अरविन्दर सिंह लवली ने मंगलवार को प्रेसवार्ता में कहा कि भाजपा के सांसदों ने 10 साल के दौरान कोई कार्य नहीं किया। इस कारण भाजपा ने छह सांसदों के टिकट काट दिए। भाजपा के सांसदों के कामकाज के संबंध में कांग्रेस आरोपपत्र जारी करेगी जिससे जनता को अवगत कराया जाएगा। भाजपाई 100 दिनों की कार्ययोजना बताकर जनता को गुमराह करने की जगह अपने सांसदों के कामकाज का ब्योरा दे।लवली ने भाजपा उम्मीदवारों ओर से सभी संसदीय क्षेत्रों में नई दिल्ली की तरह केंद्र सरकार के अस्पताल खुलवाने की घोषणा पर सवाल किया कि क्या भाजपा सरकार ने दिल्ली में पिछले 10 वर्षों में एक भी नया अस्पताल नहीं बनवाया। कांग्रेस सरकार ने मेट्रो फेज-तीन के लिए 112 किमी की मंजूरी दिलाई थी जिसका काम

2015 तक पूरा होना था, लेकिन केंद्र सरकार की नाकामियों के कारण 2024 तक सिर्फ 50 प्रतिशत काम ही पूरा हो सका है। सिग्नेचर ब्रिज का निर्माण कांग्रेस की शीला सरकार ने किया जिसका श्रेय भाजपा सांसद ले रहे हैं।वहीं, प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के तहत 2019 तक प्रत्येक सांसद को तीन-तीन गांव और 2024 तक पांच-पांच गांव गोद लेने थे। ऐसे में अब तक 56 गांव आदर्श गांव बनने थे, लेकिन भाजपा सांसदों ने लगभग 12 गांव ही गोद लिए और कोई विकास कार्य नहीं किया। वहीं, पूर्व मंत्री हारुन युसूफ ने कहा कि चुनाव आचार संहिता लागू होने के बाद भाजपा इसका उल्लंघन कर रही है। प्रधानमंत्री के फोटो लगे थैलों में राशन दिया जा रहा है। इसके अलावा जगह-जगह प्रधानमंत्री की फोटो लगी रहना आचार संहिता का उल्लंघन है।

आचार संहिता लागू होने के बाद निगम ने दो लाख से ज्यादा राजनीतिक प्रचार सामग्री हटा दी हैं। करीब डेढ़ लाख पोस्टर, 22 हजार होर्डिंग, 17 हजार से ज्यादा बैनर और करीब 12 हजार छोटे बोर्ड सड़कों, सरकारी कार्यालयों और आसपास सार्वजनिक जगहों से हटाए गए। 17 मार्च तक रोहिणी जोन में 4359, सिटी एसपी जोन में 10366, सिविल लाइन जोन में 4000, करोल बाग जोन में 3975, नरेला जोन में 2997, केशवपुरम जोन में 2372, दक्षिण जोन में 7817, पश्चिमी जोन में 3863, नजफगढ़ जोन में 5006, मध्य जोन में 3457, शाहदरा दक्षिणी जोन में 6859 व शाहदरा उत्तरी जोन में 15972 बैनर, पोस्टर और होर्डिंग हटाए गए। 18-19 मार्च को कार्रवाई तेज करते हुए 1,30,321 बैनर पोस्टर, होर्डिंग हटाए गए।

लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए निगम ने अवैध प्रचार सामग्री हटाने के लिए एक नोडल अधिकारी की नियुक्ति की है। सभी जोन में स्पेशल टास्क फोर्स बनाई गई है। निगम की ओर से कहा गया है कि ये कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। चुनाव नजदीक आते ही पार्टी बदलने का सिलसिला तेज हो गया है। मंगलवार को आप व कांग्रेस के कई समर्थकों समेत भाजपा में शामिल हो गए।

भारतवर्ष की राजनीति में परिवारवाद की विष-बेल

- बाप-दादा के बूते बढ़े और बोल रहे बड़े बोल
- परिवारवादी नेता लोकतंत्र में जहर रहे हैं घोल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर लालू यादव की अभद्र टिप्पणी के बाद मर्यादा रेखा लांघते हुए विपक्षी उनके परिवार तक पहुंच गए। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने सारा भारत मेरा परिवार है, कह कर पूरी चर्चा को एक नया मोड़ दे दिया। बीते एक दशक के दौरान देश में लोकतंत्र को लेकर बहुत चर्चाएं हुई हैं। विशेष रूप से वामपंथी बुद्धिजीवी, पत्रकार व उनके साथ अदृश्य, पर मजबूत गठबंधन बनाकर चलने वाली स्वघोषित सेकुलर राजनीति वाला खेमा देश के अंदर व बाहर यह आरोप लगाता रहा है कि भारत में लोकतंत्र समाप्त हो चुका है। वोटिंग मशीन फर्जी है, यह हैक हो रही है और मतदाताओं को वोट देने की तमीज नहीं रही।

घटनाक्रम पर नजर डालें तो ध्यान में आता है कि तथाकथित बहुसंख्यकवाद से उनका आशय अवांछित चुनाव परिणाम से है। उन्हें संवैधानिक संस्थाओं पर खतरा इसलिए दिखता है, क्योंकि अदालतों ने वर्षों से लंबित राम जन्मभूमि, कृष्ण जन्मभूमि, काशी विश्वनाथ जैसे ज्वलंत मामलों पर निर्णय दिए हैं या मुकदमे को आगे बढ़ाया है। संवैधानिक संस्थाओं पर खतरा संभवत: इसलिए भी दिखाई दे रहा है, क्योंकि चुनाव आयोग ने वोटिंग मशीन को हैक करके दिखाने की चुनौती दी, जिसे स्वीकार करने का साहस कोई भी नहीं कर सका।

चीन की गुमनाम संस्थाओं से पैसे लेकर खास तरह के भारत विरोधी विमर्श गढ़ने, भ्रम फैलाने के प्रमाण सामने आने के बाद ऐसे मीडिया संस्थानों पर कार्रवाई हो रही है। विदेशी धन से भारत में काम करने वाले एनजीओ को जवाबदेह और पारदर्शी बनाने के लिए कदम उठाए गए हैं। माओवादी शहरी नक्सलियों पर नकेल कसी गई है। यही कथित रूप से संस्थाओं, विचारकों पर हमला है।

आजकल कांग्रेस नेता राहुल गांधी की न्याय यात्रा का एक वीडियो वायरल है। इसमें वह मतदाताओं को डांट रहे हैं कि आप लोग सो रहे हो, जय श्रीराम-जय श्रीराम बोलना, ताली बजाना, फोन दिखाना, मंदिर जाना और भूखे मरना। ये चर्चाएं होती हैं। सेनाध्यक्ष और उद्योगपतियों को गाली दी जाती है, पत्थरबाजों, नक्सलियों और अलगाववादियों को पुचकारा जाता है। जातिवाद को विकास के पर्याय के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, चुनावी मुद्दा बनाया जाता है। राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा समारोह को भी जाति में तोल कर भ्रम फैलाने की कोशिश की जाती है। यह सब होता है लोकतंत्र के नाम पर, लेकिन भारत के लोकतंत्र पर लगे वंशवाद के ग्रहण पर कोई चर्चा नहीं होती, क्योंकि वंशवाद की चर्चा होने पर अधिकांश राजनीतिक खेमे असहज हो जाते हैं।

जब वंशवाद की बात होती है, तो वंशवादी राजनीति को आड़ देने के लिए सवाल उठाया जाता है कि वंशवाद आखिर है क्या? क्या किसी राजनीतिक के परिवार का कोई और व्यक्ति राजनीति में नहीं आ सकता? क्या किसी को इस आधार पर अपना स्वच्छ कार्य क्षेत्र चुनने से रोका जा सकता है? राजनीतिक व्यक्ति के किसी संबंधी का राजनीति में आना वंशवाद या परिवारवाद नहीं है। वास्तव में वंशवाद यह है कि किसी राजनीतिक दल को संपत्ति के रूप में अपने बेटे या बेटी को सौंप दिया जाए। पार्टी के निर्णय परिवार ले, पार्टी को परिवार चलाए और सत्ता में आने पर उसी परिवार से प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री बने।

देश के सबसे ताकतवर नेहरू-गांधी परिवार पर नजर डालें। जवाहर लाल नेहरू 1947 से 1964 तक प्रधानमंत्री रहे। 1951 से 1954 तक तो वे एक साथ कांग्रेस के अध्यक्ष और प्रधानमंत्री रहे। फिर 1959 में इंदिरा गांधी कांग्रेस अध्यक्ष बनीं। वे 1966 से 1977 और 1980 से मृत्युपर्यंत (1984 तक) प्रधानमंत्री रहीं। इस दौरान 1978 से 83 तक कांग्रेस अध्यक्ष व प्रधानमंत्री, दोनों रहीं। उनके छोटे पुत्र संजय गांधी बिना किसी पद के पार्टी और सरकार चलाते रहे।

इंदिरा गांधी की मृत्यु के बाद उनके बड़े बेटे राजीव को प्रधानमंत्री बनाकर कांग्रेस की कमान सौंप दी गई। राजीव मृत्युपर्यंत कांग्रेस के अध्यक्ष रहे। उनके बाद पीवी नरसिंहराव का संक्षिप्त (5 वर्ष) काल रहा, जिसमें परदे के पीछे से सोनिया गांधी उनके लिए चुनौतियां पेश करती रहीं। मृत्यु के बाद नरसिंहराव को दिल्ली में अंतिम संस्कार भी नसीब नहीं हुआ।

1998 में कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष सीताराम केसरी को मीडिया के सामने उठाकर पार्टी कार्यालय के बाहर फेंक दिया गया और सोनिया अध्यक्ष बन गईं। वे 1998 से 2017 तक अध्यक्ष रहीं। 2017 से 2019 तक उनके पुत्र राहुल गांधी और 2019-2022 तक पुन: सोनिया अध्यक्ष रहीं। संप्रग के 10 वर्ष के कार्यकाल में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की स्थिति सर्वज्ञात है।

सब जानते हैं कि लालू यादव का विशाल कुनबा राजद का मालिक है, सपा मुलायम सिंह यादव खानदान की संपत्ति है। उद्धव ठाकरे, बादल परिवार, शेख अब्दुल्ला खानदान, मुफ्ती मुहम्मद सईद और महबूबा मुफ्ती, ये दलों के स्वामियों के नाम हैं। दक्षिण में करुणानिधि 1969 से 2018 तक द्रमुक के मालिक व सत्ताधीश बने रहे। उनके बाद अब बेटे स्टालिन की हुकूमत है। यह है वंशवाद। गांधी परिवार कांग्रेस की मजबूरी बना हुआ है, लेकिन इसके लिए कांग्रेस के उभरते नेतृत्व को दबाने, मिटाने और बाहर करने का लंबा इतिहास भी है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, मोरारजी देसाई, डॉ. भीमराव आंबेडकर जैसे दिग्गज इसके उदाहरण हैं। बाद के दौर में वीपी सिंह, चंद्रशेखर किरण रेड्डी, प्रणब मुखर्जी, ज्योतिरादित्य सिंधिया और संघर्षरत सचिन पायलट जैसे नाम हैं। मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री बनाए गए, क्योंकि गांधी परिवार को प्रधानमंत्री की नहीं, एक मैनेजर की आवश्यकता थी जो राहुल गांधी के (अच्छी तरह लांच होने के बाद) उन्हें सत्ता सौंप दे। आज 84 वर्षीय खड़गे कांग्रेस अध्यक्ष हैं। सपा, राजद, नेशनल कांफ्रेंस, पीडीपी जैसे दलों में परिवार के बाहर से एक भी उभरता नेता नहीं दिखता।

यह संयोग नहीं है कि सभी वंशवादी राजनीतिक दल जातिवाद और तुष्टीकरण की राजनीति को अपनी आक्सीजन बनाए हुए हैं। जाति का जोड़-तोड़ उनका मुख्य आधार है। जातिवाद की मानसिकता परिवारवाद की मानसिकता के साथ सहज तालमेल बना लेती है और तुष्टीकरण वंशवाद को बचाए रखने का हथियार बन जाता है। परिवार की सत्ता पर पकड़ बनाए रखने के लिए इतिहास को तोड़ा-मरोड़ा जाता है। आज अकल्पनीय लगता है, लेकिन नेहरू और इंदिरा को प्रधानमंत्री रहते ही भारत रत्न से नवाजा गया था।

खानदान की सियासी पकड़ को देश के जनमानस में गहरा करने के लिए ही हजारों स्वाधीनता सेनानियों, वीरों, सामाजिक-आध्यात्मिक महापुरुषों के नाम छिपाए गए, पीछे धकेले गए। बिहार में 1994 में सरकारी पाठ्यक्रम में लालू यादव की जीवनी जोड़ी गई। 1996 में चारा घोटाले का आरोप लगने के बाद भी इसे नहीं हटाया गया। द्रमुक नेता करुणानिधि पर भ्रष्टाचार के अनेक मामले बने। भ्रष्टाचार की व्यापकता को देखकर जांच आयोग भी सदमे में आ गया। तिरुवल्लुवर, राजराजेश्वर चोल, श्रीनिवास रामानुजम और सुब्रमण्यम भारती की जन्मभूमि तमिलनाडु में आज करुणानिधि की जीवनी बच्चों को पढ़ाई जा रही है।

स्वाधीनता के बाद की कांग्रेस का इतिहास प्रमाण है कि वंशवाद के कारण राजनीतिक दलों के अंदर जो घुटन पैदा होती है, उससे योग्यता जाती है और नेतृत्व सत्ता-संगठन की ताकत को अपने परिवार का वर्चस्व स्थापित करने के लिए खर्च करता है। तब राजनीति एक पारिवारिक व्यापार में बदल जाती है।

राजनीतिक वंशवाद ने भारत में निरंकुश सत्ता को जन्म दिया है। आपातकाल के दौर में संजय गांधी के कारनामे, सपा-राजद के दौर में उत्तर प्रदेश और बिहार के किस्से आज सार्वजनिक फोरम पर मौजूद हैं।

वंशवाद संगठन के विचार को मार देता है, इसका उदाहरण है 1976 में संविधान में जोड़े गए दो शब्द पंथनिरपेक्षता और समाजवाद। आखिर क्या वजह थी कि संविधान निर्माताओं ने इन शब्दों को संविधान में स्थान नहीं दिया था? क्या कारण था कि आपातकाल की छाया में इंदिरा गांधी ने इन्हें संविधान में जोड़ा, सिवाय इसके कि परिवार की सत्ता को बचाए रखने के लिए नए बहानों की जरूरत पड़ गई थी? क्या यह सच नहीं है कि महात्मा गांधी, जिनके नाम पर नेहरू-गांधी परिवार ने अबाध सत्ता सुख भोगा, समाजवाद के खिलाफ थे और इसे एक बाहरी व अनावश्यक विचार मानते थे?

2014 भारत के खानदानी दलों के लिए अप्रत्याशित साल था। भाजपा अपने दम सत्ता का जादुई आंकड़ा लांघ जाएगी, ऐसा उन्होंने सपने में भी नहीं सोचा था। अगले पांच वर्ष में प्रधानमंत्री मोदी ने विचार, राष्ट्रीयता और लाभार्थी वर्ग के रूप में भाजपा का मजबूत त्रिस्तरीय चुनावी आधार निर्मित कर लिया। फिर विधानसभा चुनावों और 2019 के आम चुनावों ने देश के बदलते मानस को रेखांकित किया है। अब 2024 का आम चुनाव सामने है। उत्तर से दक्षिण तक खानदानों को चुनौती मिल रही है। ऐसे में परिवारवाद पर शुरू बहस इन दलों को परेशान कर रही है।

दक्षिण भारत में भी देखिए किस तरह परिवारवाद न राजनीति को ग्रस रखा है। तमिलनाडु में करुणानिधि खानदान किस तरह सत्ता पर काबिज है, यह सामने है। करुणानिधि के बेटे एमके स्टालिन मुख्यमंत्री हैं तो उनका बेटा उदयनिधि स्टालिन मंत्री। एमके स्टालिन की बहन कनिमोई करुणानिधि सांसद और इसी तरह करुणानिधि खानदान सत्ता के सारे ठिकानों पर कुंडली मारे बैठा है।

आंध्र प्रदेश में भी वर्तमान मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी परिवारवाद की ही विरासत में आंध्र की सत्ता संभाल रहे हैं। जगन के पिता वाईएस राजशेखर रेड्डी आंध्र के मुख्यमंत्री और कद्दावर नेता थे। जगन की बहन वाईएस शर्मिला की राजनीतिक सक्रियता भी राजनीति के परिवारीकरण का ही उत्पाद है। तेलंगाना भी अपनी पैदाइश के बाद से परिवारवाद की राजनीति का ही शिकार रहा है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रहे केसीआर के बेटे केटीआर लगातार प्रदेश सरकार में ताकतवर मंत्री रहे। केसीआर की बेटी के कविता विधान परिषद की सदस्य हैं। परिवारवाद की राजनीति राज्य के आर्थिक स्रोतों के दोहन पर केंद्रित रहती है। चाहे वह केंद्र में हो, चाहे बिहार, यूपी, तमिलनाडु, आंध्र या तेलंगाना हो। के कविता दिल्ली के शराब नीति घोटाले में लिप्त रहीं, आज व जेल में हैं। परिवारवाद की राजनीति के पुरोधा लालू यादव भी जेल में रहे हैं। कांग्रेस के काल में वित्त मंत्री रहे पी चिदंबरम और उनकी संतान भी परिवर की राजनीति की ही मिसाल हैं। ऐसे अनगिनत उदाहरण हैं, आप धागे उधेड़ते चले जाएं, उसका सिरा नहीं दिखेगा।

कवि कुमार विश्वास और 'राम' अरुण गोविल के भी चुनाव लड़ने की चर्चा

दिल्ली/लखनऊ, 20 मार्च (एजेंसियां)। चर्चा है कि मेरठ सीट से भाजपा कवि कुमार विश्वास को चुनाव लड़वा सकती है। इसी तरह रामायण सीरियल में राम की भूमिका निभा चुके चर्चित अभिनेता अरुण गोविल को भी चुनाव मैदान में उतारे जाने की चर्चा है।

अपनी पहली लिस्ट में भाजपा ने कुल 195 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की थी, जिसमें 51 यूपी के थे। इसमें बृजभूषण, वरुण गांधी, मेनका गांधी आदि के नाम नहीं होने की वजह से कई तरह के कयास लगाए जाने लगे थे। कहा जा रहा है कि पार्टी कई जगह नए उम्मीदवार देने की तैयारी कर रही है। वरुण और बृजभूषण के टिकट काटे जा सकते हैं। वरुण गांधी की पीलीभीत सीट से जहां योगी सरकार में मंत्री जितिन प्रसाद या संजय गंगवार को उतारा जा सकता है तो बृजभूषण सिंह की जगह कैसरगंज से उनकी पत्नी केतकी का नाम भी चल रहा है। अगर उनकी पत्नी को टिकट नहीं मिला तो बेटे प्रतीक को भी चुनाव लड़वाया जा सकता है। बृजभूषण पिछले कई बार से सांसद हैं और अपने क्षेत्र में खासा दबदबा रखते हैं। पिछले साल महिला पहलवानों ने यौन शोषण का आरोप लगाया, जिसके बाद अब पार्टी उनका टिकट काटकर उनके ही परिवार से किसी अन्य को देने की तैयारी कर रही है।

वहीं, मेरठ सीट से भाजपा जाने-माने कवि कुमार विश्वास को चुनाव लड़वा सकती है। कुमार विश्वास के पहले भी कई बार राज्यसभा उम्मीदवार बनाए जाने की अटकलें लगती रही हैं। यूपी कोर कमेटी की बैठक में कुमार विश्वास के नाम की भी चर्चा हुई है और सीईसी उनके नाम पर मुहर लगा सकती है। अभी मेरठ से राजेंद्र अग्रवाल सांसद हैं। इससे पूर्व टीवी सीरियल रामायण के चर्चित नाम अरुण गोविल के नाम भी पर विचार हो रहा है। पार्टी वैश्य, ब्राह्मण, ठाकुर के समीकरण को विशेष तौर पर ध्यान में रखकर अपने उम्मीदवार पर विचार कर रही है।

हरियाणा का चुनावी मंच

जीत के लिए भाजपा ने बिछाई जात की बिसात

चंडीगढ़, 20 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा की दसों सीटों पर जीत हासिल करने के लिए भाजपा ने रणनीति बदलते हुए मंत्रिमंडल विस्तार के माध्यम से नई बिसात बिछा दी है। मंत्रिमंडल विस्तार पूरी तरह से लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखकर किया गया है और जातीय व क्षेत्रीय समीकरणों को साधने की कोशिश की गई है।

मंत्रिमंडल विस्तार के बाद प्रदेश के आठ लोकसभा क्षेत्रों में कम से कम एक विधायक को मंत्री या राज्य मंत्री के रूप में प्रतिनिधित्व दिया गया है। खास बात ये है कि जहां पर भाजपा मजबूत है, वहीं नए चेहरों को मंत्री पद का तोहफा दिया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के गढ़ रोहतक और सोनीपत लोकसभा क्षेत्र में जहां भाजपा कमजोर है, वहां किसी नेता को मौका नहीं दिया गया है। अब संतुलन बनाने के लिए रोहतक से पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर या सोनीपत से मोहन लाल बड़ौली को प्रदेशाध्यक्ष बनाया जा सकता है।

नए मंत्रिमंडल में खुद मुख्यमंत्री नायब सैनी ओबीसी चेहरा हैं, जबकि नए मंत्रिमंडल विस्तार से जाटों, वैश्य और पंजाबियों को साधने की कोशिश की है। अनुसूचित जाति में भी बनाया संतुलन, राजपूत को भी सरकार में प्रतिनिधित्व दिया है। मनोहर कैबिनेट के मुकाबले मंत्रिमंडल में जाटों की संख्या कम है, लेकिन इस बार वैश्य कोटे को अधिक तवज्जो मिली है। वैश्य कोटे से पंचकूला विधायक ज्ञानचंद गुप्ता को पहले ही विधानसभा स्पीकर बनाया हुआ है। वहीं हिसार विधायक डॉ. कमल गुप्ता को फिर से कैबिनेट मंत्री के तौर पर सरकार में शामिल होने का मौका मिला है। तीसरे वैश्य के रूप में अंबाला सिटी विधायक असीम गोयल की राज्य मंत्री के रूप में लाटरी लगी है।

मंत्रिमंडल में जाट समाज से 3, वैश्य समाज, पंजाबी और अनुसूचित जाति से 2-2, यादव समाज, राजपूत, गुर्जर और ब्राह्मण समाज से 1-1 विधायक को मौका दिया गया है। अधिकतर उन्हीं जातियों के विधायकों को मौका दिया गया है, जिनका प्रदेश में मत प्रतिशत अधिक है। बता दें कि हरियाणा में जाट मतदाता 25 प्रतिशत अहीर-पंजाबी 13-13 फीसदी, सिख 7, ब्राह्मण 10, वैश्य 4, सैनी 8, राजपूत 4, बिश्नोई , 7 गुर्जर 4 और 5 प्रतिशत अन्य जातियों के मतदाता हैं। अगर लोकसभा क्षेत्र के हिसाब से प्रतिनिधित्व की बात करें तो अंबाला लोकसभा सबसे मजबूत है, मुख्यमंत्री नायब सैनी खुद अंबाला से ताल्लुक रखते हैं। साथ ही अनिल विज की नाराजगी के चलते अंबाला शहर से विधायक असीम गोयल की लाटरी लग गई। यमुनानगर से कंवरपाल गुर्जर को कैबिनेट में नंबर-2 का दर्जा प्राप्त है। पंचकूला से विधायक ज्ञानचंद गुप्ता विधानसभा अध्यक्ष हैं और पंचकूला भी अंबाला लोकसभा क्षेत्र ही हिस्सा है।

भाजपा ने कुरुक्षेत्र में थानेसर से विधायक सुभाष सुधा पर दांव खेला है और कैथल के कलायत से विधायक कमलेश ढांडा को हटाया गया है। इसके अलावा पिहोवा से संदीप सिंह भी मनोहर सरकार में मंत्री थे। करनाल लोकसभा में नायब सैनी खुद उप चुनाव में विधायक के उम्मीदवार हैं और पानीपत ग्रामीण से महिपाल ढांडा को मौका देकर जाटों को साधने की कोशिश की गई है, क्योंकि यहां से खुद पूर्व सीएम मनोहर लाल लोकसभा के प्रत्याशी हैं।

भिवानी में पहले से जेपी दलाल कैबिनेट में जाट चेहरे के तौर पर शामिल हैं। अब अहीरवाल को साधने के लिए डा. अभय सिंह पर नए लाए गए हैं। हिसार में डॉ. कमल गुप्ता और बिशंबर वाल्मीकि को जातीय समीकरणों के तहत मौका दिया गया है। फरीदाबाद लोकसभा में मूल चंद शर्मा पहले से मंत्री हैं, लेकिन अब सीमा त्रिखा को पंजाबी और महिला चेहरे के तौर पर शामिल किया है। इसी प्रकार गुरुग्राम में सोहना से विधायक संजय सिंह को राज्यमंत्री बनाया गया है। इस लोकसभा क्षेत्र से डॉ. बनवारी लाल पहले ही कैबिनेट मंत्री हैं। सिरसा लोकसभा में भाजपा ने निर्दलीय रणजीत सिंह चौटाला पर भरोसा जताया है।

सोनीपत जिले की छह सीटों में से दो भाजपा के पास हैं। इनमें राई में मोहनलाल बड़ौली और गन्नौर में निर्मल रानी विधायक हैं, शेष सीटों पर कांग्रेस और जजपा का कब्जा है। इसी प्रकार, रोहतक लोकसभा में रोहतक और झज्जर में भाजपा के पास केवल एक विधायक है, इसलिए यहां पर भी भाजपा ने किसी चेहरे को मंत्रिमंडल में मौका नहीं दिया है। रोहतक, सोनीपत, झज्जर, सिरसा, नूंह व चरखी दादरी ऐसे जिले हैं, जहां 2019 के विधानसभा चुनाव में भाजपा खाता ही नहीं खोल पाई थी। पलवल, कैथल, सोनीपत, फतेहाबाद और जींद में पार्टी विधायक होते हुए भी किसी का नंबर कैबिनेट में नहीं लगा।

भाजपा से टिकट कटा तो क्या सपा से चुनाव लड़ेंगे वरुण गांधी?

पीलीभीत, 20 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा चुनाव को उत्तर प्रदेश में अभी तक 51 प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। सोमवार को दिल्ली में भाजपा कोर कमेटी की बैठक में यूपी की 25 सीटों पर उम्मीदवारों के चयन पर मंथन किया गया। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में हुई बैठक में भाजपा के साथ ही सहयोगियों की दी जाने वाली सीटों पर भी चर्चा हुई।

दरअसल, बरेली मंडल की तीन लोकसभा सीटों बरेली, बदायूं और पीलीभीत से भाजपा के दावेदारों को टिकट का इंतजार है। उम्मीद थी कि पार्टी की दूसरी सूची में इन सीटों पर प्रत्याशी तय हो जाएंगे, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। बुधवार को दूसरी सूची जारी होने के बाद तीनों लोकसभा क्षेत्रों में बदलाव के कयास और तेज हो गए।

बरेली सीट से सांसद संतोष गंगवार की लगातार दसवीं बार उम्मीदवारी में उम्र आड़े आ रही है। सूत्रों के अनुसार, हेमा मालिनी समेत कुछ अन्य नेताओं को टिकट मिलने का हवाला देकर वह अपने पक्ष में मजबूत पैरवी में जुटे हैं। वहीं, बदायूं सांसद संघमित्रा मौर्य के सामने उनके पिता स्वामी प्रसाद मौर्य के भाजपा के खिलाफ लगातार विवादित बयानों ने संकट खड़ा कर रखा था। हालांकि, स्वामी प्रसाद ने राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी का गठन कर समाजवादी पार्टी से राहें जुदा कर ली हैं। इसके जरिए संघमित्रा लगातार दूसरी बार टिकट हासिल करने की कोशिश में हैं।

इधर, पीलीभीत से पिछला चुनाव भाजपा से वरुण गांधी जीते थे। लेकिन, कुछ ही दिनों बाद से उनके तेवर बदल गए। वह कई बार अपनी ही सरकार को कटघरे में खड़े करते और उससे सवाल करते नजर आए। अभी तक इस सीट पर भाजपा ने पत्ते नहीं खोले हैं। सपा और बसपा भी अभी चुप्पी साधे हुए है। हालांकि टिकट के लिए बढ़ते इंतजार के बीच वरुण के बोल बदले हैं। पिछले दिनों पीलीभीत को मिली सौगातों पर वर्चुअल कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार भी जताया था। हालांकि वरुण गांधी की ओर टिकट कटने या मिलने पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। लेकिन कयास लगाए जा रहे हैं कि टिकट कटने पर वो किसी दूसरे दल से मैदान में उतर सकते हैं।

अखिलेश यादव ने वरुण गांधी को भी टिकट देने को लेकर संकेत दिया है। उन्होंने इस पर विचार करने की बात कही है। दरअसल, लखनऊ में भाजपा सांसद वरुण गांधी को टिकट देने से संबंधित सवाल पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि इस बारे में हमारा संगठन निर्णय लेगा। प्रदेश सपा मुख्यालय पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में अखिलेश यादव ने यह बातें कहीं। इससे पहले, अखिलेश ने कैसरगंज से भाजपा सांसद ब्रजभूषण सिंह को टिकट देने पर भी बयान दिया था।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

यह आपके बच्चों के हितों को हानि पहुँचा सकता है। जो लोग दुग्ध उद्योग से जुड़े हैं उन्हें आज आर्थिक लाभ होने की प्रबल संभावना है। आपका लापरवाह रवैया आपके माता–पिता को दु:खी कर सकता है। कोई भी नयी परियोजना शुरू करने से पहले उनकी राय भी जान लें। आज प्यार के नज़रिए से दिन काफ़ी विवादास्पद रहेगा। चीज़ें कार्यक्षेत्र में बेहतर नज़र आती हैं। पूरे दिन आपका मिज़ाज बढ़िया रहेगा। आज आपके करीबी लोग आपके करीब आने की कोशिश करेंगे लेकिन अपने मन को शांत बनाए रखने के लिए आप एकांत में समय बिताना पसंद करेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज अपने बच्चों का विशेष ख्याल रखें क्योंकि यदि आप ऐसा नहीं करते तो उनकी तबीयत बिगड़ सकती है और आपको उनके स्वास्थ्य पर काफी पैसा खर्च करना पड़ सकता है। अगर आप खुले दिल से अपनी बात रखें, तो आपकी मोहब्बत आज आपके सामने प्यार के फ़रिश्ते के रूप में आएगी। आज घर के लोगों के साथ बातचीत करते दौरान आपके मुंह से कोई ऐसी बात निकल सकती है जिससे घर के लोग नाराज हो सकते हैं। वैवाहिक जीवन में कई उतार–चढ़ाव के बाद एक–दूसरे के प्यार को सराहने का यह सही दिन है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपकी दिलचस्प रचनात्मकता आज घर के वातावरण को सुखद बनाएगी। जो लोग अपने प्रेमी से दूर रहते हैं उन्हें आज अपने प्रेमी की याद सता सकती है। ख़ास तौर पर तब जब दूसरे आपका विरोध करें, जिसकी कामकाज के दौरान संभावना है। अपने व्यक्तित्व और रंग–रूप को बेहतर बनाने का कोशिश संतोषजनक साबित होगी। आपका जीवनसाथी हाल में हुई खटपट को भुलाकर अपने अच्छे स्वभाव का परिचय देगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अपने स्वास्थ्य को लेकर ज़्यादा चिंता न करें, क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। बच्चे की पढ़ाई के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। इस समय जो समस्याएँ आपको झेलनी पड़ रही हैं, वे क्षणिक हैं और समय के साथ वे ख़ुद–ब–ख़ुद ख़त्म हो जाएंगी। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। वक्त से बढ़कर कुछ नहीं होता। अपने घर परिवार के साथ समय बिताने की जरुरत होती है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आप घूमने–फिरने और पैसे ख़र्च करने के मूड में होंगे– लेकिन अगर आपने ऐसा किया तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। जिन लोगों के साथ आप रहते हैं वे आपसे बहुत ख़ुश नहीं होंगे, चाहे आपने इसके लिए कुछ भी क्यों न किया हो। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। आपको याद रखने की ज़रूरत है कि भगवान उसी की मदद करता है, जो ख़ुद अपनी मदद करता है। अपने जीवनसाथी के किसी काम की वजह से आप कुछ शर्मिन्दगी महसूस कर सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है लेकिन इस मेहमान की किस्मत की वजह से आज आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। आपकी स्वच्छन्द जीवनशैली घर में तनाव पैदा कर सकती है, इसलिए देर रात तक बाहर रहने और ज़्यादा ख़र्च करने से बचें। नए कामों को पूरा करने में महिला सहकर्मियों का भरपूर सहयोग मिलेगा। आपका व्यक्तित्व ऐसा है कि ज्यादा लोगों से मिलकर आप परेशान हो जाते हैं और फिर अपने लिए वक्त निकालने की कोशिश करने लग जाते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अपने व्यक्तिगत जीवन से थोड़ा समय निकालकर दान–पुण्य के कामों में कुछ समय लगाएँ। इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी, लेकिन इसके लिए अपनी निजी ज़िंदगी को दरकिनार न करें। आपको दोनों पर ही बराबर ध्यान देने की ज़रूरत है। आज आपके और आपके प्यार के बीच कोई आ सकता है। कुछ सहकर्मी कई अहम मुद्दों पर आपकी कार्यशैली से नाख़ुश होंगे, लेकिन यह वे आपको बताएंगे नहीं। अगर आपको लगता है कि परिणाम आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं आ रहे हैं, तो अपनी योजनाओं का फिर से विश्लेषण कर उनमें सुधार लाना बेहतर रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपका लापरवाह रवैया आपके माता–पिता को दु:खी कर सकता है। कोई भी नयी परियोजना शुरू करने से पहले उनकी राय भी जान लें। जो लोग अपने प्रेमी से दूर रहते हैं उन्हें आज अपने प्रेमी की याद सता सकती है। कामकाज के मामले में आज आपकी आवाज़ पूरी तरह सुनी जाएगी। यात्रा और शिक्षा से जुड़े काम आपकी जागरुकता में वृद्धि करेंगे। कोई पुराना दोस्त आपके और आपके जीवनसाथी की साझा यादों को तरोताज़ा कर सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

घर की छोटी–छोटी चीजों पर आज आपका बहुत धन खराब हो सकता है जिसकी वजह से आप मानसिक तनाव में आ सकते हैं। ऐसे काम करें जिनसे आपको ख़ुशी मिले, लेकिन दूसरों के मामलों में दख़लअंदाज़ी से बचें। यदि कोई समस्या है तो उसे टालें नहीं, बल्कि जल्दी–से–जल्दी उसका समाधान ढूंढने की कोशिश करें। अगर आपको लगता है कि कुछ लोगों की संगति करना आपके लिए ठीक नहीं है और उनके साथ रहकर आपका समय बर्बाद होता है तो उनका साथ आपको छोड़ देना चाहिए।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दिन की शुरुआत में ही आज आपको कोई आर्थिक हानि हो सकती है जिससे सारा दिन खराब हो सकता है। जीवनसाथी आपका ख़याल रखेगा। आज के दिन किसी के साथ छेड़खानी करने से बचें। काम को मनोरंजन के साथ न मिलाएँ। आज आपको अपने कामों को समय पर निपटाने की कोशिश करनी चाहिए। ख्याल रखें कि घर पर आपका कोई इंतजार कर रहा है जिसको आपकी जरुरत है। जीवनसाथी के ख़राब स्वास्थ्य की वजह से आपका कामकाज प्रभावित हो सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपमें से कुछ लोगों को आज महत्वपूर्ण फ़ैसला लेने के लिए बाध्य होना पड़ सकता है, जिससे आप तनावग्रस्त और चिंतित हो सकते हैं। आपके घर से जुड़ा निवेश फ़ायदेमंद रहेगा। घरेलू मामलों और काफ़ी समय से लंबित घर के काम–काज के हिसाब से अच्छा दिन है। आपको अपनी रसिक कल्पनाओं पर अधिक ग़ौर करने की ज़रूरत नहीं है, क्योंकि संभव है कि वे आज सच हो जाएँ। अपना बायोडाटा भेजने या किसी इंटरव्यू में जाने के लिए अच्छा समय है। कोई धार्मिक ग्रंथ पढ़ के आजके दिन को आप अच्छी तरह से व्यतीत कर सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। ऐसे दोस्तों के साथ बाहर जाएँ जो आपके हालात और ज़रूरतों को समझते हैं। कोई आपको प्यार से दूर नहीं कर सकता है। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। आपका संगी आपसे सिर्फ कुछ समय चाहता है लेकिन आप उनको समय नहीं दे पाते जिससे वो खिन्न हो जाते हैं। आज उनकी यह खिन्नता स्पष्टता के साथ सामने आ सकती है। आपको महसूस होगा कि आपका वैवाहिक जीवन बहुत ख़ूबसूरत है।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 21 मार्च 2024 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2080
मास : फाल्गुन , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वादशी उत्तर रात्रि 04:47 तक
नक्षत्र : आश्लेषा रात्रि 01:27 तक
योग : सुकर्मा सायं 05:41 तक
करण : बव दोपहर 03:34 तक
चन्द्रराशि : कर्क रात्रि 01:27 तक
सूर्योदय : 06:19 , सूर्यास्त 06:27 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:23 , सूर्यास्त 06:30 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:15 , सूर्यास्त 06:23 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:10 , सूर्यास्त 06:18 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्याम बाबा की बड़ी बारस
होलाष्टक चालू हैं , खरमास चालू हैं

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)

हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, तेलंगाना.9246159232,
Chidamber011@gmail.com

कोटा में नीट छात्रा के अपहरण का खुलासा

विदेश जाने के लिए दोस्त के साथ मिलकर रची साजिश

कोटा/शिवपुरी ,20 मार्च (एजेंसियां)।

कोटा में छएएढ की तैयारी कर रही एमपी के शिवपुरी की छात्रा के अपहरण मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस ने सभी पहलुओं की जांच करने के बाद बुधवार को खुलासा किया है। पुलिस ने कि छात्रा के साथ किसी तरह की कोई वारदात नहीं हुई है। छात्रा विदेश जाना चाहती है। इसलिए उसने दोस्तों के साथ मिलकर खुद के अपहरण की साजिश रची थी। छात्रा और उसका एक दोस्त पुलिस को नहीं मिला है। पुलिस ने उनसे अपील की है कि वह जहां हो नजदीकी पुलिस से संपर्क करे।

बता दें कि इससे पहले छात्रा को जयपुर के दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन पर देखा गया था। पुलिस के हाथ लगे सीसीटीवी फुटेज में छात्रा दो लड़कों के साथ जाते हुए दिख रही थी। सीसीटीवी के आधार पर युवती की तलाश की जा रही बता दें कि छात्रा के

अपहरण को लेकर राजस्थान सरकार ने घोषणा की थी कि युवती की सूचना देने वाले को 20 हजार रुपये का इनाम दिया जाएगा। लेकिन अब इस मामले में खुलासा हो गया है।

तस्वीर भेजकर मांगी 30 लाख फिरौती

शिवपुरी के बैराड़ निवासी रघुवीर धाकड़ 18 मार्च की रात को कोटा के विज्ञान नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में रघुवीर ने पुलिस को बताया था कि उसकी बेटी काव्या धाकड़ (20) का अपहरण कर लिया था। उनके मोबाइल पर बेटी की किडनैपिंग का मैसेज आया था। बेटी के हाथ–पैर और मुंह फोटो भी भेजी थी। तस्वीर भेजकर 30 लाख रुपये फिरौती मांगी। मैसेज में बैंक खाते की डिटेल भी भेजी गई। पैसे नहीं देने पर लड़की को जान से मारने की धमकी भी दी थी।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने लिया था संज्ञान

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मामले में संज्ञान था। सिंधिया ने कहा था कि राजस्थान के मुख्यमंत्री से बात कर पुलिस को एक्टिव करने और बेटी को जल्द से जल्द तलाशकर लाने का आग्रह किया है। साथ ही बच्ची के पिता को फोन कर आश्वस्त किया है कि बेटी को वापस लाने की जिम्मेदारी उनकी है। आप का ख्याल रखो, वह सिर्फ आपकी नहीं, बल्कि मेरी भी बेटी है।

इंदौर में मिल रही थी धमकी, इसलिए कोटा भेजा

कोटा में शिवपुरी की जिस बेटी का किडनैप हुआ, वह पहले इंदौर में छएएढ की तैयारी कर रही थी।लेकिन असामाजिक प्रवृत्ति के लड़कों से परेशान होकर उसे इंदौर छोड़ना पड़ा। लड़की के पिता ने पुलिस को बताया है कि जरियाखेड़ा गांव के रहने वाला रिंकू धाकड़ ने बेटी को परेशान किया था। इसकी शिकायत इंदौर पुलिस में दर्ज कराई थी। इसके बाद बेटी के नंबर पर अनुराग सोनी और हर्षित नाम के लड़कों ने धमकी दी इसके बाद बेटी को इंदौर से वापस शिवपुरी बुला लिया था। सितंबर 2023 में नीट की तैयारी के लिए कोटा भेज दिया था। लेकिन बदमाशों ने कोटा में भी उसका पीछा नहीं छोड़ा।

सिवायचक भूमि में गांजे की खेती करने वाली महिला गिरफ्तार

5.20 क्विंटल गांजे के पौधे जब्त

करौली,20 मार्च (एजेंसियां)।

करौली कोतवाली पुलिस और डीएसटी टीम ने सिवायचक भूमि में गांजे की खेती करते एक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने खेत से पांच क्विंटल 20 किलोग्राम गांजे की फसल को भी जब्त किया है। पुलिस आरोपी महिला से पूछताछ कर कारोबार की जानकारी जुटा रही है। करौली थाना अधिकारी सुनील कुमार ने बताया कि एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय द्वारा लोकसभा चुनाव में कानून शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए फरार चल रहे अपराधियों की धरपकड़, नशे के कारोबार और अवैध हथियारों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत थानाधिकारी सुनील कुमार, कांस्टेबल सत्येन्द्र, नीरलाल, विनिता व चालक गोपाल सिंह द्वारा जिला स्पेशल टीम प्रभारी धारा सिंह की सूचना पर गांजे की खेती को पकड़ा है।

पुलिस ने गंगापुर रोड स्थित बरखेडा नदी पुल के पास एक खेत में गांजे की फसल को जब्त किया है। इस दौरान खेती कर रही महिला लीला पत्नी भंवर माली उम्र 60 साल निवासी बरखेडा नदी पुल के पास करौली को गिरफ्तार किया पुलिस ने सिवायचक भूमि में बने खेत में खड़े गांजे के पौधों को काटकर 40–40 किलोग्राम के 13 प्लास्टिक के कट्टों में रखकर कुल 5.20 क्विंटल गांजे के पौधों को जब्त किया है। पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया है।

जाली नोट गिरोह के पांच ठग गिरफ्तार, पुलिसकर्मी बनकर करते थे ठगी

हनुमानगढ़,20 मार्च (एजेंसियां)।

हनुमानगढ़ जिले की भिरानी थाना पुलिस ने फर्जी पुलिसकर्मी बनकर जाली नोटों से ठगी करने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए पांच ठगों को गिरफ्तार किया है। उनसे 51 हजार रुपये की नकदी, 24 बोतल हरियाणा निर्मित देसी शराब और फर्जी नंबर प्लेट लगी कार बरामद की है। ठगों के खिलाफ भिरानी पुलिस ने धोखाधड़ी संबंधी धाराओं और राजस्थान आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ में जुटी है। भिरानी पुलिस थाना प्रभारी विक्रम चौहान ने बताया कि बीकानेर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक ओमप्रकाश व हनुमानगढ़ के जिला पुलिस अधीक्षक विकास की ओर से आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर अवैध धंधों की धरपकड़, अवैध मादक पदार्थों और अवैध हथियारों की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान की निरंतरता में थाने के एएसआई विजेन्द्र सिंह के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम मंगलवार रात को झांसल हरियाणा बॉर्डर पर लगाए गए नाका पर नाकाबंदी कर रही थी। नाकाबंदी के दौरान पुलिस टीम ने कार नंबर एचआर–26 सी–8937 को रुकवाया तो उसमें पांच लोग सवार थे।

इनकी पहचान सुशील (35) पुत्र सज्जन कुमार वाल्मीकि निवासी वार्ड 4, शिव चौक कस्बा भूना फतेहाबाद हरियाणा, नरेश (35) पुत्र वाल्मीकि निवासी जांडली खुर्द भूना फतेहाबाद, अरुण चौधरी (22) पुत्र सुरेन्द्र वाल्मीकि निवासी वार्ड 4, वाटर वर्क्स के पास कस्बा भूना फतेहाबाद, सुरजीत (38) पुत्र बंता सिंह वाल्मीकि निवासी वार्ड 5, वीटा मिल्क प्लॉट के सामने कस्बा भूना फतेहाबाद व मोहनलाल (33) पुत्र जयकरण वाल्मीकि निवासी वार्ड 5, वीटा प्लॉट के सामने कस्बा भूना फतेहाबाद व मोहनलाल (33) पुत्र जयकरण वाल्मीकि निवासी जांडली खुर्द पीएस भूना जिला फतेहाबाद हरियाणा के रूप में हुई। कार की तलाशी ली तो उसमें पुलिस की फर्जी वर्दी, डमी नोट और 51 हजार रुपये नकद, 24 बोतल देसी शराब हरियाणा निर्मित बरामद हुई।

ने मौके से पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर कार जब्त कर ली। मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। थाना प्रभारी चौहान ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी फर्जी पुलिस कर्मी बनकर डमी नोटों से ठगी करते थे। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ पूर्व में भिरानी, भादरा, नोहर, गोगामेड़ी, साहवा, सदर कैथल, अग्रेहा, भूना, भट्ट, पेहवा पुलिस थानों में मुकदमे दर्ज हैं। इसके अलावा आरोपियों की ओर से गांव मुण्डाल हांसी में वर्ष 2024 में व टोहाना मनयाना रोड सफेदो (संद) हरियाणा व समाणा पंजाब में भी ठगी की वारदात करना स्वीकार किया गया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस टीम में विजेन्द्र सिंह, हेड कांस्टेबल सुलोचना, नरेश कुमार, राजेन्द्र, कांस्टेबल बजरंग, कमलेश, राजेश कुमार और सोमवीर शामिल रहे।

रेहड़ी के सामने अंगूर और केले खरीदने के लिए रुके सीएम भजनलाल

झुंझुनूं,20 मार्च (एजेंसियां)।

राजस्थान सीएम भजनलाल शर्मा का काफिला बुधवार को एक ठेले पर जा रुका। सीएम ने ठेले वाले से दो दर्जन केले और एक किलो अंगूर खरीदा। दरअसल, सीएम झुंझुनूं के दौरे पर थे। जहां उन्होंने अपने काफिले के साथ ठेले से खरीदारी उन्होंने ठेले वाले से बातचीत की और उससे पूछा कि काम कैसा चल रहा है, कोई परेशानी तो नहीं है। सीएम के इस व्यवहार ने सभी को चौंका दिया और ठेले वाले भी चकित रह गए। ठेला संचालक असलम खान ने बताया कि वह झुंझुनूं में दोपहर में अचानक का काफिला ठेले के आगे आकर रुक गया। उसके बाद कार से एक गार्ड उतरा मुझे कार के पास ले गया, वहां गया तो पता चला सीएम भजनलाल शर्मा हैं। उसके बाद सीएम ने मुझे दो दर्जन केले और एक किलो अंगूर लाने को कहा। पैसे पूछने पर मैंने रुपये बताए। उसके बाद उन्होंने 200 रुपये फोन पे किए।

फल वाले के पास खड़े अल्ताफ जूस वाले ने सीएम भजनलाल से गन्ने का जूस पीने की रिक्वेस्ट की। सीएम बोले डायबिटीज है, वह नहीं पी सकते। हालांकि, कई रिक्वेस्ट करने के बाद सीएम ने पांच गन्ने के जूस बनवा लिए और एक गिलास खुद पिया।

पूर्व सीपीएस रामपाल माजरा इनेलो में शामिल

इनेलो सुप्रीमो ने बनाया प्रदेश अध्यक्ष

चंडीगढ़,20 मार्च (एजेंसियां)।

हरियाणा से पूर्व में सीपीएस रहे रामपाल माजरा ने बुधवार को इनेलो के प्रधान महासचिव अभय सिंह चौटाला के नेतृत्व में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। अभय सिंह चौटाला ने चंडीगढ़ स्थित इनेलो मुख्यालय में को संबोधित करते हुए रामपाल माजरा को इनेलो का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त करने की भी घोषणा की।नई जिम्मेदारी मिलने के बाद पत्रकारों से बातचीत में माजरा ने कहा कि परिवार में कुछ मतभेद हो जाते हैं, लेकिन वे कभी भी इनेलो पार्टी से दूर नहीं हुए। वे चौ. देवीलाल न्याय युद्ध और राजीव लोंगेवाला समझौते के खिलाफ भी शामिल रहे हैं।

अभय चौटाला ने तीन काले कृषि कानूनों के खिलाफ किए गए किसान आंदोलन का पूर्व प्रदेश अध्यक्ष नफे सिंह राठी की अध्यक्षता में समर्थन किया और उन्होंने अपना इस्तीफा दे दिया था। उसके बाद मैंने भी बीजेपी दी और उनका साथ दिया। अब वह फिर से अपने परिवार में आ गए हैं।

अभय चौटाला ने कहा कि रामपाल माजरा कुछ समय के लिए निष्क्रिय हुए थे, लेकिन अब फिर से पार्टी को मजबूत करने के लिए इनेलो के साथ आए हैं। इनेलो सुप्रीमो ओम प्रकाश चौटाला यह इच्छा थी पार्टी की कमान रामपाल माजरा को सौंपी जाए। आज से हम सभी इनके नेतृत्व में काम करेंगे।

अनिल विज को छोड़ देनी चाहिए पार्टी : चौटाला

अभय चौटाला ने कहा कि नए मंत्रिमंडल से लोगों के साथ–साथ अनिल विज और भाजपा विधायकों एवं निर्दलीय विधायकों में नाराजगी है। अनिल विज को तो अब तक पार्टी छोड़ देनी चाहिए थी। उनको देखकर लगता है कि वो एक भी दिन इस सरकार को बर्दाश्त नहीं करना चाहते। नायब सैनी को विश्वास ही नहीं हो रहा है की वो मुख्यमंत्री बन गए हैं और वो पूर्व मुख्यमंत्री को भी मुख्यमंत्री कहकर संबोधित कर रहे हैं। आप के प्रत्याशी सुशील गुप्ता द्वारा अभय सिंह को बाहरी प्रत्याशी बताने के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि गुप्ता की जमानत जब्त होगी और वो जैसे आए हैं वैसे ही चले जाएंगे।

जननायक जनता पार्टी को लगा बड़ा झटका

सचिव नरेश जून ने छोड़ा पार्टी का दामन

बहादुरगढ़,20 मार्च (एजेंसियां)।

हरियाणा में जननायक जनता पार्टी को बड़ा झटका लगा है। जेजेपी के प्रदेश सचिव नरेश जून ने पार्टी का दामन छोड़ा दिया है। इस दौरान उन्होंने पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला पर अनदेखी का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार समय में सार्वजनिक रूप से लोगों के काम नहीं हुए। नरेश जून ने कहा कि क्षेत्र की सड़कों के हालात नहीं सुधरे हैं। उनके मांग करने के बाद भी बहादुरगढ़–झज्जर रोड़ नहीं बनाया गया।

रेवाड़ी में बॉयलर फटने से झुलसे 5 श्रमिकों ने तोड़ा दम

रेवाड़ी,20 मार्च (एजेंसियां)।

हरियाणा के रेवाड़ी के धारूहेड़ा स्थित ऑटो पार्ट्स बनाने वाली लाइफ लॉन्ग कंपनी में बॉयलर फटने से झुलसे पांच श्रमिकों की अलग–अलग अस्पताल में मौत हो गई है। मरने वाले सभी श्रमिक यूपी के मैनपुरी, बहराइच, फैजाबाद, गोरखपुर व हरदोई के रहने वाले हैं।धारूहेड़ा स्थित लाइफ लॉन्ग में 16 मार्च को डस्ट कलेक्टर का बॉयलर फट गया था। इस हादसे में कंपनी में काम कर रहे 40 से अधिक श्रमिक झुलस गए थे। सभी घायलों को अलग–अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया था। बीती रात गंभीर रूप से झुलसे पांच श्रमिकों की अलग–अलग अस्पताल में मौत गई।

हादसे में मारे गए श्रमिकों की पहचान मैनपुरी (यूपी) के उसानिधा निवासी अजय (32) पुत्र शिवचरण, बहराइच के गांव भाकरी निवासी विजय (37) पुत्र बाल किशन, फैजाबाद के जखोली निवासी राजेश (38) पुत्र रामशब्द, गोरखपुर के गांव सेवाल, पोस्ट काकारखोर सेवले निवासी रामू (27) पुत्र पावरू, हरदोई के निवासी पंकज (35) पुत्र विजय बहादुर के रूप में हुई है। इनमें से विजय और पंकज ने सफदरजंग अस्पताल में दम तोड़ा है। रामू, अजय और राजेश की पीजीआई रोहतक में मौत हुई है। अभी नागरिक अस्पताल में करीब 10 मरीज भर्ती हैं, वहीं पीजीआई में अभी भी 4 5 मरीज जिंदगी और मौत की लड़ाई लड़ रहे हैं।

हरियाणा के सीएम नायब सैनी ने कंपनी में हुए इस हादसे की गंभीरता से जांच के आदेश दिए थे। बुधवार को डीसी राहुल हुड्डा, एसपी शशांक, एसडीएम और डीएसपी बुधवार को लॉन्ग कंपनी में जांच के लिए पहुंचे।

सेझिया रेतादलसिंह, थाना तरबगंज, जिला गोंडा, यूपी निवासी राजकुमार (24) भी इस हादसे में झुलसा था। राजकुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि 16 मार्च को डस्ट कलेक्टर का बॉयलर गया। ये बॉयलर डस्ट कलेक्टर पहले भी दो बार फट चुका था। उस वक्त कोई नुकसान नहीं हुआ था। तब भी कंपनी के अधिकारियों और मालिक ने इसे ठीक कराने की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया।

एयर इंडिया की कमजोरी से बची कई विमानन कंपनियां : विल्सन

नई दिल्ली,20 मार्च (एजेंसियां) ।

एयर इंडिया के मुख्य कार्य अधिकारी और प्रबंध निदेशक कैंपबेल विल्सन का ने कहा कि भारत के आसपास की कई विमानन कंपनियां एयर इंडिया की कमजोरी के कारण बची हुई हैं लेकिन अब विमानन कंपनी के पास उनसे बाजार वापस प्राप्त करने और देश को लोगों के लिए यात्रा का केंद्र बनाने का अवसर है। विल्सन ने यह बात हाल ही में चार्टर्ड अकाउंटेंसी फर्म पीकेएफ श्रीधर एंड संतानम की 45वीं वर्षगांठ के समारोह में कहा कि एयर इंडिया के निजीकरण के समय एक देश के रूप में भारत के पास चौड़ी बॉडी वाले 43 विमान थे जबकि दुबई के पास 250, सिंगापुर के पास 150 और कतर के पास 175 विमान थे। यह एयर इंडिया के लिए छोटा स्तर है और उसके पास आगे बढ़ने का अवसर है। एमिरेट्स, कतर एयरवेज, एतिहाद एयरवेज और सिंगापुर एयरलाइंस जैसी विमानन कंपनियां इस क्षेत्र में अपने केंद्रों के जरिये भारत से अंतरराष्ट्रीय यातायात की भरपूर सेवा प्रदान करती हैं। बी787 और ए350 जैसे चौड़ी बॉडी वाले विमानों में ईंधन के बड़े टैंक होते हैं जो लंबी दूरी की उड़ान सुविधा देते हैं। प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के बाद जनवरी 2022 में एयर इंडिया को टाटा को बेच दिया गया था। जुलाई 2022 में एयर इंडिया की कमान संभालने वाले विल्सन ने विमानन कंपनी के लिए एमिरेट्स, कतर एयरवेज, सिंगापुर एयरलाइंस और ब्रिटिश एयरवेज जैसी सेवा, उत्पाद गुणवत्ता तथा आतिथ्य का स्तर हासिल करने की इच्छा जताई। उन्होंने कहा कि भारत से जुड़ी कई विमानन कंपनियां भारतीय बाजार में अपना अस्तित्व बचाए रखने में कामयाब रहीं।

एचडीएफसी बैंक ने एचडीएफसी क्रेडिला में अपनी हिस्सेदारी बेची, 9552 करोड़ रुपये में हुआ सौदा

नई दिल्ली । एचडीएफसी बैंक ने बताया कि उसने अपनी शिक्षा वित्त इकाई एचडीएफसी क्रेडिला में अपनी हिस्सेदारी बेचने की प्रक्रिया पूरी कर ली है। यह बिक्री निजी इक्विटी फर्मों बीपीईए ईक्यूटी और क्रिस कैपिटल को 9,552.73 करोड़ रुपये में की गई है। पिछले साल जून में घोषित यह सौदा आवास ऋणदाता हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कॉर्प के एचडीएफसी बैंक के साथ विलय के पूरा होने से पहले अनिवार्य नियामकीय आवश्यकताओं का हिस्सा था। यह सौदा एचडीएफसी बैंक की अगले महीने होने वाली चौथी तिमाही के नतीजों से पहले हुआ है। एचडीएफसी बैंक ने तीसरी तिमाही में उम्मीदों से अधिक लाभ दर्ज किया, लेकिन विश्लेषकों ने इसके कमजोर मार्जिन और लिक्विडिटी से जुड़ी चुनौतियों पर चिंता जाहिर की, जिससे इसके शेयर मूल्य में उल्लेखनीय गिरावट दिखी।

न्यूज ब्रीफ

जोमेटो ने ग्रीन यूनिफॉर्म का फैसला वापस लिया

नई दिल्ली । जोमेटो ने अपने प्योर वेज फ्लीट के डिलीवरी पर्सन के लिए रेड की जगह ग्रीन यूनिफॉर्म का फैसला वापस ले लिया है। घोषणा के एक दिन के भीतर ही जोमैटो ने इस फैसले को वापस ले लिया। दरअसर जोमैटो ने हाल ही में वेज खाना खाने वालों के लिए एक खास सेवा शुरु की थी। शाकाहारी खाने को तरजीह देने वाले ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए प्योर वेज मोड सर्विस का ऐलान किया था, जिसके तहत 100 फीसदी वेज खाना पसंद करने वालों के लिए प्योर वेज रेस्ट्रां से खाना डिलीवर किया जाएगा और वेज खाना डिलीवर करने के लिए जोमैटो में एक अलग से एक डिलीवरी पर्सन की शाखा बनेगी, जिसे प्योर वेज फ्लीट का नाम दिया गया। कंपनी के संस्थापक और सीईओ दीपिंदर गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इसकी जानकारी दी थी। वहीं वेज और नॉन वेज खाने के डिलिवरी पर्सन की अगल-अगल यूनिफॉर्म के इस फैसले के बाद से जोमैटो की काफी आलोचना हुई। सोशल मीडिया पर यूजर्स ने कंपनी को खूब खरी-खोटी सुनाई। इसी आक्रोश के बीच कंपनी के सीईओ दीपिंदर गोयल ने इस फैसले को वापस लेने का ऐलान किया है। इस मामले में उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि, हम शाकाहारियों के लिए एक फ्लीट जारी रखने जा रहे हैं, लेकिन ग्रीन यूनिफॉर्म को हटाने का फैसला किया है। गोयल ने आगे कहा कि जो ग्राहक प्योर वेज का विकल्प चुनते हैं, वे मोबाइल ऐप पर देख सकते हैं कि उनके ऑर्डर केवल शाकाहारी फ्लीट द्वारा ही डिलीवर किए जा रहे हैं। गोयल ने फैसले को वापस लेते हुए पोस्ट में कहा कि इन मुद्दों को उठाने के लिए सोशल मीडिया को धन्यवाद दिया।

चालू वित्त वर्ष में 450 अरब डॉलर पहुंच सकता है निर्यात, फियो का दावा-2030 तक एमएसएमई की होगी बड़ी भूमिका

FEDERATION OF INDIAN EXPORT ORGANISATIONS

नई दिल्ली । लाल सागर जैसी चुनौतियों के बावजूद चालू वित्त वर्ष तक वस्तुओं का निर्यात 450 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। निर्यातकों के संगठन फियो के मुताबिक, लाल सागर संकट से पैदा हुई चुनौतियों का समाधान समुद्री बीमा और माल ढुलाई शुल्क में तर्कसंगत वृद्धि करके किया जा सकता है। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन (फियो) के अनुसार निर्यात को बढ़ावा देने के लिए इस क्षेत्र को आसान और कम लागत वाले कर्ज की जरूरत है। ब्रिटेन और ओमान के साथ मुक्त व्यापार समझौतों के बाद निर्यात को मदद मिलेगी। फरवरी में निर्यात 12 प्रतिशत बढ़कर 41.40 अरब डॉलर रहा। अप्रैल-फरवरी के दौरान वस्तुओं का निर्यात 395 अरब डॉलर था। छोटी कंपनियों को सस्ते कर्ज की जरूरत फियो के अध्यक्ष अश्विनी कुमार ने कहा, मैं सूक्ष्म, छोटे एवं मझोले एमएसएमई के मुद्दों का समाधान करने पर ध्यान केंद्रित करूंगा।

रिलायंस पावर और उसकी पैतृक कंपनी बकायों का निपटान करने में जुटी

नई दिल्ली । अनिल अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस पावर ने पिछले सप्ताह तीन बैंकों आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक और डीबीएस बैंक पर बकाया कर्ज का निपटान किया। इसकी मूल कंपनी रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर जेसी फ्लावर्स एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी के 2,100 करोड़ रुपये के बकाये का निपटान करने की दिशा में काम कर रही है। मामले की जानकारी रखने वाले ने इसकी जानकारी री है। एक कमर्शियल बैंक के सीनियर एग्जीक्यूटिव के अनुसाररिलायंस पावर का लक्ष्य इस वित्त वर्ष के अंत तक कर्ज मुक्त कंपनी बनने का है। इसके बहीखाते में एकमात्र कर्ज आईडीबीआई बैंक से कार्यशील पूंजी ऋण होगा। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर और जेसी फ्लावर एआरसी ने पिछले सात जनवरी को ऋणों को यथास्थिति में रखने से संबंधित एक समझौता किया था। स्टॉक एक्सचेंज को दी गई जानकारी के अनुसार यह समझौता की अवधि के लिए मान्य था। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के प्रवक्ता के अनुसार अब इसकी अवधि 31 मार्च 2024 तक बढ़ा दी गई है। इस समझौते के अनुसार जेसी फ्लावर एआरसी 31 मार्च तक रिलायंस के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं करेगी ।

भारत आठ प्रतिशत की वृद्धि दर को बरकरार रख सकता है, आरबीआई की बुलेटिन में दावा

नई दिल्ली,20 मार्च (एजेंसियां) ।

रिजर्व बैंक के मार्च बुलेटिन में अर्थव्यवस्था की स्थिति पर प्रकाशित एक लेख में कहा गया है कि भारत सालाना 8 प्रतिशत की वृद्धि दर पर बने रह सकता है। प्रकाशित बुलेटिन के लेख के अनुसार अनुकूल वृहद आर्थिक परिदृश्य देश की वृद्धि दर को तेज करने का प्रमुख कारण बन सकता है। 2021-24 की अवधि में, सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि औसतन 8 प्रतिशत से ऊपर रही है। आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल देवव्रत पात्रा की अगुवाई वाली टीम द्वारा लिखे गए लेख में कहा गया है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था गति खो रही है। कुछ सबसे लचीली अर्थव्यवस्थाओं में विकास की गति धीमी हो रही है और उच्च आवृत्ति संकेतक आने वाले समय में और अधिक स्तर पर आने की ओर इशारा करते हैं। भारत में वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि 2023-24 की अक्टूबर-दिसंबर अवधि में छह तिमाही के उच्च स्तर पर थी। इसका कारण अर्थव्यवस्था की मजबूत गति, अप्रत्यक्ष करों में इजाफा और सब्सिडी में कमी था। रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया कई बड़े बदलावों का सामना कर रही है लेकिन भारतीय अर्थव्यवस्था सही दिशा में जा रही है।

2021-24 की अवधि में भारत की विकास दर औसतन 8 प्रतिशत से ऊपर

2021-24 की अवधि में भारत की विकास दर औसतन 8 प्रतिशत से ऊपर रही है। इकोनॉमी की बुनियादी बातों से संकेत मिलता है कि इसे आगे भी बनाए रखा जा सकता है। रिपोर्ट के अनुसार चालू खाता घाटा मामूली है, बाहरी बफर भी लचीले हैं। कंपनियां अपनी ऋण सेवा क्षमता में लगातार सुधार कर रहे हैं।

लेख के अनुसार, वित्तीय क्षेत्र में बैलेंस शीट मजबूत और स्वस्थ हैं। वित्तीय बाजार में भी सही संकेत मिल रहे हैं। भारत में निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ने से पूंजी प्रवाह फिर से शुरू हो गया है। लेखकों ने आगे कहा कि तकनीक अधिक प्रतिस्पर्धी और कुशल बनकर विकास के नए अवसर प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि अगले कुछ दशकों में इन अनुकूल कारकों को अवसरों और शक्तियों में बदलने के लिए विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा, मजबूत विनिर्माण आधार, उच्च गुणवत्ता वाले श्रम बल और सेवाओं के मामले में नई पहल करने का समय आ गया है।

2037 तक विश्वस्तरीय सड़क नेटवर्क का निर्माण करने का लक्ष्य

लेख में आगे कहा गया है कि 2023-24 की तीसरी तिमाही में कुल मांग निवेश-संचालित थी, जिसमें निजी कैपेक्स में सुधार के संकेत मिल रहे थे। कई क्षेत्रों में क्षमता उपयोग एक ऐसे बिंदु पर पहुंच गया है जहां नए निवेश होने हैं। चालू वित्त वर्ष में संभवत: चार-लेन सड़कों की अब तक की सबसे अधिक लंबाई का निर्माण किया जाएगा। 2037 तक विश्व स्तरीय सड़क नेटवर्क का निर्माण किया जाना है। यह भी कहा गया है कि प्रीमियम उपभोक्ता व्यवसायों के लिए मांग का दृष्टिकोण मजबूत है। इससे पता चलता है कि प्रति व्यक्ति आय में महत्वपूर्ण बदलाव हो रहा है। छोटे शहरों के पैदा हो रहे अवसरों से लाइफस्टाइल सेगमेंट में व्यापार बढ़ रहा है। इन बाजारों में प्रवेश करने वाली कंपनियों को फर्स्ट मूवर्स होने का फायदा मिल रहा है।

टाटा स्टील भी नॉन कनवर्टिबल डिबेंचर से जुटाएगा 2,700 करोड़

नई दिल्ली । टीसीएस के बाद स्टील सेक्टर की ग्लोबल दिग्गज कंपनी टाटा स्टील ने ऐलान किया कि वह नॉन कनवर्टिबल डिबेंचर के जरिये 2,700 करोड़ रुपये जुटाएगी। एक्सचेंजों को कंपनी ने बताया कि कंपनी के बोर्ड ने रकम जुटाने की मंजूरी दे दी है। स्टील दिग्गज कंपनी ने एक रेगुलेटरी फाइलिंग में कहा कि कमेटी ऑफ डायरेक्टर्स ने हाल ही में हुई अपनी बैठक में नॉन कनवर्टिबल डिबेंचर (एनडीसी) के जरिये रकम जुटाने को मंजूरी दे दी है। बता दें कि कमेटी ऑफ डायरेक्टर्स टाटा स्टील लिमिटेड के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स द्वारा गठित एक कमेटी है। टाटा स्टील की तरफ से जारी किए गए डिबेंचर्स की अलॉटमेंट 27 मार्च से शुरू हो जाएगी और इनकी मैच्योरिटी 3 साल की यानी 26 मार्च, 2027 तक होगी। कंपनी ने कहा कि 1 लाख रुपये की फेस वैल्यू पर वह 2,70,000 नॉन कनवर्टिबल डिबेंचर के जरिये 2,700 करोड़ रुपये जुटाएगी। कंपनी की तरफ से की गई फाइलिंग के मुताबिक निवेशकों को डिबेंचर पर कूपन हर साल मिलेगा जबकि, मूल धन का भुगतान तीन साल की मैच्योरिटी पूरी होने के बाद एकमुश्त किया जाएगा।

विदेशी निवेश पाने में भारतीय बाजार तीसरे स्थान पर

नई दिल्ली,20 मार्च ।

विदेशी निवेश पाने में भारतीय शेयर बाजार पिछले एक साल में तीसरे स्थान पर रहा है। इसी दौरान रिटर्न देने में यह प्रमुख बाजारों में दूसरे स्थान पर रहा है। बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट के अनुसार, मार्च, 2023 से इस साल 18 मार्च तक घरेलू बाजार में कुल 26 अरब डॉलर का विदेशी निवेश आया है। इस दौरान इसने 25 प्रतिशत रिटर्न दिया है।

भारतीय बाजार से ज्यादा रिटर्न तुर्किये, रूस और अर्जेंटीना ने दिया है। लेकिन, यहां पर विदेशी निवेश काफी कम है। तुर्किये के बाजार ने जहां 70 फीसदी का रिटर्न दिया, रूस ने 42 फीसदी और अर्जेंटीना ने चार गुना का रिटर्न दिया है। भारत की तेज विकास दर ने घरेलू शेयर बाजार को मजबूती दी है।

इसलिए, भारत में आ रहा निवेश

- विनिर्माण उत्पादन क्षमता में सुधार।
- वित्त, रियल एस्टेट व पेशेवर सेवाओं में तेजी।
- घरेलू संस्थागत निवेशकों, म्यूचुअल फंड निवेश में तेजी।
- अच्छी कॉरपोरेट आय, रुपये में मजबूती व महंगाई काबू में।

चीन से 67 अरब डॉलर की निकासी

आंकड़े बताते हैं कि पिछले एक साल में चीन के शेयर बाजार से 67 अरब डॉलर की रकम विदेशी निवेशकों ने निकाला है। इस दौरान इसके बाजार में पांच फीसदी की गिरावट आई है। यूके के बाजार से 21 अरब डॉलर निकला है। हालांकि बाजार ने पांच फीसदी रिटर्न दिया है। जर्मनी के बाजार से विदेशी निवेशकों ने 17 अरब डॉलर, दक्षिण अफ्रीका के बाजार से 9 अरब डॉलर और थाईलैंड के बाजार से पांच अरब डॉलर की निकासी हुई है। थाईलैंड के बाजार ने इसी अवधि में 11 फीसदी का घाटा दिया है। हालांकि, जर्मनी ने 21 फीसदी का रिटर्न दिया है।

सोना 65 हजार के पार, चांदी भी चमकी, सोना 65,600, चांदी लगभग 75,300 रुपए

नई दिल्ली,20 मार्च (एजेंसियां) ।

सोने और चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत तेजी के साथ हुई है। देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोना 65,600 रुपये और चांदी 75,300 रुपये के करीब कारोबार कर रही है। वहीं वैश्विक बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। चांदी के वायदा भाव सुस्त शुरुआत के बाद सुधर गए। सोने के वायदा भाव में तेजी देखी जा रही है।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रेक्ट 16 रुपये की तेजी के साथ 65,599 रुपये के भाव पर खुलकर 45 रुपये की तेजी के साथ 65,628 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत तेजी के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रैक्ट 39 रुपये की तेजी के साथ 75,326 रुपये के भाव पर खुलकर 23 रुपये की तेजी के साथ 75,310 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने के वायदा तेजी के साथ खुले, जबकि चांदी की शुरुआत सुस्त रही। हालांकि बाद में इसके भाव में सुधार देखने को मिला। कॉमेक्स पर सोना 2,161.39 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,159.70 डॉलर था। फिलहाल यह 2.40 डॉलर की तेजी के साथ 2,162.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 25.09 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 25.13 डॉलर था। हालांकि खबर लिखे जाने के समय यह 0.02 डॉलर की तेजी के साथ 25.15 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

मुंबई मेरा दूसरा घर, धारावी का पुनर्विकास मेरे लिए सौभाग्य का काम, प्रोजेक्ट पर बोले गौतम अदाणी

नई दिल्ली,20 मार्च (एजेंसियां) ।

अदाणी समूह के मुखिया गौतम अदाणी ने मुंबई के धारावी डेवलपमेंट प्रोजेक्ट पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। गौतम अदाणी ने कहा है कि मुंबई मेरा दूसरा घर है। मैं यह नहीं मानता कि मैं यहां बाहरी हूं। मुंबई में कोई बाहरी नहीं होता क्योंकि मुंबई सभी का खुले दिल से स्वागत करती है। मुझे गर्व और सौभाग्य का अनुभव होता है कि मुझे धारावी के पुनर्विकास का नेतृत्व करने का मौका मिला है।

धारावी को मुंबई का 'दिल' और 'छोटा इंडिया' भी कहा जाता है। ये बस्ती मुंबई की ऊंची-ऊंची इमारतों के बीच बसी हुई है। 1882 में अंग्रेजों ने धारावी को बसाया था। इसे बसाने का मकसद ये था कि मजदूरों को किफायती ठिकाना दिया जा सके। धीरे-धीरे यहां लोग बसने लगे और और झुग्गी-बस्तियां बन गईं।

महाराष्ट्र सरकार की ओर से अदाणी ग्रुप को धारावी रीडेवलपमेंट का ठेका मिला है। ग्रुप का वादा है कि वह यहां बसने वाले लोगों को ना सिर्फ बेहतर रहने की जगह देगा, बल्कि यहां की छोटी और लघु इकाइयों का संरक्षण और उन्हें आगे बढ़ाने का भी काम करेगा। मुंबई के धारावी को अदाणी ग्रुप एक 'मॉर्डन सिटी सेंटर' में बदलने का इरादा रखता है।

धारावी एशिया की सबसे बड़ी और दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी बस्ती है जहां 2.5 वर्ग किलोमीटर में 10 लाख से ज्यादा लोग रहते हैं। धारावी में 58 हजार परिवार और करीब 12 हजार कमर्शियल कॉम्प्लेक्स हैं।

हैवेल्स लॉयड के डिजाइनर उत्पादों की रेंज लेकर आई, कहा- घरेलू बाजार के साथ ग्लोबल मार्केट पर भी नजर

नई दिल्ली,20 मार्च (एजेंसियां) ।

हैवेल्स कंपनी लॉयड ब्रांड के तहत अपने उत्पादों की निर्यात क्षमता बढ़ाने की योजना पर काम कर रही है। कंपनी ने एसी, रेफ्रिजरेटर, वाशिंग मशीन और टेलीविजन की नई रेंज पेश करते हुए इसकी जानकारी दी।

मीडिया से बातचीत के दौरान हैवेल्स इंडिया के कार्यकारी निदेशक योगेश कुमार गुप्ता ने कहा कि कंपनी ने आंध्र प्रदेश के श्री सिटी में अपनी नई विनिर्माण इकाई के पहले चरण में अब तक लगभग 400 करोड़ रुपये का निवेश किया है, जिसके बाद इसकी क्षमता 20 लाख यूनिट्स से अधिक हो गई है। उन्होंने कहा, हमारे पास अंतरराष्ट्रीय बाजारों के लिए बड़ी योजनाएं हैं।

हमने श्री सिटी में अपना दूसरा संयंत्र लगाया है, जो चेन्नई बंदरगाह के बहुत निकट है। हम पहले से ही मध्य पूर्व, सार्क देशों और अफ्रीकी देशों को निर्यात कर रहे हैं। हमने अमेरिका को निर्यात भी शुरू कर दिया है। नया प्लांट शुरू होने से ग्लोबल बाजार में मौजूदगी बढ़ाने में मिलेगी मदद उन्होंने कहा, पहले हमारे पास सिर्फ एक प्लांट था और उस प्लांट में सालाना 10 लाख एसी बनाने की क्षमता थी, इसलिए हम घरेलू बाजार पर अधिक फोकस कर रहे थे।

अब अतिरिक्त प्लांट शुरू हो जाने से हमें देश के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी अपनी पैठ बढ़ाने में मदद मिलेगी।

डिजाइनर उत्पादों की नई रेंज लेकर आई कंपनी हैवेल्स ने लॉयड ब्रांड के तहत अपने पोर्टफोलियो में एसी मॉडलों की एक नई रेंज पेश की। लॉयड बाजार में पहली बार डिजाइनर स्टेलर और स्टाइलस एयर कंडीशनर रेंज लेकर आई है। कंपनी ने साथ ही में रैपिड कूल टेक्नोलॉजी से लैस रेफ्रिजरेटर भी पेश किया है। कंपनी का दावा है कि यह केवल 29 मिनट में पानी को बर्फ में बदल सकता है। जबकि अन्य ब्रांड्स के रेफ्रिजरेटर्स में बर्फ बनने में कम से कम घंटे का समय लगता है। इसके अलावे, लॉयड नोवान्टे फुली ऑटोमैटिक वाशिंग मशीन भी लेकर आई है।

अयोध्या दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक केंद्र बनेगा: आईएचसीएल सीईओ

अयोध्या । राम मंदिर के निर्माण के बाद से अयोध्या का कायाकल्प हो गया है। पर्यटकों की संख्या को देखते हुए शहर के इंफास्ट्रक्चर में तेजी से सुधार किया जा रहा है। इससे अयोध्या दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक केंद्र बनने की राह चल रहा है। इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड (आईएचसीएल) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अयोध्या दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक केंद्र बनने की राह पर है। राम मंदिर के निर्माण के बाद से शहर के इंफास्ट्रक्चर में सुधार हो रहा है। भारी संख्या में रामलला के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का आगमन अयोध्या में हो रहा है। उन्होंने इस धारणा को खारिज कर दिया कि लॉकडाउन के हटने के बाद लोगों के मन में घूमने की ललक बढ़ी है। इस कारण से पयटर्न उद्योग में हालिया उछाल देखी गई। उन्होंने कहा कि लोग यात्रा कर रहे हैं क्योंकि उनके पास खर्च करने योग्य आय अधिक है, उनकी प्राथमिकताएं बदल गई हैं और एक फील-गुड फैक्टर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन किया। प्रीमियम ताज होटल और रिसॉर्ट्स का स्वामित्तव रखने वाली आईएचसीएल ने अयोध्या में सेलेक्शन्स, विवांता और जिंजर ब्रांडों में तीन होटलों पर हस्ताक्षर किए हैं।

संपादकीय

पूर्वानुमान में एक बार फिर मोदी सरकार

तीसरी बार सरकार बनाने को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इतने आत्मविश्वास से क्यों भरे हुए हैं, उसका उत्तर है- उनकी सरकार के प्रति जनता का भरोसा। जनता के इसी भरोसे की झलक हाल में आए विभिन्न निर्वाचन संबंधी पूर्वानुमानों (ओपिनियन पोल) में दिखायी देती है। सभी संस्थाओं के सर्वेक्षण में एक बात स्पष्ट तौर पर निकलकर आ रही है कि 2024 में एक बार फिर मोदी सरकार बन रही है। भारतीय जनता पार्टी और उसके गठबंधन को स्पष्ट और बड़ा जनादेश मिलता हुआ दिखायी दे रहा है। देश के कई राज्यों में भाजपा एक बार फिर विपक्ष की सफाई करती नजर आ रही है। विशेषकर जहाँ उसका मुकाबला सीधे तौर पर कांग्रेस से है, उन राज्यों में कांग्रेस का खाता खुलना भी कठिन दिख रहा है। गुजरात, राजस्थान, हिमाचल, दिल्ली, उत्तराखंड, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में भाजपा अपना पुराना प्रदर्शन दोहराने जा रही है। वहीं, ओडीशा, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, आंध्रा, महाराष्ट्र और बिहार जैसे प्रदेशों में वह पहले से बेहतर प्रदर्शन करती दिखायी दे रही है। इस पूर्वानुमान को देखकर यह भी कहा जा सकता है कि भाजपा अब केवल उत्तर भारत की पार्टी नहीं रही है। यह ठीक बात है कि उसे भारत के दक्षिणी हिस्से के सभी राज्यों में बहुत सफलता नहीं मिल रही है लेकिन कुछ राज्यों में उसने अपनी स्थिति मजबूत कर ली है, जैसे कर्नाटक, आंध्र और तेलंगाना। जिस प्रकार के रुझान मिल रहे हैं, उनको देखकर भले ही तमिलनाडु से भाजपा को अपेक्षित परिणाम मिलता नहीं दिख रहा है लेकिन अंदरखाने तमिलनाडु को लेकर भाजपा में उम्मीद की एक लहर है। भाजपा दक्षिण के उन राज्यों में भी अपना खाता खोल सकती है, जिन राज्यों में अभी तक उसकी एक भी सीट नहीं आई है। मत प्रतिशत के मामले में तो यह कहा ही जा सकता है कि भारत के उत्तरी हिस्से से लेकर दक्षिणी हिस्से तक और पश्चिम से लेकर पूर्व तक भाजपा अपना प्रभाव जमाते हुए दिखायी दे रही है। हालांकि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर भाजपा ने इस बार जीत का बड़ा लक्ष्य लिया है। पार्टी ने भाजपा के लिए 370 सीटें और अपने गठबंधन राजग के लिए 400 पार का कठिन लक्ष्य सामने रखा है। भारतीय राजनीति में एक दशक पूर्व जिस प्रकार की स्थितियां बन गई थीं, उसके आधार पर आकलन करेंगे तो यह लक्ष्य असंभव प्रतीत होता है। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी नाम के ब्रांड ने पिछले 10 वर्षों में भारत में नया राजनीतिक वातावरण बनाया है, जिसमें यह लक्ष्य असंभव नहीं है। जिस प्रकार से प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार की नीतियों के प्रति जनता का विश्वास है, उसे देखकर फिलहाल अनुमान लगाने और विश्लेषण करने का कार्य ही किया जा सकता है। वास्तविक परिणाम क्या रहेगा, यह तो आनेवाले समय में जनता अपने मताधिकार के प्रयोग से बता ही देगी। विभिन्न संस्थाओं के सर्वेक्षण से प्राप्त रुझानों से निश्चित ही भाजपा के कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार होगा और वे अधिक ऊर्जा के साथ प्रधानमंत्री मोदी द्वारा निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में प्रयत्न करेंगे। यह पूर्वानुमान कांग्रेस के लिए भी सबक हैं कि उसे अपनी नकारात्मक और अंध विरोध की राजनीति छोड़कर जनता के मन को समझना चाहिए और जनता के बीच के मुद्दों को उठाना चाहिए। वर्तमान समय में कांग्रेस जिन मुद्दों पर बात कर रही है, आम जनता का उनसे कोई सरोकार नहीं है।

भारतीय जनता पार्टी और उसके गठबंधन को स्पष्ट और बड़ा जनादेश मिलता हुआ दिखायी दे रहा है। देश के कई राज्यों में भाजपा एक बार फिर विपक्ष की सफाई करती नजर आ रही है। विशेषकर जहाँ उसका मुकाबला सीधे तौर पर कांग्रेस से है, उन राज्यों में कांग्रेस का खाता खुलना भी कठिन दिख रहा है। गुजरात, राजस्थान, हिमाचल, दिल्ली, उत्तराखंड, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में भाजपा अपना पुराना प्रदर्शन दोहराने जा रही है। वहीं, ओडीशा, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, आंध्रा, महाराष्ट्र और बिहार जैसे प्रदेशों में वह पहले से बेहतर प्रदर्शन करती दिखायी दे रही है। इस पूर्वानुमान को देखकर यह भी कहा जा सकता है कि भाजपा अब केवल उत्तर भारत की पार्टी नहीं रही है। यह ठीक बात है कि उसे भारत के दक्षिणी हिस्से के सभी राज्यों में बहुत सफलता नहीं मिल रही है लेकिन कुछ राज्यों में उसने अपनी स्थिति मजबूत कर ली है, जैसे कर्नाटक, आंध्र और तेलंगाना। जिस प्रकार के रुझान मिल रहे हैं, उनको देखकर भले ही तमिलनाडु से भाजपा को अपेक्षित परिणाम मिलता नहीं दिख रहा है लेकिन अंदरखाने तमिलनाडु को लेकर भाजपा में उम्मीद की एक लहर है। भाजपा दक्षिण के उन राज्यों में भी अपना खाता खोल सकती है, जिन राज्यों में अभी तक उसकी एक भी सीट नहीं आई है। मत प्रतिशत के मामले में तो यह कहा ही जा सकता है कि भारत के उत्तरी हिस्से से लेकर दक्षिणी हिस्से तक और पश्चिम से लेकर पूर्व तक भाजपा अपना प्रभाव जमाते हुए दिखायी दे रही है।

प्रदेश में मतदाताओं का एक बड़ा हिस्सा ओबीसी से आता है

उत्तर प्रदेश में भाजपा के जातीय समीकरण के सामने पस्त विपक्ष

आशीष वशिष्ठ

एक पुरानी राजनीतिक कहावत है कि दिल्ली का रास्ता लखनऊ से होकर जाता है। कहते हैं यहां पर जिसने जितनी सीटें जीतीं, उसके लिए नई दिल्ली तक पहुंचने का रास्ता उतना ही आसान हुआ। उत्तर प्रदेश में विजय का परचम लहराने के लिए जातियों की समझ ही सब कुछ है। यहां विकास के नाम पर वोट भी तभी मिलता है, जब जातियों को सही तरह से साधा जाए। बात चाहे ओबीसी की हो, मुस्लिम की हो या सवर्ण समाज को साधने की, सभी का उत्तर प्रदेश की सियासत में अहम योगदान रहता है। यहां के बारे में एक कहावत चर्चित है कि यहां वोटर नेता को वोट नहीं देते बल्कि जाति को देते हैं। जाहिर है कि सबसे ज्यादा 80 लोकसभा सीट वाले उत्तर प्रदेश पर हर पार्टी की नजर है। यहां भारतीय जनता पार्टी से लेकर सपा, कांग्रेस और बसपा भी अपना जनाधार मजबूत करने में पूरी ताकत के साथ जुट गई है। जाति, धर्म और वर्ग के आधार पर अपने-अपने वोट बैंक को दुरुस्त करने के लिए खास रणनीति बनाई जा रही है। इस मद्देनजर जो एक कम्युनिटी प्रदेश की हर राजनीतिक पार्टी की नजर में है, वो ओबीसी समुदाय है। प्रदेश में मतदाताओं का एक बड़ा हिस्सा ओबीसी से आता है और जिसकी ओर उनका झुकाव होता है, वही पार्टी यहां सबसे मजबूत स्थिति में मानी जाती है। ऐसे में इन्हें लुभाने के लिए हर पार्टी अपने-अपने स्तर पर अपनी-अपनी रणनीति के अनुसार कोशिश कर रही है। उत्तर प्रदेश में ओबीसी वोट का प्रतिशत 52 फीसदी है। ये ओबीसी वोट, यादव और गैर यादव में बंटा हुआ है। यादव वोट 11 फीसदी है तो गैर यादव 43 फीसदी है। ओबीसी वोट में यादव जाति के बाद सबसे ज्यादा संख्या कुर्मी मतदाताओं की है। इसके बाद मौर्य और कुशवाहा और चौथे नंबर पर लोध जाति है। पिछड़ा वर्ग में पांचवीं सबसे बड़ी जाति के रूप में मल्लाह (निषाद) हैं। ओबीसी वोट बैंक में राजभर बिरादरी की आबादी दो फीसदी से कम है। राज्य में दलित वोट बैंक, जाटव और गैर जाटव में बंटा हुआ है। दलितों में जाटव जाति की संख्या कुल वोट का 54 फीसदी है। दलितों में 16 फीसदी पासी और 15 फीसदी वाल्मीकि जाति है। राज्य में सवर्ण मतदाता की आबादी 23 फीसदी है। इसमें सबसे ज्यादा 11 फीसदी ब्राह्मण, आठ फीसदी राजपूत और दो फीसदी कायस्थ है। देश में उत्तर प्रदेश मुस्लिम जनसंख्या के हिसाब लिहाज से चौथा सबसे बड़ा राज्य है। यहां पर लगभग 20 प्रतिशत मुस्लिम रहते हैं। 2019 के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)-अपना दल गठबंधन को 50.76 फीसदी वोट मिले थे। भाजपा ने 62 और अपना दल ने दो सीट जीती थीं। सपा-बसपा और आरएलडी गठबंधन को 38.89 फीसदी वोट मिले थे। सपा ने पांच और बसपा ने 10 सीटें जीती थीं। 2019 का लोकसभा चुनाव कांग्रेस के लिए सबसे शर्मनाक रहा। उसे 6.31 प्रतिशत वोट शेयर के साथ सिर्फ एक सीट पर जीत मिली। अगर साल 2014 के लोकसभा चुनाव की बात करें तो उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी को प्रचंड बहुमत के साथ 71 सीट मिलीं और पार्टी के खाते में 42.3 फीसदी वोट गए। इस चुनाव में बहुजन समाज पार्टी और आरएलडी का खाता भी नहीं खुला। बसपा को 19.6 फीसदी वोट मिले। सपा ने पांच ही लोकसभा सीट जीती। उसे कुल 22.2 फीसदी वोट मिले। कांग्रेस ने दो सीटें जीती और उसका वोट फीसदी 7.5 रहा। थिंक टैंक सीएसडीएस और लोकनीति के एक सर्वे के मुताबिक 2019 के चुनाव में 82 फीसदी ब्राह्मणों ने भाजपा और उसके सहयोगियों के लिए वोट किया। 89 फीसदी राजपूतों ने भाजपा को वोट दिया। वैश्यों का 70 फीसदी वोट भाजपा के खाते में गया। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में निर्णायक माने जाने वाले जाटों का 91 फीसदी वोट भाजपा को मिला। वर्ण व्यवस्था की अन्य जातियों में से 5 फीसदी ने कांग्रेस, 84 फीसदी ने भाजपा गठबंधन और 10 फीसदी ने सपा-बसपा गठबंधन को वोट किया। ओबीसी की दूसरी बड़ी जाति कोइरी-कुर्मी का 80 फीसदी वोट भाजपा, 14 फीसदी वोट सपा-बसपा, कांग्रेस को 5 फीसद और अन्य दलों को 1 फीसदी वोट मिला। यादव-कोइरी-कुर्मी के अलावा ओबीसी की अन्य जातियों में से 72 फीसदी ने भाजपा, 18 फीसदी ने सपा-बसपा, 5 फीसदी ने कांग्रेस और 5 फीसदी ने अन्य दलों को वोट किया। अनुसूचित जाति की बड़ी जातियों में से एक जाटव है। इस जाति का 75 फीसद वोट सपा-बसपा, 17 फीसद भाजपा, 1 फीसद कांग्रेस और अन्य दलों को 7 फीसद वोट मिल। एससी की अन्य जातियों के वोटों में से भाजपा गठबंधन को 48 फीसद, सपा-बसपा गठबंधन को 42 फीसद, कांग्रेस को 7 फीसद और 3 फीसद ने अन्य दलों को वोट किया। उत्तर प्रदेश के 73 फीसद मुसलमानों ने सपा-बसपा गठबंधन, 14 फीसद ने कांग्रेस, 8 फीसद ने भाजपा गठबंधन और पांच फीसद ने अन्य दलों को वोट किया। अन्य जातियों में से 50 फीसद ने भाजपा गठबंधन, 35 फीसद ने सपा-बसपा, 1 फीसद ने कांग्रेस और 14 फीसद ने अन्य दलों को वोट किया। वास्तव में, सामान्य, गैर यादव ओबीसी, अन्य अति पिछड़े, और गैर जाटव दलित पर भारतीय जनता पार्टी की अच्छी पकड़ है। भारतीय जनता पार्टी को साल 2014, 2019 के लोकसभा चुनाव में और साल 2017 तथा 2022 के विधानसभा में अच्छी-खासी संख्या में ओबीसी वोटर्स का साथ मिला। सपा की नीतियों से असंतुष्ट ओबीसी समुदाय ने भाजपा का दामन थामा। भाजपा अपने इस समर्थन को आने वाली लोकसभा चुनाव में बरकरार रखना चाहती है। भारतीय जनता पार्टी ओबीसी वोटर्स में अपना जनाधार बढ़ाने के लिए तमाम तरह के जतन कर रही है। इसका मकसद गैर-यादव पिछड़ी जाति के लोगों को लामबंद करना है। इसके अलावा ओम प्रकाश राजभर को एनडीए में लाना भाजपा की ओबीसी नीति का ही नतीजा है। संजय निषाद और अनुप्रिया पटेल पहले से ही भाजपा के साथ हैं। आरएलडी के एनडीए का हिस्सा बनने से यह वोट बैंक और मजबूत होगा। ओबीसी को समाजवादी पार्टी का कोर वोटर माना जाता है। इनमें भी यादव वोटर्स सपा के समर्पित समर्थक हैं। सत्ता पर काबिज भाजपा ने अपनी योजनाओं और राजनीतिक रणनीति की मदद से सपा के इस वोट बैंक में सेंधमारी की है।

उत्तर प्रदेश में विजय का परचम लहराने के लिए जातियों की समझ ही सब कुछ है। यहां विकास के नाम पर वोट भी तभी मिलता है, जब जातियों को सही तरह से साधा जाए। बात चाहे ओबीसी की हो, मुस्लिम की हो या सवर्ण समाज को साधने की, सभी का उत्तर प्रदेश की सियासत में अहम योगदान रहता है। यहां के बारे में एक कहावत चर्चित है कि यहां वोटर नेता को वोट नहीं देते बल्कि जाति को देते हैं। जाहिर है कि सबसे ज्यादा 80 लोकसभा सीट वाले उत्तर प्रदेश पर हर पार्टी की नजर है।

दृष्टि कोण

आखिर यह साफ कैसे होगा, क्या जागरूकता और मतदान प्रतिशत बढ़ाकर हो सकता है कुछ

पूरी दुनिया में, चाहे उन्नत अर्थव्यवस्थाएं हों या छोटे देश, राजनीतिक दल धन पाना चाहते हैं। उन्हें मतदाताओं तक पहुंचने, उन्हें अपनी नीतियों के बारे में बताने तथा लोगों का इनपुट पाने के लिए धन की जरूरत होती है। ऐसा करने के लिए विभिन्न देशों के राजनीतिक दल राजनीतिक फंडिंग का सहारा लेते हैं। राजनीतिक दलों को कई चैनलों के माध्यम से फंडिंग मिल सकती है-व्यक्तियों और कॉरपोरेट्स द्वारा स्वैच्छिक योगदान से, सदस्यता अभियान के जरिये या राज्य फंडिंग के माध्यम से। रास्ते बहुत हैं, जिनमें मीडिया कवरेज, राजनीतिक दलों के लिए स्थान और अन्य संसाधनों का उपयोग के रूप में योगदान भी शामिल हैं। हालांकि फंडिंग का एक रूप जो राजनीतिक दलों के खजाने में महत्वपूर्ण योगदान देता है, वह विभिन्न रूपों में कॉरपोरेट दान है। दुनिया भर में राजनीतिक दलों को मिलने वाले कॉरपोरेट दान को लेकर एक डर यह है कि ऐसे दानों से सरकारों के निर्णय लेने की प्रक्रिया न प्रभावित हो। चाहे अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा या कई अन्य उन्नत अर्थव्यवस्थाएं हों, कॉरपोरेट दान सामान्य बात है, ठीक उसी तरह, जैसे सदस्यता शुल्क या अन्य रूपों में व्यक्तिगत चंदा लिया जाता है। लगभग हरेक देश में कानून द्वारा एक रूपरेखा तैयार की गई है, जिसके जरिये राजनीतिक दल चुनाव अभियान पर खर्च करने के लिए धन स्वीकार करते हैं। और इसकी एक सीमा होती है कि किस चुनाव में प्रत्याशी और राजनीतिक दल कितना खर्च कर सकते हैं। कई कॉरपोरेट अपने देशों में चुनिंदा या कई राजनीतिक दलों का समर्थन करते हैं, ताकि पार्टी की नीतियों के प्रति एकजुटता का संकेत दिया जा सके या किसी भी चुनाव परिणाम के साथ अपने हितों की रक्षा की जा सके। लेकिन इसमें कॉरपोरेट की भूमिका संदिग्ध हो जाती है, क्योंकि अक्सर कॉरपोरेट दान कुछ शर्तों के साथ मिलता है। अक्सर फंडिग की स्थिति स्पष्ट नहीं होती, बल्कि इसमें निहित स्वार्थ छिपे होते हैं। उदाहरण के लिए, 14 अप्रैल, 2021 को जॉर्जिया में प्रतिबंधात्मक रिपब्लिकन प्रायोजित मतदान कानून के जवाब में गूगल के सीईओ ने 200 अन्य सीईओ के साथ मिलकर द न्यूयॉर्क टाइम्स और द वाशिंगटन पोस्ट में एक खुला पत्र प्रकाशित करवा कर ऐसे 'किसी भी भेदभावपूर्ण कानून' का विरोध किया, जिससे अमेरिकियों के लिए मतदान करना और मुश्किल हो जाएगा। लेकिन एक दिक्कत थी-गूगल ने चुपचाप रिपब्लिकन स्टेट लीडरशिप कमिटी, एक ऐसा संगठन, जो जॉर्जिया कानून और इसी तरह के अन्य राज्यों के कानून का समर्थन करता है, के साथ 'चुनावी अखंडता' पर एक 'नीति कार्य समूह' को वित्त पोषित किया था। ब्रिटेन में पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन कॉरपोरेट फंडिंग के लिए आलोचनाओं के घेरे में आ गए, जिन्होंने दानदाता के पक्ष में नीतिगत समर्थन दिया था। वर्षों से, कई प्रमुख व्यवसायी राजनीतिक दलों के साथ लॉबिंग करते रहे हैं और जनादेश तथा नीति-निर्माण को प्रभावित करने के लिए फंड देते रहे हैं। हालांकि अब राजनीतिक दलों से दूरी बनाए रखने के लिए कॉरपोरेट्स ने चुनावी ट्रस्टों के जरिये फंडिंग का रास्ता ढूंढ लिया है। ये मूल रूप से कंपनियों द्वारा स्थापित ट्रस्ट हैं, जिनका उद्देश्य अन्य कंपनियों और व्यक्तियों से प्राप्त योगदान को राजनीतिक दलों में वितरित करना है। चूंकि ट्रस्टों द्वारा संग्रहीत धन को इकट्ठा किया जाता है, तो कोई आसानी से नहीं जान सकता कि किस कॉरपोरेट ने ट्रस्ट को धन दिया है और ट्रस्ट किसी राजनीतिक दल को कैसे वित्त पोषित करेगा। भारत में राजनीतिक फंडिंग और चुनाव कराने की लागत में उन दिनों की तुलना में बदलाव देखा गया है, जब चुनावी खर्च की कोई सीमा नहीं थी और न ही धन संग्रह के लिए कोई स्पष्ट तंत्र था। दान अधिकतर नकदी में होता था, जिसका मतलब था कि स्रोत का आसानी से पता नहीं लगाया जा सकता था और यह एक समानांतर काली अर्थव्यवस्था का भी समर्थन करता था। अन्य देशों की तरह हमने भी चुनावों पर खर्च करने के अपने तरीके बदल दिए हैं। राजनीतिक दलों को अपनी पारदर्शिता में सुधार करने के लिए कहा गया और बड़े नकदी दान को प्रतिबंधित कर दिया गया।

कुछ अलग

बीड़ी-सिगरेट छोड़ें और स्वस्थ रहें

धूम्रपान के आदी मित्रों और परिजनों को धूम्रपान छोड़ने के लिए मदद पाने को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष मार्च के दूसरे बुधवार को 'नो स्मोकिंग डे (धूम्रपान निषेध दिवस)' मनाया जाता है। इस वर्ष यह दिवस 13 मार्च को मनाया जा रहा है। यह दिवस पहली बार 1984 में आयरलैंड गणराज्य में मनाया गया था। प्रतिवर्ष यह दिवस एक खास विषय के साथ मनाया जाता है, जो इस साल 'तंबाकू उद्योग के हस्तक्षेप से बच्चों की सुरक्षा' विषय के साथ मनाया जा रहा है। दरअसल यह गहन चिंतन का विषय है कि पिछले कई दशकों में दुनियाभर में हुए अनेक अध्ययनों में यह प्रमाणित हो चुका है कि धूम्रपान हर दृष्टि से सेहत के लिए हानिकारक है लेकिन जब तमाम जानकारियों और तथ्यों के बावजूद हम अपने आसपास बच्चों को भी धूम्रपान करते देखते हैं तो स्थिति बेहद चिंताजनक प्रतीत होती है। ऐसे बच्चों के मन-मस्तिष्क में धूम्रपान को लेकर कुछ गलत धारणाएं विद्यमान होती हैं, जैसे धूम्रपान से उनके शरीर में चुस्ती-फुर्ती आती है, उनका मानसिक तनाव कम होता है, मन शांत रहता है, व्यक्तित्व आकर्षक बनता है, कब्ज की शिकायत दूर होती है आदि-आदि। चूंकि बच्चों का मन कोमल होता है, इसीलिए तमाम वैज्ञानिक शोधों के बावजूद वे यह समझने की स्थिति में नहीं होते कि धूम्रपान करने से उनके अंदर ऐसी कोई ताकत पैदा नहीं होने वाली कि देखते ही देखते वो किसी ऊंचे पर्वत पर छलांग लगा सकें या महाबली पवनपुत्र हनुमान की भांति विशाल समुद्र लांघ जाएं। वास्तविकता यही है कि धूम्रपान एक ऐसा धीमा जहर है, जो धीमे-धीमे इसका सेवन करने वाले व्यक्ति का दम घोंटता है और बच्चों पर तो इसका प्रभाव बहुत घातक होता है। धूम्रपान शरीर में कई प्रकार की प्राणघातक बीमारियों को जन्म देता है और ऐसे व्यक्ति को धीमी गति से मृत्युशैया तक पहुंचा देने का माध्यम बनता है। दुनियाभर में धूम्रपान के कारण हर साल 70 लाख से भी ज्यादा मौतें हो रही हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में होने वाली मौतों में से हर 5 में से 1 पुरुष की मौत धूम्रपान के कारण हो रही है। विभिन्न सर्वेक्षणों के अनुसार माना गया है कि विकसित देशों में चालीस फीसदी से ज्यादा पुरुष और इक्कीस फीसदी से ज्यादा स्त्रियां धूम्रपान करती हैं जबकि विकासशील देशों में सिर्फ आठ फीसदी स्त्रियों को इसकी लत लगी है तथा पुरुषों की संख्या पचास फीसदी से अधिक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार तम्बाकू के सेवन के कारण प्रतिदिन करीब आठ हजार व्यक्ति फेफड़ों के कैंसर के शिकार होकर मर जाते हैं। संगठन का अनुमान है कि यदि दुनियाभर में धूम्रपान की लत ऐसे ही बढ़ती रही तो बहुत जल्द धूम्रपान के कारण पचास करोड़ लोग मारे जा चुके होंगे और अगले तीस वर्ष में केवल गरीब देशों में ही धूम्रपान से मरने वालों की संख्या दस लाख से बढ़कर सत्तर लाख तक पहुंच जाएगी। संगठन का अनुमान है कि प्रतिवर्ष विश्वभर में आठ हजार से ज्यादा नवजात शिशु धूम्रपान की वजह से असमय काल के ग्रास बन जाते हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि सभी प्रकार के कैंसर में से करीब 40 फीसदी का कारण धूम्रपान ही होता है। धूम्रपान वास्तव में एक ऐसा धीमा जहर है, जो हमारे शरीर में धीरे-धीरे प्राणघातक रोगों को जन्म देता है और व्यक्ति को धीमी गति से मृत्यु शैया पर पहुंचा देता है। धूम्रपान कितना खतरनाक है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि सिगरेट के खतरनाक धुएं से करीब 50 टन तांबा, 15 टन शीशा, 11 टन कैडमियम तथा कई अन्य खतरनाक रसायन वातावरण में घुलते हैं। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि कैंसर, हृदय रोग, सांस की बीमारी, डायबिटीज इत्यादि बीमारियों में भी धूम्रपान काफी खतरनाक हो सकता है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को धूम्रपान से बचना चाहिए।

देश दुनिया से

एल डोराडो खतरे में है, पुतिन की नजर से उभरी है आशंका

स्वीडन मार्च के दूसरे सप्ताह में नाटो का 32वां सदस्य बन गया। प्रधानमंत्री उल्फ क्रीत्सेरसॉन ने वाशिंगटन में नाटो की सदस्यता हासिल की। इसके साथ स्वीडन ने करीब दो सौ साल पुरानी कूटनीतिक तटस्थता को खत्म कर दिया। रूस व अमेरिका के लंबे शीतयुद्ध के दौरान स्वीडन तटस्थ रहा, मगर यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद यूरोप में खौफ पेसरा है। वर्ष 2022 की जनवरी की बात है, तब तक यूक्रेन पर रूस का कहर शुरू नहीं हुआ था। बाल्टिक सागर में रूस के छह जंगी जहाज गश्त करते नजर आए। लिथुआनिया और पोलैंड की सीमा पर कैलिनिनग्राद में रूस का नौसैनिक अड्डा है। ये जहाज यहीं से आए थे। स्वीडन की पुलिस को पता चला कि स्वीडन के नाभिकीय संयंत्रों के आसपास कई ड्रोन देखे गए हैं। चौबीस घंटे के भीतर ही स्वीडन ने गोटलैंड के द्वीप पर सैन्य तैनाती में जबर्दस्त बढ़ोतरी कर दी। गोटलैंड पर इस कदर सैन्य तैनाती शीतयुद्ध के दशकों में भी नहीं देखी गई थी। रूस और स्वीडन के रिश्तों का इतिहास ही लंबी शत्रुता का है। 12वीं से 19वीं सदी तक रूस और स्वीडन के बीच करीब एक दर्जन युद्ध हुए हैं और कड़वाहट अब भी जारी है। यूक्रेन पर हमले के बाद स्वीडन गोटलैंड द्वीप पर रूस के हमले को लेकर बेहद सशंकित है। यही डर उसे शताब्दी पुरानी कूटनीतिक तटस्थता छोड़कर नाटो की शरण में ले आया है। गोटलैंड बाल्टिक सागर में इतिहास का सबसे जीवंत स्मारक है। बांधिए कुर्सी की पेटी, टाइम मशीन अब रूस होते हुए गोटलैंड की तरफ उड़ान भरने को तैयार है। टाइम मशीन 16वीं-17वीं सदी में उड़ान भर रही है। ठीक पहचाना आपने यह रूस के पहले जार आइवन द टेरबिल हैं, जो मध्ययुगीन मस्कोवी शासन को रूस के दक्षिण में फैला रहे हैं। आइवन द टेरबिल ने मध्य एशिया से लेकर काला सागर के तट तक तातारों-कजाकों के शासन वाले इलाके और अस्त्राखान के खानेत को अपनी ताकत का एहसास करा दिया है। मगर इतिहास तो अब बनना शुरू हुआ है। अपनी सीट के सामने लगी स्क्रीन पर देखिए। यह 1708 का साल है। रूस की जानलेवा ठंड के बीच स्वीडन के सम्राट चार्ल्स बारहवें की सेना यूक्रेन के दक्षिण की तरफ बढ़ रही है। स्वीडन के सम्राट चार्ल्स पहले भी रूस की सेना को धूल चटा चुके थे, लेकिन मास्को उनकी पहुंच से दूर रहा। सम्राट की सेना सर्दी से हार रही थी। फिर भी हमला जारी था। पीटर द ग्रेट ने चार्ल्स को रोकने के लिए पोल्टावा के किले से जवाब देना शुरू कर दिया। 1708 में जंग की शुरुआत हुई। पहली मुठभेड़ भारी पड़ी। रूसी सेना की गोलाबारी में स्वीडन के सम्राट चार्ल्स घायल हो गए। किसी तरह जान तो बच गई, अलबत्ता सम्राट युद्ध लड़ने की स्थिति में नहीं थे। इसलिए सेना की कमान फील्ड मार्शल कार्ल गुस्ताव रेंकिओल्ड और जनरल लुडविग ल्यूनहॉप्ट को दे दी गई। इस इलाके पर मंडराते हुए हमें दिखेगा कि एक माह तक अलग-अलग मोर्चों पर स्वीडन और रूस की सेना के बीच भयानक जंग हुई। मगर स्वीडन की सेना टिक नहीं पाई। 10,000 से ज्यादा सैनिक मारे गए या कैद कर लिए गए। स्वीडन के सम्राट चार्ल्स को दक्षिण में ओटोमन साम्राज्य के इलाके में शरण लेनी पड़ी। पोल्टावा की हार के साथ स्वीडन के साम्राज्य विस्तार की उम्मीद हमेशा के लिए खत्म हो गई। पीटर द ग्रेट काला सागर से लेकर बाल्टिक तट तक राज करने लगे। टाइम मशीन अब बाल्टिक तट पर सेंट पीटर्सबर्ग के ऊपर उड़ान भर रही है। स्वीडन हार तो गया, लेकिन पीटर द ग्रेट बाल्टिक सागर से उस पार नहीं जा सके। वह रूस के साम्राज्य को यूरेशियन सीमा से निकाल कर बाल्टिक के दूसरी ओर ले जाना चाहते थे। इसी कोशिश में उन्होंने 1703 में बाल्टिक तट पर सेंट पीटर्सबर्ग शहर बसाया था। बाल्टिक सागर में स्वीडन की ताकत अकूत थी, जिस पर रूस का जोर नहीं चला। ... और अब हम आ गए हैं गोटलैंड पर। स्टॉकहोम के तट से पूर्व की ओर स्थित गोटलैंड पहुंचने में करीब पांच घंटे लगते हैं। यह हिसाब 21वीं सदी का है। एक संप्रभु राष्ट्र के तौर पर अपनी शुरुआत करने वाले छोटे से गोटलैंड पर साम्राज्यवादियों के असंख्य निशान दर्ज हैं। टाइम मशीन अब और पीछे 14वीं सदी से 16वीं सदी की तरफ जा रही है, जब इस द्वीप पर प्रत्येक शताब्दी में किसी न किसी साम्राज्यवादी शासक ने कब्जा किया। कभी जर्मन, तो कभी डैनिश, तो कभी रूसी कब्जे से गुजरते हुए गोटलैंड स्वीडन का हुआ।

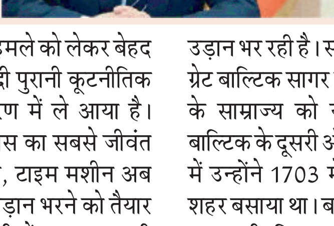

रूस व अमेरिका के लंबे शीतयुद्ध के दौरान स्वीडन तटस्थ रहा, मगर यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद यूरोप में खौफ पेसरा है। वर्ष 2022 की जनवरी की बात है, तब तक यूक्रेन पर रूस का कहर शुरू नहीं हुआ था। बाल्टिक सागर में रूस के छह जंगी जहाज गश्त करते नजर आए। लिथुआनिया और पोलैंड की सीमा पर कैलिनिनग्राद में रूस का नौसैनिक अड्डा है। ये जहाज यहीं से आए थे। स्वीडन की पुलिस को पता चला कि स्वीडन के नाभिकीय संयंत्रों के आसपास कई ड्रोन देखे गए हैं। चौबीस घंटे के भीतर ही स्वीडन ने गोटलैंड के द्वीप पर सैन्य तैनाती में जबर्दस्त बढ़ोतरी कर दी। गोटलैंड पर इस कदर सैन्य तैनाती शीतयुद्ध के दशकों में भी नहीं देखी गई थी। रूस और स्वीडन के रिश्तों का इतिहास ही लंबी शत्रुता का है।

आप का नजरिया

कहीं आप अपनी प्राणशक्ति तो बर्बाद नहीं कर रहे

आप रोज सुबह उठने के बाद महसूस करते होंगे कि आप एक नई ऊर्जा से भरे हुए हैं। खासकर तब जबकि आप 7-8 घंटे की गहरी हेल्दी नींद लेकर सुबह उठते हैं। आप अपने रोम-रोम में एक ताजगी महसूस करते हैं। सुबह उठने के बाद हम अगर पूरी चेतना, जागृति और बोध के साथ सांस भरें, तो उस सांस के साथ हम शरीर में एक ऊर्जा के प्रवाह को भी महसूस कर सकते हैं। बहरहाल, यह जो रात की गहरी नींद पिछले दिन की पूरी थकान सोखकर आपको ताजगी से भर देती है और आप पूरे दिन का मुकाबला करने के लिए खुद को तैयार पाते हो, यह आपके भीतर बह रही प्राण ऊर्जा का कमाल होता है। प्राण ऊर्जा हमें तीन स्रोतों से मिलती है। सूर्य से, आकाश यानी हवा से और पृथ्वी यानी जमीन से। सूर्य अगर न हो तो पृथ्वी पर जीवन संभव नहीं। सूर्य की किरणों में प्राण की ऊर्जा भरी हुई रहती है। इसलिए सुबह अगर आप जानबूझकर कुछ देर सूरज की किरणें शरीर पर पड़ने देंगे, तो आपके भीतर यह ऊर्जा थोड़ी अतिरिक्त रहेगी। आप सांस जब लेते हो तो हवा को ही भीतर खींचते हो। हवा में ही प्राणवायु रहती है। ऑक्सीजन। आपको कुछ देर तक यह प्राणवायु न मिले तो आप जीवित नहीं रह पाते। प्राण ऊर्जा या इसे प्राण शक्ति भी कह सकते हैं, का तीसरा स्रोत आपका भोजन है जो जमीन से पैदा होता है। जमीन भोजन में प्राणशक्ति डालती है और भोजन को ग्रहण कर उस शक्ति को अपने भीतर लेते हैं। जब हम सुबह उठते हैं तो हमारे भीतर रात का खाना पूरी तरह पच चुका होता है, रात को नींद ने अपना कारनामा दिखा हमारे शरीर के भीतर सब टूटफूट रिपेयर कर ली होती है। हमारी प्राणशक्ति अपने सबसे ऊंचे स्तर पर होती है। यह जो प्राणशक्ति आपके भीतर रहती है, यही आपके सारे काम करती है। शारीरिक और मानसिक काम तो करती ही है, शरीर के भीतर बीमारियों से लड़ने और आपके शरीर को उनसे बचाए रखने जिम्मेदारी भी इसी की होती है। न सिर्फ इतना बल्कि यह आपके भीतर बहुत सूक्ष्म स्तर पर काम करते हुए आपके मन में आने वाले संकल्पों को भी तय करती है कि वे कैसे रहें। जब आपके संकल्प अच्छे रहते हैं, तो वही आपकी आभा बनकर आपके चेहरे पर भी दिखने लगते हैं। आपने देखा होगा जो बड़े योगी होते हैं, सिर्फ कहने के नहीं बल्कि असली योगी, जो तप व साधना वाला जीवन जीते हैं, उनके चेहरे पर आपको ऐसा तेजोमंडल दिखाई देता है। सवाल यह है कि आप इतनी कीमती प्राणशक्ति को कैसे दिन भर अपने भीतर बनाए रख सकते हैं। अमूमन होता यह है कि सुबह की प्राणशक्ति हमारी दिनचर्या, हमारे सोचने और काम करने के गलत तरीकों और उथली सांस लेने व गरिष्ठ भोजन करने की वजह से बहुत जल्दी कम हो जाती है। शरीर के भीतर जब प्राणशक्ति शिथिल हो जाती है, तब वह हमारी रोगों से रक्षा नहीं कर पाता। घातक रोग भी हमारे शरीर में अपनी जड़े जमाने लगते हैं।

24 मार्च को होलिका दहन

जानिए इस दिन सौभाग्य के लिए क्या करें क्या न करें

रंगों और सामाजिक समरसता का त्योहार होली फाल्गुन मास की पूर्णिमा तिथि को बड़े धूम-धाम से मनाया जाता है। इस दिन सारे बैर-भाव एक दूसरे को गले लगाया जाता है। होली के त्योहार के आरंभ से पूर्व होलिका दहन का विधान किया जाता है जो अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। वैसे तो होलिका दहन पर लोग अलग-अलग उपाय करते हैं परंतु इस खास दिन पर कुछ धार्मिक उपाय हैं जिनको करने से आती है वहीं इस दिन कुछ काम ऐसे हैं जिनको करने से परहेज करना चाहिए। आइए जानते हैं कि इस दिन क्या करें और क्या न करें।

क्या न करें

वस्त्रों का रखें ध्यान

ज्योतिष मान्यता है कि होली के दिन फटे, मैले, काले, नीले कपडे पहनने से व्यक्ति शारीरिक क्षमता व सकारात्मक ऊर्जा का नाश होता हैं। ऐसे कपड़े हमारे तन-मन को शिथिल बनाकर कई प्रकार की बीमारियों को जन्म देते हैं। साथ ही गंदे और फटे वस्त्र दुर्भाग्य लेकर आते हैं, घर में नकारात्मक ऊर्जा का वास होता हैं। वहीं होलिका दहन के दिन नकारात्मक शक्तियों प्रभाव ज्यादा रहता है इसलिए सफेद रंग के वस्त्र धारण करना भी अशुभ होता है। इस दिन शुभ रंगों के वस्त्र पहनें।

उधार देने से बचें

मान्यता है कि होलिका दहन के दिन किसी को पैसा उधार नहीं देना चाहिए। ऐसा करने से आपको भविष्य में आर्थिक रूप से का सामना करना पड़ सकता है।

नवविवाहिता न देखें

पौराणिक मान्यता है कि होलिका दहन की अग्नि को जलते हुए शरीर का प्रतीक माना जाता है। इसलिए किसी भी नवविवाहिता को ये अग्नि नहीं देखनी चाहिए, इसे अशुभ माना गया है। इससे उनके दांपत्य जीवन में कड़वाहट घुल सकती

हरी लकड़ियां न जलाएं

अक्सर देखा गया है कि बहुत से लोग होलिका दहन के लिए हरे पेड़ों की टहनियां तोड़ लेते है,ऐसा करना किसी भी दृष्टि से शुभ नहीं है। मान्यता है कि इस दिन होलिका दहन के लिए पीपल, बरगद या आम की लकड़ियों का प्रयोग न इस मौसम में इन वृक्षों पर नई कोपलें आती हैं, ऐसे में इन्हें जलाने से नकारात्मकता फैलती है,दोष लगता है। होलिका दहन के लिए गूलर, नीम या अरंड के पेड़ की सूखी लकड़ी या गोबर के कंडों का इस्तेमाल किया जा सकता है।

होली पर क्या करें

दांपत्य जीवन सुख के लिए

होली का त्योहार राधा-कृष्ण के पवित्र प्रेम से भी जुड़ा हुआ है। पौराणिक समय में श्रीकृष्ण और राधा की बरसाने की होली के साथ ही होली के उत्सव की शुरुआत हुई। इस दिन राधा-कृष्ण की पूजा कर इनको गुलाल लगाने से जीवन में प्रेम और स्नेह रहता है।

उत्तम स्वास्थ्य के लिए

स्वास्थ्य की दृष्टि से होलिका दहन के विधानों में आग जलाना, अग्नि परिक्रमा, नाचना, गाना आदि शामिल किए गए है। अग्नि की ताप जहां रोगाणुओं को नष्ट करती है,वहीं शरीर की ऊर्जा और स्फूर्ति कायम रहती है और शरीर स्वस्थ्य रहता है।

अग्नि पूजा

होली के दिन होलिका दहन से पूर्व अग्निदेव की पूजा का विधान है। अग्निदेव पंचतत्वों में प्रमुख माने जाते हैं जो सभी जीवात्माओं के शरीर में अग्नितत्व के रूप में विराजमान रहते हुए जीवन भर उनकी रक्षा करते हैं।

जानिए होली पर रंगों का महत्व, किस रंग से किसको होली खेलना होगा शुभ

व्यक्ति की अनेक गहरी अनुभूतियां रंगों से जुडी हुई हैं और उन्हीं से प्रभावित-संचालित होती हैं। व्यक्ति के जन्म से लेकर अंतिम क्षण तक नेत्र रंगों से सम्बद्ध रहते हैं। सूर्यदेव की किरणों में विद्धमान रंग इंद्रधनुष के माध्यम से व्यक्त होता है। नीला लाल सूर्य, हरे पत्ते और विविध रंग के पुष्प-फल इस जगत की रंगमयता और महत्व को दर्शाते हैं। हजारों शब्दों से भी न व्यक्त होने वाले विचार रंगों से सहज सम्प्रेषित हो जाते हैं।

लाल रंग का महत्व

ज्योतिषीय आधार पर लाल रंग को देखें तो इस रंग से भवन, साहस और पराक्रम के स्वामी मंगल ग्रह भी प्रसन्न रहते हैं। लाल रंग ऊर्जा और शक्ति का प्रतीक है। लाल रंग से होली खेलने से माना जाता है कि स्वास्थ्य और यश में वृद्धि होती है। भूमि से जुड़े कार्य करने वालों को विशेष रूप से लाल रंग होली खेलनी चाहिए।

पीला रंग- यह रंग सौंदर्य और आध्यात्मिक तेज को तो निखरता ही है, साथ ही पीले वस्त्र धारण करने से देव गुरु बृहस्पति भी प्रसन्न होकर अपनी कृपा बरसाते हैं। सोना, चांदी का व्यापार करने वालों को पीले रंग से होली खेलना शुभ माना जाता है।

नारंगी रंग- नारंगी रंग ज्ञान, ऊर्जा, शक्ति, प्रेम और आनंद का प्रतीक है। यह रंग लाल और पीले से मिलकर प्रकट होता है। जीवन में इसके प्रयोग से मंगल और बृहस्पति दोनों ग्रहों की कृपा तो बनी ही रहती है, साथ ही सूर्यदेव की भी असीम कृपा बरसती है। होली में वे लोग इस रंग का इस्तेमाल कर सकते हैं जो ज़िंदगी से निराश हैं और जो डिप्रेशन का शिकार हैं।

नीला रंग- नीला रंग विष को पीकर गले में रोक लेने की क्षमता रखने वाले भगवान शिव के गुण और भाव को प्रदर्शित करता है। यह रंग साफ़-सुथरा पारदर्शी, करुणामय, उच्च विचार होने का सूचक है। वास्तु में यह रंग आसमान और पानी का प्रतिनिधित्व करता है और ये रंग जल्दी ठीक होने और दर्द को कम करने में मदद करता है।

हरा रंग-हरा रंग, समृद्धि, उत्कर्ष, प्रेम, दया, प्रगति, प्रकृति, सुकून, हीलिंग, प्रचुरता, तरक़्क़ी एवं ऊर्जा का प्रतीक है। हरे रंग के प्रयोग से बुध की कृपा बनी रहती है। जिन कपल्स के रिश्ते में मनमुटाव चल रहा हो वो इस रंग का इस्तेमाल कर सकते हैं। व्यापारी, शिक्षक, वकील, विद्यार्थी, लेखक को हरे रंग से होली का त्योहार मनाना चाहिए।

बैंगनी रंग-पर्पल बैंगनी रंग विलासिता, रईसी, आत्मसम्मान और संतुलन का प्रतीक है और यह रंग पवित्रता और मासूमियत को दर्शाता है। ये रंग उन लोगों खासतौर से उन पुरुषों के द्वारा इस्तेमाल किया जा सकता है जो हीनभावना से ग्रसित हों।

प्यार का गुलाबी- गुलाबी रंग प्यार और रोमांस का प्रतीक जीवन में प्यार और रोमांस चाहने वालों को इस रंग से होली खेलनी चाहिए।

8 या 9 अप्रैल कब है चैत्र नवरात्रि?

जानिए तिथि, घटस्थापना मुहूर्त और महत्व

हिंदू धर्म में चैत्र माह का विशेष महत्व होता है। चैत्र माह से नए हिंदू नववर्ष विक्रम संवत आरंभ है और इसी महीने चैत्र नवरात्रि पर देवी दुर्गा की पूजा-आराधना का सबसे बड़ा शक्ति पर्व मनाया जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार एक साल में कुल चार बार नवरात्रि आती है। जिसमें चैत्र और शारदीय नवरात्रि का विशेष महत्व होता है जबकि बाकी दो गुप्त नवरात्रि होते हैं। नवरात्रि की शुरुआत चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से होती है जो नवमी तिथि पर संपन्न होती है। चैत्र नवरात्रि पर देवी दुर्गा के नौ अलग-अलग स्वरूपों की विधि-विधान के साथ पूजा की जाती है। चैत्र नवरात्रि पर मां दुर्गा के भक्त माता को प्रसन्न करने लिए नौ दिनों तक लगातार उपवास, साधना और मंत्रोचार करते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार चैत्र नवरात्रि पर मां दुर्गा की पूजा करने से जीवन से सभी कष्ट दूर होते हैं और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। आइए जानते हैं इस साल चैत्र नवरात्रि कब से शुरू हो रही और शुभ मुहूर्त से लेकर माता के आगमन की सभी महत्वपूर्ण जानकारियां।

चैत्र नवरात्रि 2024 तिथि

हिंदू कैलेंडर के अनुसार इस वर्ष चैत्र माह की प्रतिपदा तिथि 08 अप्रैल 2024 को रात 11 बजकर 50 मिनट से शुरू हो रही है और जिसका समापन 9 अप्रैल को रात 08 30 मिनट पर होगी। हिंदू धर्म में व्रत-त्योहार उदया तिथि के आधार पर मनाई जाती है। इस कारण से चैत्र नवरात्रि 09 अप्रैल से शुरू हो रहे हैं।

चैत्र नवरात्रि 2024 कलश स्थापना शुभ मुहूर्त

चैत्र नवरात्रि पर घट स्थापना जिसे कलश स्थापना भी कहते हैं शुभ मुहूर्त में का विधान होता है। 09 अप्रैल को घटस्थापना का मुहूर्त सुबह 06 बजकर 11 मिनट से प्रारंभ होकर 10 बजकर 23 मिनट तक रहेगा। इसके अलावा अभिजीत मुहूर्त में भी कलश स्थापना होती है। इस दिन अभिजीत मुहूर्त 09 मार्च को दोपहर 12 बजकर 03 मिनट से 12 बजकर मिनट तक रहेगा।

चैत्र नवरात्रि पर शुभ योग

चैत्र नवरात्रि पर 9 दिनों तक देवी शक्ति की उपासना होती है। हिंदी पंचांग के अनुसार इस बार चैत्र नवरात्रि पर बहुत अच्छा शुभ बन रहा है। 09 अप्रैल को अमृतसिद्धि और सर्वार्थ सिद्धि योग दोनों ही साथ पड़ रहे हैं। दोनों ही शुभ योग 09 अप्रैल को सुबह 07 बजकर 32 मिनट से लेकर पूरे दिन तक रहेगा। ज्योतिष में इन योगों को बहुत शुभ माना गया है।

चैत्र नवरात्रि पर माता की सवारी

धर्म शास्त्रों के अनुसार नवरात्रि के शुरू होने पर मां दुर्गा स्वर्गलोक से पृथ्वीलोक पर हैं। नवरात्रि पर मां दुर्गा पृथ्वी पर हर बार किसी न किसी सवारी पर सवार होकर आती हैं। नवरात्रि जिस वार से शुरू होता है उसके अनुसार ही माता का वाहन होता है। इस बार चैत्र नवरात्रि मंगलवार से शुरू हो रही है। ऐसे में माता दुर्गा का वाहन होगा, जिस पर सवार होकर मां आएंगी। मां दुर्गा का घोड़े पर सवार होकर आना सत्ता परिवर्तन और कष्टों में निजात पाने का संकेत है। शास्त्रों में घोड़ें की सवारी पर मां का आगमन शुभ होता है।

चैत्र नवरात्रि कैलेंडर 2024

प्रतिपदा तिथि- 09 अप्रैल 2024 मंगलवार, मां शैलपुत्री कलश स्थापना

द्वितीया तिथि- 10 अप्रैल 2024 बुधवार, मां ब्रह्मचारिणी पूजा

तृतीया तिथि- 11 अप्रैल 2024 गुरुवार, मां चंद्रघंटा पूजा

चतुर्थी तिथि-12 अप्रैल 2024 शुक्रवार, मां कुष्मांडा पूजा

पंचमी तिथि- 13 अप्रैल 2024 शनिवार, मां स्कंदमाता पूजा

षष्ठी तिथि- 14 अप्रैल 2024 रविवार, मां कात्यायनी पूजा

सप्तमी तिथि- 15 2024 सोमवार, मां कालरात्रि पूजा

अष्टमी तिथि - 16 अप्रैल 2024 मंगलवार, मां महागौरी पूजा और दुर्गा महाष्टमी पूजा

नवमी तिथि- 17 अप्रैल 2024 बुधवार, मां सिद्धिदात्री पूजा, महा नवमी और रामनवमी पूजा

दशमी तिथि- 18 अप्रैल 2024 गुरुवार, पारण, दुर्गा विसर्जन

भारत के 10 प्रसिद्ध हनुमान मंदिर और उनका इतिहास जानिए

हनुमान मंदिरों का धार्मिक महत्व अत्यधिक है। ये मंदिर भगवान हनुमान को समर्पित होते हैं, जो हिंदू धर्म में एक प्रमुख देवता माने जाते हैं। हनुमान जी को वानर देवता के रूप में जाना जाता है, जो समर्थ, वीर, और भक्ति भावना के प्रतीक हैं। हनुमान जी को शक्ति के देवता के रूप में पूजा जाता है, और उनके मंदिर में उनकी शक्ति को प्राप्त करने का विशेष महत्व होता है। हनुमान जी को राक्षसों और अन्य असुरों के प्रति रक्षा करने के लिए प्रसिद्ध माना जाता है। इसलिए, उनके मंदिरों में आराधना करने से लोग अपने आसपास की सुरक्षा की आशा करते हैं। भक्ति और सामर्थ्य के प्रतीक के रूप में पूजा जाता है, जिससे उनके भक्त उनके द्वारा प्राप्त बल और सामर्थ्य को प्राप्त करते हैं। हनुमान जी के मंदिर में आराधना करने से लोग आध्यात्मिक अनुभव प्राप्त करते हैं और उनके जीवन में शांति और सुकून का अनुभव होता है। हनुमान जी के मंदिरों का धार्मिक महत्व अत्यधिक होता है और लोग उन्हें श्रद्धा और आदर से संबोधित करते हैं।

संकरमोचन हनुमान मंदिर, वाराणसी: यह मंदिर वाराणसी के लंका गढ़ में स्थित है। माना जाता है कि भगवान राम ने रावण का वध करने के बाद यहाँ हनुमान जी की पूजा की थी। इस मंदिर में हनुमान जी की मूर्ति पंचमुखी है, यानि पांच मुखों वाली है।

बालाजी हनुमान मंदिर, मेहंदीपुर: यह मंदिर राजस्थान के दौसा जिले में स्थित है। यह मंदिर भगवान हनुमान के बाल रूप को समर्पित है। यहाँ हनुमान जी की मूर्ति बाल रूप में है और उन्हें बालाजी के नाम से जाना जाता है।

कष्टभंजन हनुमान मंदिर, सारंगपुर: यह मंदिर मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में स्थित है। यह मंदिर भगवान हनुमान को समर्पित है, जो भक्तों के कष्टों का नाश करते हैं। यहाँ हनुमान जी की मूर्ति वीर रूप में है और उन्हें कष्टभंजन के नाम से जाना जाता है।

श्री हनुमान मंदिर, जामनगर: यह मंदिर गुजरात के जामनगर शहर में स्थित है। यह मंदिर भगवान हनुमान को समर्पित है, जो भगवान राम के सबसे शक्तिशाली योद्धा थे। यहाँ हनुमान जी की मूर्ति विशाल और भव्य है।

पंचमुखी हनुमान मंदिर, हनुमानगढ़: यह मंदिर राजस्थान के हनुमानगढ़ शहर में स्थित है। यह मंदिर भगवान हनुमान के पंचमुखी रूप को समर्पित है। यहाँ हनुमान जी की मूर्ति पांच मुखों वाली है, जो विभिन्न दिशाओं में स्थित हैं।

अंजनी माता मंदिर, चित्रकूट: यह मंदिर मध्य प्रदेश के चित्रकूट शहर में स्थित है। यह मंदिर भगवान हनुमान की माता अंजनी देवी को समर्पित है। यहाँ अंजनी माता की मूर्ति भगवान हनुमान के साथ स्थापित है।

मंकी मंदिर, जयपुर: यह मंदिर राजस्थान के जयपुर शहर में स्थित है। यह मंदिर भगवान हनुमान को समर्पित है। यहाँ हनुमान जी की मूर्ति के साथ-साथ कई बंदर भी रहते हैं, जो इस मंदिर का मुख्य आकर्षण हैं।

हनुमान गढ़ी, अयोध्या: यह मंदिर उत्तर प्रदेश के अयोध्या शहर में स्थित है। यह मंदिर भगवान हनुमान को समर्पित है। यहाँ हनुमान जी की मूर्ति वीर रूप में है और यह मंदिर अयोध्या का एक महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल है।

धौलागिरी हनुमान मंदिर, दिल्ली: यह मंदिर दिल्ली के किशनगंज इलाके में स्थित है। यह मंदिर भगवान हनुमान को समर्पित है। यहाँ हनुमान जी की मूर्ति विशाल और भव्य है और यह मंदिर दिल्ली का एक महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल है।

तुलाधार हनुमान मंदिर, ग्वालियर: यह मंदिर मध्य प्रदेश के ग्वालियर शहर में स्थित है। यह मंदिर भगवान हनुमान को समर्पित है। यहाँ हनुमान जी की मूर्ति विशाल और भव्य है और यह मंदिर ग्वालियर का एक महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल है।

सौभाग्य और विद्या छीन लेती हैं व्यक्ति की ये आदतें, जानें गरुड़ पुराण की खास बातें

गरुड़ पुराण हिन्दू धर्म में एक महत्वपूर्ण पुराण है। यह वेदों के बाद हिन्दू धर्म के प्रमुख ग्रंथों में से एक है। इस पुराण में आध्यात्मिक,धार्मिक,और दार्शनिक ज्ञान दिया गया है। गरुड़ पुराण में भगवान विष्णु और उनके भक्त गरुड़ की वार्तालाप और उपदेश संकलित है।

इस पुराण में धर्म,आध्यात्मिकता,मोक्ष,जीवन के मार्ग,प्राणियों के कर्म और उनके फल के विषय में विस्तार से चर्चा की गई है। इसमें जीवन का रहस्य छिपा हुआ है। गरुड़ पुराण का पाठ किसी की मृत्यु के बाद किया जाता है। माना जाता है कि गरुड़ पुराण के द्वारा ही आत्मा को इस संसार से मुक्ति मिलती है।

हर व्यक्ति को भोगना पड़ता है कर्मों का फल

गरुड़ पुराण को मृत्यु के बाद सद्गति प्रदान करने वाला माना जाता है। इसके देव स्वयं विष्णु माने जाते हैं, इसीलिए यह वैष्णव पुराण है। गरुड़ पुराण के अनुसार व्यक्ति को उसके कर्मों का फल इस जीवन के साथ-साथ मरने के बाद भी भोगना पड़ता है। गरुड़ पुराण में बताया गया है कि मरने के बाद मनुष्य की क्या गति होती है।

गरुड़ पुराण जहां एक तरफ मृत्यु के बाद की स्थितियों और कर्मों के हिसाब से मिलने वाले फल के बारे में बताता है, तो वहीं नीति और नियम सिखाकर लोगों को अच्छाई और धर्म की राह पर चलने के लिए प्रेरित भी करता है।

गरुड़ पुराण में ऐसी तमाम बातें लिखी हैं जिसका पालन करने से व्यक्ति तमाम मुसीबतों से बच सकता है। यह बातें जीवन को आसान बना सकती हैं। गरुड़ पुराण के अनुसार, व्यक्ति की कुछ आदतें उसका सौभाग्य और विद्या छीन लेती हैं और व्यक्ति रोग और शत्रुओं से घिर जाता है।

गरुड़ पुराण की खास बातें

शास्त्रों में माता लक्ष्मी को सौभाग्य और वैभव प्रदान करने वाली देवी माना जाता है। माता लक्ष्मी को साफ-सफाई बहुत पसंद है। ऐसे लोग जो संपन्न होने के बावजूद गंदे वस्त्र पहनते हैं उन्हें माता लक्ष्मी की नाराजगी झेलनी पड़ती है। मां लक्ष्मी ऐसे लोगों का सौभाग्य छीन लेती हैं जो घर में साफ सफाई नहीं रखते हैं और अपने शरीर की सफाई ठीक से नहीं करते हैं। ऐसे लोगों को समाज में भी उन्हें मान-सम्मान नहीं प्राप्त नहीं होता हैं और धीरे-धीरे उनका सारा वैभव नष्ट हो जाता है।

गरुण पुराण के अनुसार अगर कोई व्यक्ति लगातार प्रयास करे तो वो किसी भी कार्य में दक्षता हासिल कर सकता है। वहीं जो अभ्यास छोड़ देते हैं, वो उस विद्या को भी भूल सकते हैं, जिसे सीखने में उन्होंने कड़ी मेहनत की। अभ्यास न करने की आदत लोगों से उनका ज्ञान छीन लेती है।

गरुण पुराण के अनुसार, इस समाज में बुरे लोगों के बीच सुरक्षित रहने के लिए आपको थोड़ा चतुर होना पड़ेगा। समाज में आपका फायदा उठाने वाले तमाम शत्रु बैठे हैं। इसलिए अगर आप चतुरता नहीं दिखाएंगे तो आपकी हानि संभव है। इसलिए शत्रु के अनुसार ही नीति का उपयोग करके उसे नष्ट करने की कला आनी चाहिए।

प्रियंका चोपड़ा ने पति निक जोनस-बेटी मालती मैरी संग किए रामलला के दर्शन

अयोध्या में रामलला के दर्शन करने के लिए रोज लाखों लोग पहुंचे रहे हैं। आज भगवान राम के दर्शन करने के लिए हॉलीवुड और बॉलीवुड नाम कमाने वाली एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा भी पहुंचीं। इस दौरान प्रियंका चोपड़ा के साथ उनके पति निक जोनस और बेटी मालती मैरी भी नजर आईं। इन वायरल हो रही तस्वीरों में प्रियंका चोपड़ा देसी लुक में नजर आईं। लेकिन सबका ध्यान प्रियंका चोपड़ा से ज्यादा निक जोनस ने अपनी खींचा।अयोध्या में रामलला के दर्शन के लिए प्रियंका चोपड़ा साड़ी पहनकर पहुंची थीं। प्रियंका चोपड़ा का देसी लुक आते ही सोशल मीडिया पर छा गया।प्रियंका चोपड़ा का मंदिर पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया। प्रियंका चोपड़ा की ये तस्वीर जमकर वायरल हो रही है।प्रियंका चोपड़ा के साथ उनके पति जोनस भी अयोध्या पहुंचे थे। प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस को साथ देख फैंस खुशी से झूम उठे।प्रियंका चोपड़ा की बेटी मालती मैरी भी मां के साथ रामलला के दर्शन करने पहुंची थीं। मालती मैरी की क्यूटनेस ने फैंस का दिल लूट लिया।प्रियंका चोपड़ा के पति निक जोनस के भरे अंदाज पर लोग फिदा हो गए। निक जोनस की इस तस्वीर को फैंस खूब शेयर कर रहे रहे हैं।प्रियंका चोपड़ा इस वायरल हो रही तस्वीर में अपने बालों को खोले हुए नजर आ रही हैं। प्रियंका चोपड़ा का ये हेयरस्टाइल लोगों को काफी पसंद आ रहा है।प्रियंका चोपड़ा अयोध्या पहुंचकर अपने पूरे परिवार के साथ आशीवार्द लिया। प्रियंका चोपड़ा और उनके परिवार की इस तस्वीर पर यूजर्स खूब कमेंट कर रहे हैं। प्रियंका चोपड़ा के पति निक जोनस का देसी लुक लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींच रहा है। प्रियंका चोपड़ा के इस लुक को देखने के लोग देखते रह गए।अयोध्या पहुंचकर रामलला के दर्शन करने पर सोशल मीडिया यूजर्स प्रियंका चोपड़ा की जमकर तारीफ कर रहे हैं। प्रियंका चोपड़ा की इस तस्वीर पर कमेंट करते हुए यूजर्स जय श्री राम लिख रहे हैं।

शाहिद कपूर ने भरी महफिल में किया विजय देवरकोंडा को किस

ब्रोमांस देख लोग बोले 'दोस्ताना 2' में कास्ट करो

साउथ फिल्म स्टार विजय देवरकोंडा बीते दिनों मुंबई में हुए अमेजन प्राइम वीडियो के ग्रैंड लॉन्च पर पहुंचे थे। जहां विजय देवरकोंडा ने हाल ही में अमेजन प्राइम के इवेंट में हिस्सा लेने पहुंचे।साउथ फिल्म स्टार विजय देवरकोंडा के साथ इस दौरान मंच पर शाहिद कपूर भी मौजूद थे। जो अपनी अपकमिंग वेब सीरीज 'फर्जी 2' के एनाउंसमेंट के लिए यहां पहुंचे थे। मंच पर जैसे ही दोनों सितारे एक साथ नजर आए। तो फिल्म स्टार शाहिद ने विजय देवरकोंडा के साथ खूब मसखरी की। इस दौरान फिल्म स्टार विजय देवरकोंडा को स्टेज पर चूमते नजर आए।

अमेजन प्राइम वीडियो के इस लॉन्चिंग इवेंट में अर्जुन रेड्डी स्टार विजय देवरकोंडा से बात करते हुए कबीर सिंह स्टार शाहिद कपूर ने कहा, 'मुझे तुम्हें बहुत प्यार देना न अर्जुन रेड्डी बनी होती, न ही कबीर सिंह पैदा हुआ होता। थैंक्यू विजय।' इसके बाद वो विजय देवरकोंडा को चूमते दिखे। जिसके बाद सुपरस्टार विजय देवरकोंडा स्टेज पर शरमाते दिखे। इस वीडियो के सामने आते ही इंस्टाग्राम पर लोग जमकर कमेंट्स करते दिखे। एक यूजर ने कमेंट कर 'इन्हें गे रोमांस की मूवी में कास्ट करो।' तो एक यूजर ने यहां तक कह दिया कि इन्हें दोस्ताना 2 में कास्ट करना चाहिए। जबकि, एक यूजर ने कमेंट कर लिखा, 'ये (विजय देवरकोंडा) पिछली साल कितना अकड़ू था। अब कितना डाउन टू अर्थ हो गया। अच्छा है इसके एंटरटेनमेंट न्यूज की दुनिया में शाहिद कपूर और विजय देवरकोंडा का ये वीडियो आते ही छाने लगा। ये वीडियो आप यहां देख सकते हैं।

अवनीत ने ब्रालेस लुक में फ्लॉन्ट किया किलर टैटू

एक्ट्रेस के फिगर पर टिकीं लोगों की निगाहें

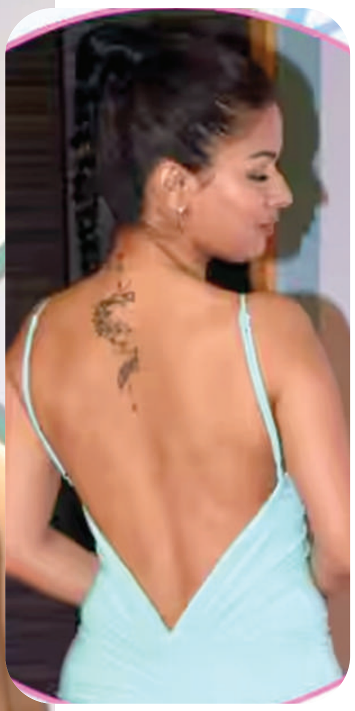

फेमिना मामाअर्थ ब्यूटीफुल इंडियंस 2024 का अभी हाल में आयोजन हुआ था। इस इवेंट में बॉलीवुड के कई स्टार्स नजर आए, लेकिन सबका ध्यान अवनीत कौर ने अपनी तरफ खींच लिया। अवनीत कौर नया लुक सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। अवनीत कौर का ब्रालेस लुक ने लोगों का दिल लूट लिया। अवनीत कौर अपने नए लुक में टैटू फ्लॉन्ट करती हुई दिखाई दीं। अवनीत कौर इस तस्वीर में डीपनेक ड्रेस पहने दिखाई दे रही हैं। अवनीत कौर का ये खूब वायरल हो रहा है।अवनीत कौर इस तस्वीर में नए हेयरस्टाइल में दिखाई दे रही हैं। अवनीत कौर का हेयरस्टाइल को काफी पसंद आ रहा है।अवनीत कौर के फेस पर इस तस्वीर में एक प्यारी की स्माइल पर लोग फिदा हो गए। अवनीत कौर की इस तस्वीर को फैंस शेयर कर रहे हैं।अवनीत कौर इस तस्वीर में पैप्स को फोटोज के लिए पोज देती हुई नजर आ रही हैं। अवनीत कौर के इस अंदाज ने फैंस का दिल लूट लिया।अवनीत कौर इस तस्वीर में बैकलेस ड्रेस में अपना धांसू टैटू फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं। अवनीत का टैटू देखने के बाद लोग देखते रह गए।अवनीत कौर अपने नए ब्रालेस लुक में बेहद हसीन लग रही हैं। अवनीत कौर का ये लुक आते ही सोशल मीडिया पर छा गया।अवनीत कौर का कर्वी फिगर लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींच रहा है। अवनीत कौर की इस तस्वीर सोशल मीडिया यूजर्स जमकर कमेंट कर रहे हैं।

नई रूही की बोल्डनेस देख प्रतीक्षा होनमुखे को भूले फैंस

बिकिनी में दिया किलर पोज

टीवी सीरियल ये रिश्ता क्या कहलाता है में गर्विता साधवानी की एंट्री हो गई है। इस सीरियल में गर्विता को प्रतीक्षा होनमुखे की जगह कास्ट किया गया है। मेकर्स ने 18 मार्च को एक झटके में प्रतीक्षा को शो से बाहर किया और रूही की गर्विता साधवानी को कास्ट कर लिया। हालांकि, फैंस एक्ट्रेस को रूही के रोल में पसंद कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर गर्विता की तारीफ हो रही है, लेकिन आज हम आपको एक्ट्रेस की बोल्ड फोटोज दिखाने वाले हैं। गर्विता ने कई बार इंटरनेट पर अपनी बोल्ड फोटोज से आग हैं। गर्विता साधवानी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और एक्ट्रेस का इंस्टाग्राम बोल्ड फोटोज से भरा हुआ है, जिसमें ये पिंक बिकिनी टॉप वाली फोटोज हर किसी का ध्यान खींच रही हैं। फैंस को ये लुक काफी बोल्ड लगा। इन तस्वीरों में गर्विता साधवानी ने पिंक कलर का टॉप के साथ डेनिम कैरी की है, जिसके साथ एक्ट्रेस ने एक से एक सिजलिंग पोज दिए हैं। एक्ट्रेस ने अपने फोटोशूट को थोड़ा डार्क रखा है।इस फोटो में गर्विता साधवानी के बिकिनी टॉप के साथ डेनिम जैकट भी साफ नजर आ रही है, जिसे एक्ट्रेस ने सिर्फ हाथों डाल रखा है। इस फोटो में भी एक्ट्रेस के एक्सप्रेशन कमाल के हैं। गर्विता साधवानी ने इस लुक में अपना एक वीडियो भी शेयर किया है, जिसमें वह काफी हसीन लग रही हैं। इस वीडियो में एक्ट्रेस अपने हाथ में फूलों को पकड़े मुस्कुरा रही हैं।गर्विता साधवानी की ये इंटरनेट पर तहलका मचा चुकी हैं। फैंस का इन फोटोज से नजरें हटाना काफी मुश्किल हो रहा है। हर कोई एक्ट्रेस के बारे में ज्यादा से ज्यादा जान रहे हैं।गर्विता साधवानी ने इस फोटोशूट में अपनी एक ब्लक इमेज भी क्लिक करवाई, जिसमें वह अपना चेहरा हिलाती हुई दिख हैं।

जाह्नवी कपूर ने शुरू की राम चरण की मूवी

मिनटों में वायरल हुईं पूजा सरेमनी की फोटोज

साउथ सुपरस्टार राम चरण और अदाकारा जाह्नवी की अपकमिंग मूवी 'आरसी 16' चर्चा में हैं। सुपरस्टार राम चरण की ये मूवी अब फ्लोर पर पहुंच गई है। जिसकी आज हैदराबाद में पूजा सेरेमनी रखी गई। अदाकारा जाह्नवी कपूर इस दौरान यहां खूबसूरत साड़ी में देसी गर्ल का लुक लेकर पहुंची थीं। जबकि, सुपरस्टार राम चरण अपनी गेम चेंजर के ही लुक में नजर आए। दोनों सितारों की इस अपकमिंग फिल्म का कुछ दिनों पहले ही ऐलान किया गया था। अब इस फिल्म की शूटिंग भी मेकर्स ने शुरू कर दी है। यहां देखें सामने आए जाह्नवी कपूर और राम चरण की तस्वीरें और वीडियोज।

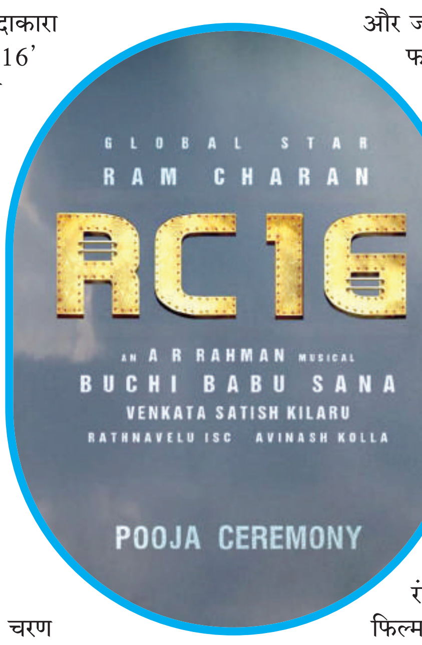

फ्लोर पहुंची आरसी 16

बता दें कि अभी तक मेकर्स ने राम चरण और जाह्नवी कपूर स्टारर इस फिल्म का नाम फाइनल नहीं किया है। इस मूवी को फिलहाल आरसी 16 कहकर ही पुकारा जा रहा है। यानी सुपरस्टार राम चरण के करियर की 16वीं फिल्म। राम चरण और जाह्नवी की इस फिल्म को लेकर फैंस का उत्साह पहले से ही सांतवे आसमान पर है। सुपरस्टार राम चरण की इस मूवी का निर्देशन बुची बाबू साना कर रहे हैं। जो साल 2021 में अपनी सुपरहिट मूवी 'उपेन्ना' से बतौर निर्देशक करियर की शुरुआत कर चुके हैं। इस मूवी को ने खासा पसंद किया था। इससे पहले निर्देशक बुची बाबू साना ने सुकुमार के साथ राम चरण की ही सुपरहिट मूवी रंगास्थलम में भी काम किया था। वो इस फिल्म के लेखक थे।

नम्रता मल्ला ने बिकिनी पहन पानी में की अठखेलियां

इंडस्ट्री की सबसे बोल्ड हसीना नम्रता मल्ला अपने बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं। नम्रता मल्ला अपने बोल्ड अंदाज से फैंस के दिलों पर कहर बरपा देती हैं। नम्रता मल्ला की तस्वीरें इंटरनेट पर जमकर वायरल होती हैं। इस बीच नम्रता मल्ला ने पानी में आग लगा दी इस बीच भोजपुरी की क्वीन नम्रता मल्ला की कुछ तस्वीरें सामने आई हैं, जो कि हर तरफ आग की तरह फैल रही हैं। भोजपुरी एक्ट्रेस नम्रता मल्ला ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट को अपडेट करते हुए कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वो बेहद हसीन लग रही हैं।सामने आई इन में भोजपुरी एक्ट्रेस नम्रता मल्ला बिकिनी में नजर आ रही हैं। नम्रता मल्ला का ये लुक देख फैंस पानी-पानी हो गए हैं।भोजपुरी अदाकारा नम्रता मल्ला ने अपने बोल्ड लुक से पानी में आग लगा दिया है। भोजपुरी एक्ट्रेस नम्रता मल्ला की हर अदा पर लोग फिदा हो गए हैं। फोटोज में भोजपुरी की क्वीन नम्रता मल्ला ने स्विमिंग पूल में जमकर मस्ती है। भोजपुरी एक्ट्रेस नम्रता मल्ला ने अपने अंदाज से सभी को घायल कर दिया है।भोजपुरी की सबसे बोल्ड एक्ट्रेस नम्रता मल्ला की इन तस्वीरों पर लोग जमकर रिएक्ट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'नम्रता भोजपुरी की सबसे खूबसूरत एक्ट्रेस है।' दूसरे ने लिखा, 'आपके जैसा कोई और नहीं।' बोल्डनेस में सबको मात देने वाली एक्ट्रेस नम्रता मल्ला के आगे सभी एक्ट्रेसेस पानी भरती हैं। कई लोगों का ये मानना है कि नम्रता मल्ला, उर्फी जावेद से भी ज्यादा बोल्ड हैं।नम्रता मल्ला सोशल मीडिया काफी एक्टिव रहती हैं। भोजपुरी एक्ट्रेस नम्रता मल्ला अपनी तस्वीरें और वीडियोज शेयर कर फैंस को विजुअल ट्रीट देती रहती हैं।भोजपुरी एक्ट्रेस नम्रता मल्ला की तुलना लोग बॉलीवुड की हसीना सनी लियोनी से करते हैं। बताते चलें कि नम्रता मल्ला की फैन फॉलोइंग भी काफी अच्छी है। उन्हें इंस्टाग्राम 2.6 मिलियन लोग फॉलो करते हैं।

पेरिस ओलंपिक के अंतिम क्वालीफिकेशन के लिए चुनी गई भारतीय टीम, श्रेयसी–मिराज शामिल

नई दिल्ली,20 मार्च (एजेंसियां) ।

पेरिस ओलंपिक को होने में अब ज्यादा समय नहीं बचा है और सभी देशों के एथलीट इसके लिए तैयारियों में जुट गए हैं। भारत की नजरें भी ओलंपिक में बेहतर प्रदर्शन करने पर टिकी हैं। पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफिकेशन का दौर अंतिम चरण में पहुंच चुका है। इसी की तहत भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने 12 सदस्यीय शॉटगन टीम की घोषणा की है। पेरिस ओलंपिक के लिए अंतिम क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट दोहा में 19 से 29 अप्रैल तक होगा। भारतीय टीम में राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता श्रेयसी सिंह और अनुभवी निशानेबाज मिराज अहमद खान तथा विश्व कप विजेता गनेमत शेखों को भी शामिल किया गया है।

दोहा में होने वाले अंतिम क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट में चार ओलंपिक कोटा दांव पर लगे हैं। इसमें पुरुष और महिला ट्रैप तथा स्कीट के लिए एक-एक कोटा होंगे। पहले ही ओलंपिक कोटा प्राप्त कर चुके निशानेबाजों को इस टूर्नामेंट से बाहर रखा गया है। पृथ्वीराज टोंडाईमान और विवान कपूर पुरुष ट्रैप टीम में शामिल हैं, जबकि महिला ट्रैप टीम में श्रेयसी और मनीषा केर को जगह मिली है। मिराज और शिराज शेख पुरुष स्कीट टीम में हैं। इनके अलावा गनेमत और महेश्वरी चौहान महिला स्कीट टीम में शामिल हैं।

तकनीकी ट्रेनिंग कैंप आयोजित किया गया

ओलंपिक शॉटगन संभावितों के लिए नई दिल्ली में तकनीकी ट्रेनिंग कैंप आयोजित किया गया है। दोहा रवाना से पहले इस कैंप में ट्रैप और स्कीट टीम के निशानेबाज भी तैयारियों के लिए शामिल होंगे।

अबतक 19 कोटा हासिल कर चुका है भारत

भारत ने इस साल जुलाई-अगस्त में होने वाले पेरिस ओलंपिक के लिए अबतक 19 कोटा हासिल कर चुके हैं। शॉटगन टीम ने इसमें से सबसे ज्यादा चार ओलंपिक हासिल किए हैं। भारत ने टोक्यो ओलंपिक में कुल सात पदक जीते थे और इस बार उसकी कोशिश इस प्रदर्शन से आगे निकलने की होगी।

न्यूज़ ब्रीफ

धोनी के संन्यास के बाद इस कारण मेरा प्रदर्शन नीचे आया : कुलदीप

मुम्बई । हाल में इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में शानदार गेंदबाजी करने वाले स्पिनर कुलदीप यादव ने कहा है कि पूर्व कप्तानी महेन्द्र सिंह धोनी के संन्यास के बाद कुछ समय तक मेरी गेंदबाजी प्रभावित हुई। कुलदीप ने कहा कि धोनी गेंदबाजों से बात करने के साथ ही उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए सलाह भी देते थे। ऐसे में विकेट लेना आसान होता था। वहीं उनके भारतीय टीम में नहीं होने से प्रदर्शन में गिरावट आना स्वाभाविक था। कुलदीप ने कहा कि धोनी के संन्यास लेने के बाद उन्हें स्वयं से ही विकेट लेने की रणनीति बनाने में कुछ समय लगा। इसलिए मैं चाहता था कि वह अधिक खेले क्योंकि जब हम गेंदबाजी कर रहे थे तो यह हमारे लिए बहुत आसान था। धोनी के संन्यास लेने के बाद गेंद से मेरा प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। ऐसा तब होता है जब कोई व्यक्ति आपका मार्गदर्शन करता है पर जब वह व्यक्ति आपके ऊपर नहीं होता तब अचानक सब कुछ आपके कंधों पर आ जाता है। ऐसे में आपको स्थिति पर प्रतिक्रिया करने में समय लगता है। इसी कारण बीच के समय में उनका प्रदर्शन नीचे आया था। इसके बाद धीरे-धीरे आप समझ जाते हैं और आत्मनिर्भर बन जाते हैं। कुलदीप ने कहा कि मैं और यजुवेन्द्र चहल जब गेंदबाजी करते थे तो धोनी हुत सारे टिप्स देते थे। जब मैं गेंदबाजी कर रहा होता था तो मुझे ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं पड़ती थी। मैं गेंदबाजी करता था और वह फील्डिंग जमा देते थे। इसमें कोई संदेह नहीं कि मैंने उनके साथ जो समय बिताया वह बहुत अच्छा था। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में कुलदीप को अच्छी बल्लेबाजी करते भी देखा गया। इस पर उन्होंने कहा कि मुझसे कहा गया था कि मेरे पास बल्लेबाजी का काफी कौशल है पर मुझ पर कोई दबाव नहीं डाला कि मुझे रन बनाने ही होंगे। अगर मैं अहम हालातों परिस्थितियों में टीम के लिए योगदान दे सकता हूं, खासकर टेस्ट क्रिकेट में तो इससे टीम को ही लाभ होगा ।

हसरंगा संन्यास से वापसी करते ही दो मैचों से निलंबित हुए

ढ़ाका । श्रीलंकाई स्पिनर वानिंदु हसरंगा संन्यास से वापसी के बाद भी अगले दो मैच नहीं खेल पायेंगे।

इसका कारण ये है कि उन्हें अंपायर ने खराब व्यवहार के लिए निलंबित कर दिया है। हसरंगा को श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने टीम की गेंदबाजी बेहतर करने के लिए संन्यास से वापसी के बाद तत्काल टीम में शामिल किया था पर उनके निलंबित होने से उसे झटका लगा है। अंपायर ने इस क्रिकेटर को दो मैचों से निलंबित कर दिया है। श्रीलंका को मेजबान बांग्लादेश के हाथों एकदिवसीय सीरीज में 2-1 से हार का सामना करना पड़ा है। श्रीलंका ने इस हार के बाद टेस्ट टीम के लिए इस स्पिनर को शामिल किया। इस क्रिकेटर ने हाल ही में सीमित ओवरों के क्रिकेट पर ध्यान देने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी। हसरंगा पर बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मैच में अंपायर से बदतमीजी करने के आरोप में आधी मैच फीस काट ली गई और तीन नकारात्मक अंक दिया गया। इस तरह हसरंगा के एक साल के भीतर 8 नकारात्मक अंक हो गए। आईसीसी के नियम के मुताबिक अगर किसी खिलाड़ी के एक साल के भीतर 8 नकारात्मक अंक हो जाते हैं तो वह स्वयं ही 2 टेस्ट या 4 एकदिवसीय या 4 टी20 मैच के लिए निलंबित हो जाता है।

आईपीएल के बाद काउंटी क्रिकेट खेलेंगे उनादकट

होव । पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट अब फिर इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेलते नजर आयेंगे। उनादकट इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भाग लेने के बाद ससेक्स काउंटी टीम की तरफ से अंतिम पांच मैचों की सीरीज खेलेंगे। उनादकट ने भारतीय टीम की ओर से चार टेस्ट मैच खेले हैं। इस गेंदबाज ने पिछले सत्र में ससेक्स की तरफ से काउंटी चैंपियनशिप के चार मैचों में 11 विकेट लिए थे। तब उनकी टीम डिवीजन दो में तीसरे स्थान पर रही थी। उनादकट ने भारतीय टीम की ओर से अपना अंतिम टेस्ट मैच पिछले साल वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला था। सौराष्ट्र ने 2019-20 में उनादकट की कप्तानी में ही रणजी खिताब जीता था। वहीं पिछले काउंटी सत्र में उनादकट ने लीस्टरशर के खिलाफ दूसरी पारी में 6 विकेट लेकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उनका लक्ष्य इस बार भी उसी प्रदर्शन को दोहराना रहेगा। उनादकट ने अपने एक बयान में कहा, 'पिछले सत्र में होव में हमने लीस्टरशर के खिलाफ अंतिम दिन रोमांचक मुकाबले में जीत हासिल की थी। तब पहले सत्र में मेरा प्रदर्शन अच्छा रहा था और मैं अब एक बार फिर से अपनी काउंटी टीम से जुड़ने को लेकर उत्साहित हूं।

इस वजह से हुई थी सबालेंका के बॉयफ्रेंड की मौत, पुलिस ने किया बड़ा खुलासा

मियामी,20 मार्च (एजेंसियां) ।

मियामी पुलिस ने कहा कि पूर्व एनएचएल आइस हॉकी खिलाड़ी और टेनिस स्टार अरीना सबालेंका के बॉयफ्रेंड कॉन्स्टेंटिन कोल्तसोव की मौत एक स्पष्ट आत्महत्या है। पुलिस प्रवक्ता आर्गेमिस कोलोम ने जानकारी देते हुए कहा कि स्थानीय समयानुसार देर रात 12 बजकर 39 मिनट पर सेंट रेजिस बाल हार्बर रिजॉर्ट में एक व्यक्ति के बालकनी से कूदने के मामले में पुलिस को जानकारी दी गई। मियामी पुलिस विभाग, होमिसाइड ब्यूरो तुरंत वहां पहुंचे और अब आत्महत्या के एंगल से की जा रही है। किसी तरह के षड्यंत्र की आशंका नहीं है।

दो बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन बेलारूस की सबालेंका इस सप्ताह के आखिर में मियामी ओपन में हिस्सा लेंगी। अभी इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि 2023 में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतने वाली और इस साल की शुरुआत में मेलबर्न ओपन का खिताब बरकरार रखने वाली 25 साल की यह खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में बनी रहेंगी या टूर्नामेंट से हट जाएंगी।

कोल्तसोव बेलारूस टीम के पूर्व आइस हॉकी खिलाड़ी हैं। उनका करीब 18 साल का करियर रहा था। वह नेशनल हॉकी लीग में पीट्सबर्ग पेंग्विन्स के लिए तीन सीजन खेल चुके हैं। वह 2002 से 2006 तक इस टीम का हिस्सा रहे थे। इसके साथ ही 2002 और 2010 में विंटर ओलंपिक में बेलारूस टीम का प्रतिनिधित्व भी कर चुके हैं। बेलारूस हॉकी महासंघ ने कहा कि कोल्तसोव के निधन की पुष्टि बेलारूस हॉकी महासंघ ने की थी। महासंघ ने अपनी वेबसाइट पर कहा- हम शोक में हैं।

बेलारूसी हॉकी महासंघ ने लिखा- संघ परिवार, दोस्तों और उन सभी के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता है जो कोल्तसोव को जानते थे और उनके साथ काम करते थे। कोल्तसोव ने अपने खेल करियर में एनएचएल में पिट्सबर्ग पेंगुइन के साथ भी काम किया था, जहां उन्होंने 2003 और 2006 के बीच 144 मैच खेले थे। टीम ने एक बयान में कहा- पेंगुइन पूर्व पेंगुइन फारवर्ड कोल्तसोव के परिवार और दोस्तों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता है।

वह दो विंटर ओलंपिक खेलों के साथ-साथ ही नौ विश्व चैंपियनशिप में बेलारूस के लिए खेल चुके हैं। उनकी पहली पत्नी जूलिया के साथ उनके तीन बच्चे थे। अपनी पहली पत्नी को उन्होंने सबालेंका के साथ रिलेशनशिप शुरू करने से पहले 2020 में तलाक दे दिया था। 2016 में अपने प्रोफेशनल करियर को खत्म करने के बाद उन्होंने कई टीमों के लिए कोचिंग भी की।

हाल फिलहाल में वह कोन्टिनेंटल हॉकी लीग में सलावात यूलाएव उफा टीम के असिस्टेंट कोच भी रही थे। 2022 से 2024 तक उन्होंने इस पद को संभाला था।

हालांकि, अब तक यह पता नहीं चल सका है कि कोल्तसोव औपर सबालेंका के बीच रिलेशनशिप कैसे शुरू हुआ था, लेकिन दोनों 2021 से साथ हैं। दोनों ने जून 2021 में अपने रिलेशनशिप को पब्लिक कर दिया था। दोनों सोशल मीडिया पर एक दूसरे के साथ रोमांटिक तस्वीरें शेयर करते रहते थे। कोल्तसोव सबालेंका से 17 साल बड़े थे।

कोल्तसोव की कोचिंग में खेल चुकी सलावात यूलाएव टीम ने एक स्टेटमेंट जारी किया था और उन्होंने अपने पूर्व कोच को श्रद्धांजलि दी थी। टीम का कहना था कि वह इस खबर से चौंक गए हैं। साथ ही इस मुश्किल घड़ी में उनके दोस्तों और परिवार वालों के साथ हैं।

टी20 विश्व कप के लिए संन्यास से वापसी कर सकते हैं इमाद वसीम

लाहौर,20 मार्च ।

पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में शानदार प्रदर्शन कर रहे पाकिस्तान के क्रिकेटर इमाद वसीम जून में अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी20 विश्वकप को देखते हुए संन्यास से वापसी कर सकते हैं। ऐसे में इमाद को टी20 विश्व कप के लिए टीम में जगह मिल सकती है। इमाद ने पीएसएल में इस्लामाबाद यूनाइटेड को तीसरा पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। इमाद से पीएसएल में बेहतरीन ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए जमकर रन बनाने के साथ ही काफी विकेट भी लिए हैं। टी20 विश्व कप के दौरान पाकिस्तान की टीम को उनके जैसे ऑलराउंडरों की जरुरत है। इमाद ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से पहले ही संन्यास ले लिया था। पाकिस्तान के टेस्ट कप्तान शादाब खान भी चाहते हैं कि इमाद टी20 विश्व कप के लिए वापसी करें। उनका मानना है कि विश्वकप में टीमों को जिन हालातों का सामना करना पड़ेगा वे उनकी गेंदबाजी की शैली के अनुरूप ही होंगी। शादाब ने कहा, मैं चाहता हूं, वास्तव में जब इमाद ने संन्यास का फैसला किया था तो मैंने उनसे बात भी की थी कि मैं नहीं चाहता कि वह जाएं क्योंकि पाकिस्तान को उनके जैसे खिलाड़ियों की जरूरत है। मुझे उम्मीद है कि वह वापस आएगा क्योंकि विश्व कप नजदीक आ रहा है और जिस तरह से वह प्रदर्शन कर रहा है और कैरेबियन प्रीमियर लीग में उसका अनुभव है वह पाकिस्तान के काम आयेगा। इमाद ने टी20 विश्व कप के 2021 संस्करण में छह मैचों में चार विकेट लिए जिसमें दुबई में अफगानिस्तान के खिलाफ 2/25 का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था पर ऑस्ट्रेलिया में टी20 टूर्नामेंट के लिए उन्हें शामिल नहीं किया गया था। तब चयनकर्ताओं ने मोहम्मद नवाज और शादाब को अवसर दिया था। पिछले साल अप्रैल में रावलपिंडी में न्यूजीलैंड के खिलाफ दो विकेट लेने के बाद से इमाद ने पाकिस्तान के लिए कोई टी20 मैच नहीं खेला है ।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

नारी शक्ति की...

उस समय कई इलाकों में हिंदूवादी संगठनों ने यात्रा निकाली थी। इन यात्राओं में नूपुर शर्मा शामिल हुई थीं। सोशल मीडिया पर नूपुर शर्मा अन्य किसी भी बड़े नेता का समानान्तर चर्चित नाम है। भाजपा के कई वरिष्ठ नेता प्रियंका गांधी की कारगर काट के लिए नूपुर शर्मा को बेहतर मानते हैं। उत्तर प्रदेश कांग्रेस ने प्रियंका गांधी वाड्रा को रायबरेली सीट से चुनाव लड़ाने का प्रस्ताव पार्टी की केंद्रीय इकाई से किया है। प्रदेश कांग्रेस का मानना है कि प्रियंका गांधी के चुनाव में उतरने से कांग्रेस को यूपी में मजबूती मिल सकती है। माना जा रहा है कि प्रियंका को मात देने के लिए भाजपा भी हाई प्रोफाइल नेता को टिकट देकर उन्हें कड़ी टक्कर देने की कोशिश करेगी। ऐसे में पार्टी नूपुर शर्मा को रायबरेली से चुनाव मैदान में उतारकर प्रियंका गांधी की राह कठिन करने का काम कर सकती है।

नूपुर शर्मा, भाजपा की उन नेताओं में रहीं जो पार्टी की बात मजबूती के साथ मीडिया के सामने रखती थीं। वो दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के खिलाफ चुनाव भी लड़ चुकी हैं। रायबरेली सीट से नूपुर शर्मा के चुनावी रण में आने को लेकर अभी चर्चाएं चल रही हैं। भाजपा की ओर से आधिकारिक तौर पर कुछ भी नहीं कहा गया है। नुपूर शर्मा को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा सरगर्म है।

भारत की युवा...

उसकी बाल वाटिका के रूप में हमने अटल टिंकरिंग लैब शुरू की। भारत की स्टार्टअप क्रांति का नेतृत्व आज देश के छोटे शहरों के युवा कर रहे हैं। पिछले दशक में भारत ने आईटी और सॉफ्टवेयर की दुनिया में ऊंची छलांग लगाई और अब हम देख रहे हैं कि भारत इनोवेशन और स्टार्टअप संस्कृति विकसित करने के मामले में तेजी से बढ़ रहा है।

स्टार्टअप महाकुंभ में अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा, स्टार्टअप लॉन्च तो बहुत लोग करते हैं, राजनीति में तो ये बहुत ज्यादा होता है और बार बार लॉन्च करना पड़ता है। आप में और उनमें फर्क ये है कि आप लोग प्रयोगशील होते हैं, अगर एक लॉन्च नहीं हुआ तो तुरंत दूसरे पर चले जाते हैं। आज जब देश 2047 के विकसित भारत के रोडमैप पर काम कर रहा है, ऐसे समय में मुझे लगता है कि इस स्टार्टअप महाकुंभ का बहुत महत्व है। बीते दशकों में हमने देखा है कि भारत ने कैसे आईटी और सॉफ्टवेयर सेक्टर में अपनी छाप छोड़ी है। अब हम भारत में इनोवेशन और स्टार्टअप कल्चर का ट्रेंड लगातार बढ़ता हुआ देख रहे हैं। भारत आज अगर ग्लोबल स्टार्ट अप स्पेस के लिए नई उम्मीद, नई ताकत बनकर उभरा है, तो इसके पीछे एक सोचा समझा विजन रहा है। भारत ने सही समय पर सही निर्णय लिए हैं। सही समय पर स्टार्टअप्स को लेकर काम शुरू किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, स्टार्टअप महाकुंभ भारत की अभिनव प्रतिभा, कैन डू स्पिरिट और प्रभाव करने की प्रबल इच्छा शक्ति का एक प्रतीक है। 21वीं सदी स्टार्टअप की सदी है और स्टार्टअप इसे भारत की सदी बनाएंगे, ये मेरा पक्का विश्वास है।

वोटरों को...

उल्लंघन बताया गया है। याचिका में चुनाव आयोग को ऐसे राजनीतिक दलों का चुनाव चिह्न को जब्त करने और पंजीकरण रद्द करने का निर्देश देने की मांग की गई है, जिन्होंने सार्वजनिक धन से तर्कहीन मुफ्त उपहार वितरित करने का वादा किया। याचिका में दावा किया गया है कि राजनीतिक दल गलत लाभ के लिए मनमाने ढंग से या तर्कहीन उपहार का वादा करते हैं और मतदाताओं को अपने पक्ष में लुभाते हैं, जो रिश्वत और अनुचित प्रभाव के समान है।

याचिका में कहा गया है कि मतदाताओं से राजनीतिक लाभ लेने के लोकलुभावन उपायों पर पूर्ण प्रतिबंध लगना चाहिए क्योंकि वे संविधान का उल्लंघन करते हैं और चुनाव आयोग को इससे सख्ती से निपटना चाहिए। साथ ही अदालत से यह घोषित करने का भी आग्रह किया कि चुनाव से ऐसा करना चुनाव प्रक्रिया की पवित्रता को दूषित करता है।

तेलंगाना की पूर्व...

तत्काल प्रभाव से अपना इस्तीफा दे दिया है। इस्तीफा भारत की माननीय राष्ट्रपति को भेज दिया गया है। अपने इस्तीफे के ऐलान के कुछ देर बाद उन्होंने कहा था कि उनके ऊपर ऐसा करने का कोई दबाव नहीं था। अब वह जनसेवा करना चाहती हैं। उन्होंने कहा था कि राज्यपाल के रूप में उन्होंने अपने कार्यकाल का आनंद लिया है। इस दौरान जब उनसे पूछा गया था कि उनका अगला कदम क्या होगा और क्या वह आगामी लोकसभा चुनाव लड़ेंगी? इस पर उन्होंने कहा था कि वह अपनी योजनाओं के बारे में बाद में बताएंगी।

गौरतलब है तमिलिसाई सुंदरराजन को नवंबर 2019 में तेलंगाना का राज्यपाल नियुक्त किया गया था। इसके बाद उन्हें फरवरी 2021 में पुडुचेरी के उपराज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार दिया गया था। चर्चा है कि तमिलिसाई सुंदरराजन इस बार भाजपा के टिकट पर तमिलनाडु से चुनाव लड़ सकती हैं। बताया जा रहा है कि भाजपा उन्हें डीएमके नेता कनिमोझी के खिलाफ भी उतार सकती है। 2019 के चुनाव में सुंदरराजन ने चुनाव लड़ा था। हालांकि, उन्हें कनिमोझी के खिलाफ ही हार का सामना करना पड़ा। वहीं, 2009 में वे चेन्नई (उत्तर) सीट से प्रत्याशी रही थीं। हालांकि, यहां उन्हें डीएमके के टीकेएस एलंगोवन से हार का सामना करना पड़ा था।

63 साल की सुंदरराजन पेशे से डॉक्टर हैं। उनके पति, सुंदरराजन भी डॉक्टर हैं। उनका जन्म दो जून 1961 में तमिलनाडु के कन्याकुमारी जिले में हुआ था। तमिलिसाई सौंदरराजन ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत मद्रास मेडिकल कॉलेज में बतौर छात्र नेता के रूप में की थी। उन्होंने एथिराज कॉलेज ऑफ वूमन से भी पढ़ाई की। उन्होंने चेन्नई के रामचंद्र मेडिकल कॉलेज में बतौर सहायक प्रोफेसर काम किया है। उनके दो बच्चे हैं, जो पेशे से डॉक्टर हैं।सुंदरराजन के पिता के अनंतन पूर्व सांसद और तमिलनाडु में कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं। वहीं उनके चचेरे भाई अभिनेता और व्यवसायी से राज-नेता बने विजय वसंत हैं। टी सुंदरराजन तमिलनाडु के नडार समुदाय से आती हैं। नडार समुदाय कन्याकुमारी, थूथुकुडी, तिरुनेलवेली और विरुधुनगर जिलों में प्रभावी स्थिति में है। तमिलनाडु और भारत दोनों की सरकारों द्वारा नडार कम्युनिटी को अन्य पिछड़ा वर्ग के रूप में वर्गीकृत और सूचीबद्ध किया गया है।

लोकतांत्रिक प्रक्रिया...

19 अप्रैल से सात चरणों में मतदान होगा। नतीजे चार जून को घोषित किए जाएंगे। 96.8 करोड़ पंजीकृत मतदाताओं, 1.5 करोड़ चुनाव अधिकारियों और 12 लाख मतदान केंद्रों के साथ भारत का आगामी लोकसभा चुनाव आवाजाही के लिहाज से इस ग्रह का सबसे बड़ा निर्वाचन अभियान होगा।

प्रमोशन में आरक्षण...

झारखंड सरकार का 31 मार्च 2003 का संकल्प गलत है क्योंकि इसमें सुप्रीम कोर्ट के एम. नागराज जजमेंट एवं जरनैल सिंह जजमेंट में जो गाइडलाइन दिया गया था उसका पालन नहीं किया गया है।

अदालत ने 2003 से लंबित इस याचिका को मंगलवार को निष्पादित कर दिया।अपने फैसले में अदालत ने कहा है कि झारखंड सरकार का 31 मार्च 2003 का संकल्प अब प्रभावी नहीं होगा। जब तक नियमावली, गाइडलाइन, एग्जिक्यूटिव इंस्ट्रक्शन सुप्रीम कोर्ट के जजमेंट एम. नागराज एवं जनरैल सिंह जजमेंट 1 और 2 के आलोक में नहीं लाए जाते। वर्ष 2003 में राज्य सरकार ने सड़क निर्माण विभाग में पदस्थापित एसटी-एसटी कैटगरी के जूनियर इंजीनियर को असिस्टेंट इंजीनियर के पद पर प्रमोशन दिया था। जबकि सामान्य जाति को इसका लाभ नहीं मिला था। सरकार के इस आरक्षण -प्रमोशन के विरोध में झारखंड हाई कोर्ट में रघुवंश प्रसाद सिंह, जय किशोर दत्ता, गणेश प्रसाद समेत 37 से अधिक लोगों ने अगल-अलग समय में रिट याचिका दाखिल की थी।

पीएम मोदी ने ...

रूस-यूक्रेन संघर्ष पर चर्चा करते हुए, पीएम मोदी ने आगे बढ़ने के रास्ते के रूप में बातचीत और कूटनीति का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत संवाद और कूटनीति के पक्ष में भारत की परंपरागत और निरंतर स्थिति को दोहराया। दोनों नेताओं के बीच आपसी सम्पर्क बनाए रखने पर भी सहमति बनी।

मोबाइल टावरों से ...

और इंटरनेट सेवाओं का उपयोग करने में परेशानी हो रही थी। शाखा में तैनात इंस्पेक्टर शिवराज सिंह बिष्ट की देखरेख में एसआई रविंदर कुमार, देवेंद्र कुमार और सिमरजीत कौर की टीम ने जांच शुरू की। टीम ने गिरोह के सरगनाओं की पहचान नाजिम और सलमान के रूप में की। पता लगा कि ये विभिन्न राज्यों के विभिन्न व्यक्तियों से चोरी की आरआरयू/बीबीयू खरीदते थे और उन्हें रोहिणी, दिल्ली में स्थित अपने गोदाम में छिपाते थे।

इसके बाद वे इन वस्तुओं को अन्य व्यक्तियों को ऊंचे दामों पर बेच देते थे।इसके बाद इंस्पेक्टर शिवराज बिष्ट की टीम ने सनी राजपूत और सलमान को उस समय गिरफ्तार कर लिया जब वह चोरी का सामान बेचने के लिए उत्तम नगर पहुंचे थे। आरोपी सलमान की निशानदेही पर टीम ने कबाड़ी की दुकान के मालिक नाजिम को पकड़ने के लिए छापेमारी की और उसे मुज्फर नगर, यूपी से गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी नाजिम ने खुलासा किया कि वह चोरी की गई आरआरयू/बीबीयू को नदीम और इज़हार और उसके भाई मोहम्मद नईम को बेचता था। आरोपी नाजिम की निशानदेही पर मोहम्मद नईम को मुस्तफाबाद से गिरफ्तार कर लिया गया।आरोपियों ने खुलासा किया कि पहले वे उत्तर भारत के विभिन्न क्षेत्रों में मोबाइल टावरों की स्थापना के लिए निजी मजदूरों के रूप में काम करते थे, इसलिए उन्हें आरआरयू की स्थापना/हटाने का अच्छा ज्ञान था।

गिरफ्तार लुटेरों में रोहिणी निवासी नाजिम, सागरपुर निवासी सनी राजपूत, मेरठ निवासी सलमान, मुस्तफाबाद,एमडी नईम, इब्राहिमपुर निवासी मोरपाल, अमन विहार निवासी महेंद्र, समयपुर बादली निवासी इरफान, मेरठ निवासी दानिश, बुढ़ाना, यूपी निवासी नदीम, मेरठ निवासी कासिम, ओल्ड मुस्तफाबाद, दिल्ली निवासी इज़हार, पुनीत कुमार उर्फ बॉम्बे पुत्र बहादुर, परवीन राणा उर्फ सोनू ठाकुर पुत्र कदम सिंह, सुमित राणा पुत्र महेंद्र सिंह और और सलमान पुत्र अहसान शामिल हैं।पूछताछ के दौरान, आरोपी सनी राजपूत ने खुलासा किया कि वह एयरटेल कंपनी का कर्मचारी है और आरआरयू और बीबीयू को इंस्टॉल और अनइंस्टॉल करने में विशेषज्ञ है। वह अपने अन्य कर्मचारियों महेंद्र, मोरपाल, इरफान के साथ आसानी से और बड़ी रकम कमाने के मकसद से दिल्ली में विभिन्न मोबाइल नेटवर्क टावरों पर स्थापित लाइन केबल के साथ-साथ आरआरयू/बीबीयू की चोरी में लगा हुआ था। आरोपी सलमान और नाजिम ने खुलासा किया कि वे रोहिणी में एक स्क्रैप की दुकान चलाते थे और चोरी की आरआरयू/बीबीयू खरीदते थे और उन्हें नदीम, इज़हार और उसके भाई मोहम्मद नईम को ऊंची कीमत पर बेचते थे।

रंगभरी एकादशी : अयोध्या में साधु-संतों ने जमकर खेली होली

अयोध्या, 20 मार्च (एजेंसियां)। योगी सरकार बनने के बाद अपनी धरोहर अपनी आस्था को पुनः सम्मान मिल रहा है। श्रीराम की नगरी में बुधवार को संतों-महंतों के बीच रंगभरी एकादशी को लेकर उत्साह का बेमिसाल माहौल देखने को मिला। योगी सरकार के द्वारा संतो महंतों को मिलने वाली सुरक्षा से साधु संत खुलकर इस त्यौहार का आनंद लेते दिखे। अयोध्या में होली से पांच दिन पहले ही रंगोत्सव का त्यौहार रंगभरी एकादशी से शुरू हो गया। प्रभु श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या की पहली रंगभरी एकादशी बड़े ही धूमधाम से मनाई गई। रंगभरी एकादशी को हनुमानगढ़ी मंदिर में हनुमान जी को गुलाल लगाने के साथ उत्सव का आरंभ हुआ।

अखिल भारतीय निर्वाणी अखाड़ा हनुमानगढ़ी के 500 संतों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली खेली। इससे पहले संतों ने हनुमान जी के निशान की पूजा की। इभी संतों ने होली खेलते हुए अयोध्या की पंचकोसी परिक्रमा की। ब्रह्ममुहूर्त में ही रामनगरी के 10 हजार से अधिक मंदिरों के गर्भगृह में विराजमान भगवान की राग-भोग आरती, साज-सज्जा के साथ उनके गाल पर गुलाल लगाया गया। यही नहीं अवध में होली के आगाज पर मंदिरों में आने वाले भक्तों को भी प्रसाद के रूप में गुलाल लगाया गया। अबीर से सराबोर हुई रामनगरी की संस्कृति का उल्लास और भी चटख हो चला।

फाल्गुन शुक्ल एकादशी मतलब रंगभरी एकादशी पर्व से अवध की होली का विधिवत शुभारंभ होता है। रंगभरी एकादशी के पर्व पर रामनगरी में संतों-महांतों ने अपने आराध्य के प्रति अनुराग प्रकट करते हुए अबीर-गुलाल उड़ाकर प्रभु के साथ होली खेली। हनुमानगढ़ी परिसर में रंगभरी एकादशी पर श्रद्धा अपने चरम पर दिखी। इस मौके पर धार्मिक नगरी अयोध्या कि सड़कें अबीर और गुलाल से रंगी नजर आईं। परम्परागत रूप से कड़ी सुरक्षा में प्रमुख सिद्ध पीठ हनुमानगढ़ी से संतों का जुलूस अयोध्या की सड़कों पर निकला। संतो ने ढोल की धुन पर जमकर नृत्य किया तथा अखाड़ों के पहलवानों ने अपनी शौर्य कला का भी प्रदर्शन किया।

हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास ने बताया कि सिद्ध पीठ हनुमान गढ़ी से नागा साधुओं के साथ हनुमान जी का निशान लेकर रंगभरी एकादशी के मौके पर हम लोग पंचकोश की परिक्रमा करने के लिए निकले। स्वयं हनुमान जी अयोध्या के प्रमुख मठ मंदिरों में होली का निमंत्रण देने जा रहे हैं। हनुमान जी का निशान है, बल्लम है और छड़ी है। इस मौके पर पंचकोसी परिक्रमा की गई। हनुमानगढ़ी के नागा साधुओं ने एक दूसरे को अबीर लगा कर होली की शुभकामनाएं दी। यह परंपरा कई वर्षों से चली आ रही है। इस वर्ष भव्य तरीके से होली मनाई जा रही हैं। क्योंकि प्रभु राम अपने भव्य महल में 500 वर्ष बाद विराजमान हुए हैं, तो होली का उत्साह और अधिक बढ़ जाता है। हनुमानगढ़ी के नागा साधु हनुमान जी के साथ मठ मंदिरों में होली का निमंत्रण दे रहे हैं। इसी क्रम में अयोध्या नगर में सिद्धपीठ नाका हनुमानगढ़ी,सहादतगंज हनुमानगढ़ी, रिकाबगंज हनुमानगढ़ी मे भी रंगभरी एकादशी की धूम रही।

जुलूस में नागा साधुओं की टोली बैंड बाजे के साथ अखाड़ों के पहल-वानों के करतब दिखाते हुए अयोध्या की सड़क पर निकले। होली की मस्ती में सराबोर संतो ने हर आने-जाने वाले लोगों को अबीर गुलाल से सराबोर कर दिया। अयोध्या में होली से चार दिन पूर्व ही होली का अहसास हो गया। नागा साधुओं का यह जुलूस अयोध्या के प्रमुख मार्गों से होता हुआ जुलूस के मार्ग में पड़ने वाले हर मंदिर तक पहुंचा, जहां पर नागा साधुओं ने भगवान् के विग्रह के साथ होली खेली। इसी क्रम में संतों ने परिक्रमा कर सरयू स्नान किया।

इस दौरान निर्वाणी अखाड़ा के महंत मुरली दास, महंत संजय दास, वरिष्ठ पुजारी हेमंत दास, महंत राजू दास, पुजारी रमेश दास, अभय दास, अभिषेक दास, सत्यदेव दास, मणिराम दास और राजेश पहलवान सहित अन्य नागा साधु मौजूद रहे।

दो हिन्दू बच्चों को गला काटकर मार डाला, तीसरा भाग कर बचा

एक हत्यारा पुलिस मुठभेड़ में ढेर, दूसरा फरार

बदायूं, 20 मार्च (एजेंसियां)। यूपी के बदायूं जिले में कट्टरपंथी साजिद ने पड़ोस में रहने वाले दो हिन्दू बच्चों की गला काटकर हत्या कर दी। मारे गए बच्चों का तीसरा भाई भी हमले में गंभीर रूप से घायल हो गया। खून-खराबा करने के बाद मौके से भाग रहा हत्यारा साजिद पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। दूसरा हत्यारा फरार है। घटना से इलाके में आक्रोश भड़क उठा है। गुस्साए लोगों ने आगजनी और तोड़फोड़ की है। कई थानों के फोर्स के साथ पुलिस के आला अधिकारी मौके पर हैं।

पुलिस के मुताबिक, हेयर ड्रेसर का काम करने वाले साजिद और उसके भाई जावेद ने घर में घुसकर चाकू से दोनों बच्चों की गर्दन रेत डाली। बच्चों के सीने और पेट पर ताबड़तोड़ प्रहार उनकी जान ले ली। चीख-पुकार सुनकर बच्चों का तीसरा भाई पीयूष छत पर आया तो हत्यारे साजिद ने उस पर भी हमला कर घायल कर दिया, लेकिन उसने किसी तरह भाग कर अपनी जान बचाई। नई बस्ती में रहने वाले ठेकेदार विनोद सिंह लखीमपुर खीरी में पानी की टंकी के निर्माण के सिलिसले में वहां गए थे। पड़ोस में सैलून की दुकान करने वाला साजिद अचानक उनके घर में आ पहुंचा। ठेकेदार विनोद की होमगार्ड ड्यूटी करने वाली मां मुन्नी देवी ने पुलिस को बताया कि जावेद और साजिद पड़ोसी होने के नाते परिचित थे।

घर में आकर साजिद ने पहले चाय पीने की इच्छा जताई। इसके बाद वह दबे पांव छत पर चढ़ गया और वहां खेलते मिले विनोद के बेटे आयुष (12), अहान (8) की गर्दन काटकर हत्या कर दी। बच्चों का तीसरा भाई पीयूष छत पर पहुंचा तो उसको भी उस्तरा मारकर घायल कर दिया। घटना के बाद साजिद छत से नीचे आया और चीख-चीखकर कहने लगा कि उसने दो बच्चों को मार डाला है। भीड़ जुटी तो वह मौके से भाग निकला।

हिन्दू बच्चों की हत्या से इलाके में लोग आक्रोशित हो गए और पथराव-आगजनी शुरू कर दी। प्रदर्शनकारियों ने घंटों पुलिस को बच्चों का शव पोस्टमार्टम के लिए नहीं ले जाने दिया। सूचना पर कई थानों के फोर्स के साथ डीएम मनोज कुमार और एसएसपी आलोक प्रियदर्शी मौके पर पहुंच गए। हालात तनावपूर्ण देख पीएसी व पैरामिलेट्री फोर्स भी बुला ली गई। पुलिस ने किसी तरह भीड़ को खदेड़कर हालात काबू में किए।

दोहरे हत्याकांड के बाद मौके से भागे कातिल साजिद को पुलिस ने मुठभेड़ में ढेर कर दिया। साजिद के साथ काम करने वाले जावेद की तलाश जारी है। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर डेरा जमाए हैं। जानकारी मिलते ही आईजी रेंज बरेली डा. राकेश सिंह भी बदायूं पहुंच गए और पुलिस को प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए। एफआईआर दर्ज कर पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है। जिलाधिकारी मनोज कुमार ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। अफसरों ने मीडिया को बताया है कि हत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। पुलिस टीमें जांच में जुटी हैं। वहीं, स्थानीय लोगों का कहना है कि साजिद कट्टरपंथी था।

सैलून वाले अंकल आए और मेरे भाइयों को काट दिया

बदायूं, 20 मार्च (एजेंसियां)। बदायूं के सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में मंगलवार देर शाम मुस्लिम युवकों द्वारा हिंदू बचों की गला काटकर नृशंस हत्या कर दी गई। आरोपी जावेद और साजिद हिंदू परिवार के घर के सामने ही सैलून का काम करते थे। उनकी दुकान खुलवाने ओर उसे चलवाने में हिंदू परिवार का ही सहयोग रहा है। आरोपियों का पीड़ित परिवार के घर आना-जाना रहता था। यह परिवार साजिद और जावेद को परिवार अपने घर का हिस्सा ही समझता था। जिस घर ने साजिद और जावेद को ने बनाकर रखा हर तरह से मदद की वहीं साजिद और जावेद ने उसी घर के रौशन हुए चिरागों को बुरी तरह से बुझा दिया। घटना के बाद ही फरार हुए एक आरोपी पुलिस एनकाउंटर में ढेर हो चुका है। बदायूं के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी ने बताया कि आरोपी साजिद कल शाम करीब 7:30 बजे घर में घुसा और छत पर गया जहां बच्चे खेल रहे थे। उसने दोनों बच्चों पर हमला किया और उनकी हत्या कर दी। फिर वह नीचे आया जहां भीड़ ने उसे पकड़ने की कोशिश की लेकिन वह भाग निकला। पुलिस टीमें हरकत में आईं। पुलिस मुठभेड़ में वह मारा गया। पुलिस ने बताया कि साजिद के पास से हत्या का हथियार और रिवॉल्वर बरामद कर लिया है। परिवार के मुताबिक आरोपी ने 5 हजार रुपयों की मांग की थी, जो परिवार ने उसे दे दिए थे। दोनों मृत बच्चों के जीवित भाई और घटना के चश्मदीद का कहना है, सैलून वाले अंकल यहां आए थे। वह मेरे भाइयों को ऊपर ले गए, इसके बाद मुझे नही पता उन्होंने मेरे भाइयों को क्यों मारा। उन्होंने मेरे भाइयों को काट डाला वो सब देख कर मैं बहुत डर गया था। मैनें जब अपने भाइयों को बचाने की कोशिश की तो उन्होंने मुझे भी मारने की कोशिश की, लेकिन मैं धक्का देकर वहां से नीचे भाग आया। उनके हमले से मेरे हाथ और सिर में चोटें आईं हैं।

आरोपी के चाचा और पिता को पुलिस ने हिरासत में लिया

बदायूं, 20 मार्च (एजेंसियां)। बदायूं की बाबा कॉलोनी में दो बच्चों की हत्या के बाद माहौल तनावपूर्ण है। पुलिस ने आरोपी के पिता और चाचा को हिरासत में लिया है। आरोपी जावेद की तलाश में पुलिस जुटी है। वारदात के तीन घंटे बाद पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी साजिद को मुठभेड़ में ढेर कर दिया। मुठभेड़ में इंस्पेक्टर गौरव विश्नोई भी घायल हुए हैं। साजिद ने बड़ी बेरहमी से दोनों बच्चों का कत्ल किया था। उसके हाथ बच्चों के खून से सने हुए थे। उसके पूरे शरीर पर खून ही खून लगा था। पुलिस के मुताबिक हत्यारोपी साजिद उनके घर से निकलकर भागा था। जब थाना पुलिस मौके पर पहुंची तो लोगों ने बताया कि हत्यारोपी खून से सना हुआ घर से बाहर निकलकर भागा हुआ है। इससे पुलिस उसके पीछे लग गई। इंस्पेक्टर गौरव बिश्नोई और एसओजी टीम उसे खोजती हुई शेखूपुर के जंगल में पहुंच गई। पुलिस के मुताबिक पहले आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग की, जिससे पुलिस को फायरिंग करनी पड़ी। इसमें हत्यारोपी साजिद मारा गया। तो वहीं गोली लगने से इंस्पेक्टर गौरव बिश्नोई को भी गोली लग गई। उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालत गंभीर होने पर इंस्पेक्टर को आईसीयू वार्ड में भर्ती कराया गया है। जहां उनका उपचार चल रहा है। आईजी डॉ. राकेश कुमार कहना है कि हत्यारोपी घर से निकलकर भागा था। पुलिस उसका पीछा कर रही थी। पहले उसने गोली चलाई, फिर पुलिस ने फायरिंग की। इसमें आरोपी पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। घटना के तीन घंटे के भीतर आरोपी मुठभेड़ में ढेर हो गया। उसे दो गोलियां लगी हैं।

कचनार के फूलों से बने गुलाल से होली खेलेंगे रामलला

सीएसआईआर-एनबीआरआई ने तैयार किए दो खास हर्बल गुलाल

लखनऊ, 20 मार्च (एजेंसियां)। अवधपुरी के भव्य-दिव्य-नव्य मंदिर में विराज रहे श्रीरामलला इस बार कचनार के फूलों से बने गुलाल से होली खेलेंगे। विरासत को सम्मान देने के भाव के साथ सीएसआईआर-एनबीआरआई के वैज्ञानिकों ने कचनार के फूलों से बने गुलाल को खास तौर पर तैयार किया है। यही नहीं, वैज्ञानिकों ने गोरखनाथ मंदिर, गोरखपुर के चढ़ाए हुए फूलों से भी एक हर्बल गुलाल तैयार किया है। बुधवार को संस्थान के निदेशक ने दोनों खास गुलाल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेंट किए। मुख्यमंत्री ने इस विशेष पहल के लिए संस्थान के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह निश्चित रूप से उत्तर प्रदेश के साथ-साथ देश के कई स्टार्ट-अप और उद्यमियों के लिए अधिक अवसर एवं रोजगार प्रदान करेगा। निदेशक डॉ. अजित कुमार शासनी ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा अयोध्या में रामायणकालीन वृक्षों का संरक्षण किया जा रहा है। विरासत को सम्मान और परंपरा के संरक्षण देने के यह प्रयास हमारे वैज्ञानिकों के लिए प्रेरणास्पद है। इसी के तहत, संस्थान द्वारा श्रीराम जन्मभूमि, अयोध्या के लिए बौहिनिया प्रजाति जिसे आमतौर पर कचनार के नाम से जाना जाता है, के फूलों से हर्बल गुलाल बनाया गया है। कचनार को त्रेतायुग में अयोध्या का राज्य वृक्ष माना जाता था और यह हमारे आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति की सुस्थापित औषधि के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है। इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-फंगल आदि गुण भी होते हैं। इसी तरह, गोरखनाथ मंदिर, गोरखपुर में चढ़ाए हुए फूलों से हर्बल गुलाल को तैयार किया गया है। इन हर्बल गुलाल का परीक्षण किया जा चुका है और यह मानव त्वचा के लिए पूरी तरह से सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल है।

निदेशक ने बताया कि कचनार के फूलों से हर्बल गुलाल लैवेंडर फ्लेवर में बनाया गया है, जबकि गोरखनाथ मंदिर के चढ़ाए हुए फूलों से हर्बल गुलाल चंदन फ्लेवर में विकसित किया गया है।

योगी सरकार का सफरनामा - 7 साल

बीमारू नहीं, अब विकसित प्रदेश का ताज

लखनऊ, 20 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार के सात साल पूरे हो रहे हैं। दशकों तक बीमारू राज्य की छवि रखने वाला प्रदेश आज देश में सबसे तेज गति से विकास करने वाला राज्य बन चुका है। विकसित भारत के जिस संकल्प को पूरा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रोडमैप तैयार किया है, उसे अमली जामा पहनाने में उत्तर प्रदेश की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। बीते सात साल में यूपी की कार्य संस्कृति में व्यापक बदलाव देखने को मिले हैं, न केवल कानून-व्यवस्था में, बल्कि इन्फ्रास्ट्रक्चर, रोड, रेल, वायु और जल परिवहन, महिला सशक्तिकरण, रोजगार सृजन, व्यापक निवेश और जन कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने को लेकर जिस गति के साथ उत्तर प्रदेश दौड़ रहा है, वह दिन दूर नहीं जब यह देश की नंबर एक की अर्थव्यवस्था वाला प्रदेश बनने की दिशा में अग्रसर है। यही नहीं उत्तर प्रदेश आज आत्मनिर्भर राज्य की ओर से भी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

बीते सात साल में यूपी की प्रभावशाली विकास यात्रा पर हाल ही में ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 4.0 (जीबीसी) के जरिए देशभर के उद्यमियों ने 10 लाख करोड़ से अधिक का निवेश करके अपनी मुहर लगा दी है। अगर अबतक हुए सभी चार जीबीसी की बात करें तो ये आंकड़ा तकरीबन 16 लाख करोड़ रुपए पहुंचता है। इतने भारी-भरकम निवेश से न केवल यूपी की आर्थिक समृद्धि को बल मिला है, बल्कि बड़े पैमाने पर रोजगार का सृजन भी हुआ है। अकेले जीबीसी 4.0 से 34 लाख से अधिक रोजगार के अवसरों का सृजन हो रहा है।

सात-आठ साल पहले कोई यकीन भी नहीं कर सकता था कि यूपी एक दिन बीमारू प्रदेश की तोहमत से बाहर आकर उद्योग प्रदेश बनने के करीब पहुंच जाएगा। 10 लाख से अधिक आबादी वाले सात शहर और 5 लाख से अधिक आबादी वाले पांच शहरों वाला बड़ा राज्य यूपी की 56 प्रतिशत आबादी कामकाजी है। प्रदेश न केवल 250 मिलियन की आबादी वाला राज्य है बल्कि 425 मिलियन के आस पड़ोस के राज्यों की जनसंख्या के साथ विशाल कंज्यूमर बेस भी रखता है। यही कारण है कि इतना विशाल उपभोक्त बाजार निवेशकों को हर तरह से आकर्षित कर रहा है।

उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा में एक्सप्रेसवे की चर्चा के बिना अधूरी है। जिस राज्य के बारे में 2017 से पहले ये कहा जाता था कि जहां से गडढों वाली सड़क शुरू हो, समझ लीजिए यूपी शुरू हो चुका है, आज ये वहीं प्रदेश है जहां देश में सबसे ज्यादा एक्सप्रेसवे संचालित हैं। प्रदेश में आज 6 एक्सप्रेसवे क्रियाशील हैं, जबकि 7 निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं। इनमें भी तकरीबन 600 किलोमीटर लंबा गंगा एक्सप्रेसवे इस साल के अंत तक बनकर तैयार होने जा रहा है।

उत्तर प्रदेश शीघ्र ही देश का पहला ऐसा राज्य होगा, जहां एक-दो नहीं बल्कि पांच-पांच अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट संचालित होंगे। प्रदेश में अबतक 15 एयरपोर्ट पूरी तरह से क्रियाशील हैं, इनमें आगरा, त्रिशूल (बरेली) गोरखपुर, हिंडन (गाजियाबाद), प्रयागराज, कानपुर, अलीगढ़, आजमगढ़, मुरादाबाद, श्रावस्ती और चित्रकूट में डोमेस्टिक, जबकि लखनऊ, वाराणसी, कुशीनगर और अयोध्या में अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट संचालित हो रहे हैं। वहीं एशिया का सबसे बड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट नोएडा के जेवर में बनकर तैयार हो चुका है, जिसे जल्द क्रियाशील करने की तैयारी है। इसके अलावा सहारनपुर, सोनभद्र, ललितपुर, मेरठ और पलिया में भी डोमेस्टिक एयरपोर्ट निर्माण का कार्य विभिन्न चरणों में जारी है।

प्रदेश को 2027 तक वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी वाला राज्य बनाने का संकल्प धरातल पर तेजी से उतरता दिख रहा है। आस्था, अन्त्योदय और अर्थव्यवस्था को समर्पित शासन की नीतियों का ही परिणाम है कि साल दर साल विकास की रफ्तार के अनुरूप ही यूपी के बजट का आकार बढ़ता ही जा रहा है। आंकड़ों की बात करें तो 2016-17 में प्रदेश का बजट जहां 3.46 लाख करोड़ रुपए का था वहीं 2024-25 का बजट इसके दोगुने से भी अधिक 7.36 लाख करोड़ रुपए का हो चुका है। मुख्यमंत्री के शब्दों में 2024-25 का बजट उत्तर प्रदेश को देश का ग्रोथ इंजन तथा 1 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने की प्रधानमंत्री की संकल्पना का प्रतिनिधित्व करता है।

बात यूपी के सकल घरेलू राज्य उत्पाद (जीएसडीपी) की करें तो 2016-17 में प्रदेश की जीएसडीपी 12.75 लाख करोड़ रुपए थी, इसकी तुलना में 2024-25 की जीएसडीपी 25 लाख करोड़ रुपए हो चुकी है। इसी के साथ यूपी देश की नंबर दो की अर्थव्यवस्था बन चुका है। 2019-20 में आई वैश्विक महामारी कोविड के बाद प्रदेश निरंतर 14 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर से प्रगति कर रहा है। इसमें भी सरकार का पूरा जोर सामाजिक एवं आर्थिक सेक्टर्स में पूंजिगत व्यय से विकास पर है।

बीते सात साल में योगी सरकार ने माफिया और अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कार्य करते हुए प्रदेश की क़ानून व्यवस्था को सुदृढ़ किया। पिछले सात वर्षों में 194 से अधिक अपराधियों को मुठभेड़ में ढेर किया गया। इतना ही नहीं कोर्ट में प्रभावी पैरवी के जरिये 24,743 से अधिक अपराधियों को सजा दिलायी गई। गैंगस्टर एक्ट अधिनियम के तहत 71600 से अधिक अपराधियों को जेल भेजा गया और 124 अरब, 4 करोड़ 18 लाख, 52 हजार से अधिक की चल-अचल संपत्तियां जब्त की गयी।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

म्हारो शुभ लाभ भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 21 मार्च, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

सीपी राधाकृष्णन ने तेलंगाना के राज्यपाल पद की ली शपथ

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने बुधवार को तेलंगाना के राज्यपाल के रूप में शपथ ली। तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे ने राजभवन में आयोजित एक समारोह में सीपी राधाकृष्णन को पद की शपथ दिलाई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और उनके कैबिनेट सहयोगी और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मुख्य सचिव शांति कुमारी ने राष्ट्रपति द्वारा जारी नियुक्ति वारंट पढ़ा। जिसमें झारखंड के राज्यपाल को अपने कर्तव्यों के अलावा तेलंगाना के राज्यपाल और पुडुचेरी के उपराज्यपाल के कार्यों का निर्वहन करने के लिए नियुक्त किया गया है। मुख्य न्यायाधीश ने नियुक्ति का वारंट राज्यपाल को सौंप दिया। .बताते चलें कि तमिलिसाई सुंदरराजन के इस्तीफे के बाद सीपी राधाकृष्णन को तेलंगाना और पुडुचेरी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। सीपी राधाकृष्णन तेलंगाना के तीसरे राज्यपाल हैं। वह कोयंबटूर से दो बार भाजपा के सांसद रह चुके हैं। उन्होंने पिछले साल झारखंड के राज्यपाल का पदभार ग्रहण किया था। दिलचस्प यह है कि 2014 में राज्य के गठन के बाद से तेलंगाना के सभी तीन राज्यपाल तमिलनाडु से रहे हैं। ईएसएल नरसिम्हन और तमिलिसाई सुंदरराजन भी तमिलनाडु से थीं। बताते चलें कि सीपी राधाकृष्णन भी मूल रूप से तमिलनाडु के तिरुपूर के रहने वाले हैं। उन्होंने तमिलनाडु के विकास के लिए कई सराहनीय कार्य किए हैं। जिसमें उन्होंने सभी नदियों को जोड़ने के लिए प्रयास किए, आतंकवाद विरोधी अभियानों में शामिल हुए, सबके लिए समान नागरिक कानून पर बल दिया और छुआछूत उन्मूलन को लेकर भी वह प्रयत्नशील रहे।

पुलिस ने पांच गोदामों पर छापेमारी कर रसायनों से पके आम किए जब्त

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। पुलिस ने जीएचएमसी खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के साथ मिलकर पांच गोदामों पर छापेमारी की जहां कथित तौर पर रसायनों का उपयोग करके आम पकाया जाता था और भारी मात्रा में आम और फल पकाने वाले उपकरण जब्त किए गए। डीसीपी (टास्क फोर्स) एस रश्मी पेरुमल के मुताबिक, फल व्यापारी अपने गोदामों में आम पकाने के लिए कार्बाइड पाउडर और एथिलीन पाउच का इस्तेमाल कर रहे थे। उन्होंने कहा कि व्यापारी फलों को संग्रहीत करने और पकाने के लिए अवैध तरीकों का उपयोग कर रहे थे। जो मनुष्यों के लिए खतरनाक है और श्वसन एवं त्वचा संबंधी बीमारियों का कारण बन सकता है।

रानी अवंती बाई चौक पर अमर शहीद रानी अवंती बाई के शहीद दिवस पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित लोध क्षत्रिय सदर पंचायत के पूर्व संचालक रामराज सिंह, बी ब्लॉक प्रेसिडेंट श्याम सिंह, गोकर्ण सिंह, शंकर सिंह, शंकर सिंह, बबलू सिंह, सोमराज सिंह भाजपा नेता व अन्य गणमान्य व्यक्ति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए।

रामकोट स्थित श्री कच्छी मित्र मंडल हेल्थ केयर समिति द्वारा 24 मार्च को आयोजित एडवांस कैंसर स्क्रीनिंग कैम्प में पधारने के लिए हिमायतनगर डिवीज़न पार्षद महालक्ष्मी रमण गौड़ को आमंत्रित करते हुए कन्वीनर दिनेश गोसर और रिद्धिश जागीरदार।

झुंझुनू प्रगति संघ का होली मिलन समारोह सम्पन्न

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। झुंझुनू प्रगति संघ की हैदराबाद इकाई का होली स्नेह मिलन समारोह लहरी रिजॉर्ट्स में संपन्न हुआ। सुबह के नाश्ते , दोपहर के भोजन और सांयकालीन चाय तथा स्वल्पाहार के संग लोगों ने होली की परंपरागत मिठाई, गुजिया और ठंडाई पेय का भरपूर आनंद उठाया। राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र में होली के अवसर पर बजाए जाने वाली ढ़प्प और चांग की प्रस्तुति नगर के कुछ राजस्थानी भाइयों द्वारा दी गई जिसका संघ के सदस्यों ने खूब लुत्फ उठाया। सदस्यों हेतु आयोजित तंबोला में कई विजेताओं को इनाम प्रदान किए गए। उपस्थित सभी वर्ग के लोगों ने रिजॉर्ट पर उपलब्ध तैराकी , रेन डांस एवं अन्य संसाधनों का लाभ प्राप्त किया।

संघ के अध्यक्ष राजकुमार पसारी और अन्य पदाधिकारियों ने उपस्थित लोगों को गुलाल का तिलक लगाकर होली की शुभकामनाएं प्रेषित की। कार्यक्रम को सफल बनाने में उपाध्यक्ष कुंज बिहारी मित्तल, मंत्री संदीप ढेढ़ीया, उप मंत्री योगेश सिंघानिया, कोषाध्यक्ष नितिन तुलस्यान, पूर्व कोषाध्यक्ष शंकरलाल तुलस्यान एवं अन्य का प्रमुख सहयोग रहा। कार्यक्रम में संघ के वरिष्ठ परामर्शदाता मुरारीलाल राणासरिया, निवर्तमान अध्यक्ष डॉ दिलीप पंसारी अन्य पदाधिकारि, सदस्यों समेत कुल 70 लोग उपस्थित थे।

सीनियर सिटीजन एसोसिएशन की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। सीनियर सिटीजन एसोसिएशन हैदराबाद लाइंस भवन पैराडाइज सर्कल सिकंदराबाद में सीनियर सिटिजन की मीटिंग रखी गई। रमेश नागपाल सेक्रेटरी ने आगामी वर्ष के लिए हेल्थ, स्पोर्ट्स, कल्चर प्रोग्राम एवं नए मेंबर्स बनाने के लिए विचार किया गया। साथ ही हिसाब किताब का भी लेखा-जोखा भी पेश किया गया। अन्य कार्य के लिए भी चर्चा की गई। चेयरमैन मूर्तिगारू, प्रेसिडेंट विठलराव, बालमुकंद, कोषाध्यक्ष वेजेन्ती ने अपने-अपने विचार रखे। रमेश नागपाल ने आगामी चुनाव हेतु विचार विमर्श किया एवं सबको धन्यवाद दिया।

होली के रंग कान्हा जी के संग फाग महोत्सव आयोजित

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिडिमेटला स्थित श्वेता आर्यन सोसायटी में रेणु जगमोहन नेवटिया परिवार द्वारा होली के रंग कान्हा के संग फाग महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सभी ने हर्षोल्लास से फाग महोत्सव में गुलाल, अबीर व फूलों से होली खेल फाग महोत्सव का आनन्द लिया। मनमोहक भजनों की तान लगाकर भजन गायक विक्रम चन्दन ने सभी का मोह लिया। इस अवसर पर विभा नेवटिया, विनिता जैन, रजनी गुप्ता, सस्मीता सेनापति, सरिता ललवानी, रेखा भंसाली, पदमा लोढा, नीतू वडेरा, कविता अग्रवाल, मनीषा अग्रवाल, शीतल अग्रवाल, पुनीता काकानी, विमला राजपुरोहित, रानी राजपूत, शिल्पिता, रमा, सोनाली, गौरी, अंकिता जयसवाल, प्रिती रांदड, मधु रान्दड, दिनेश अग्रवाल, दिनेश काकांणी, उपेन्द्र सिंह आदि का सराहनीय सहयोग रहा।

बेगम बाजार मुल्तानीपुरा स्थित जैन हाई स्कूल में बुधवार को ट्रैफिक पुलिस द्वारा बच्चों के लिए ट्रैफिक अवेयरनेस ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित एसआई वेणुगोपाल, प्रिंसिपल राजेश जैन, संजय जैन, राजेश तोषनीवाल, सपना टीचर एवं अन्य लोगों ने भाग लिया।

अत्तापुर राजस्थानी समाज का होलिका दीपन 24 एवं धुलंडी 25 मार्च को

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी नवजागृति मंच अत्तापुर द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार होली कार्यक्रम का आयोजन बड़े धूमधाम से किया जायेगा। संस्था के मंत्री अभिषेक ने बताया कि अत्तापुर क्षेत्र के राजस्थानी समाज का सामूहिक होली कार्यक्रम प्रतिवर्ष श्री राजस्थानी नव जागृति मंच के तत्वावधान में आयोजित किया जाता है। इसी क्रम में इस वर्ष भी रामबाग प्रांगण अत्तापुर में 24 मार्च को सुबह 9:15 बजे शास्त्रोक्त भूमि पूजन कर होलिका दंडा रोपण किया जायेगा एवं रात्रि 11:21 बजे शुभ मुहर्त अनुसार होलिका दीपन किया जायेगा। तत्पश्चात 25 मार्च को सुबह 8 बजे से धुलंडी रंगोत्सव एवं ढूढ़ पूजन किया जायेगा। संस्था के अध्यक्ष सुरेश कुमार मोदी ने सभी राजस्थानी परिवारों से कार्यक्रम में भाग लेने का अनुरोध किया है।

फाल्गुन सुदी एकादशी के पावन अवसर पर खाटू श्याम में हम दो श्याम प्रेमी संस्था द्वारा आयोजित भजन गंगा में बाबा के भजन प्रस्तुत करते प्रमुख भजन गायक राजेंद्र अग्रवाल। अवसर पर उरामप्रकाश अग्रवाल, सुनिता अग्रवाल, जगतनारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, सतीश गुप्ता, आशा गुप्ता, महेश अग्रवाल, बबीता अग्रवाल, आशीष संघी, आशीष नेमानी, राजेश नथानी, अनिता नथानी एवं हम दो श्याम प्रेमी संस्था के सदस्य उपस्थित थे।

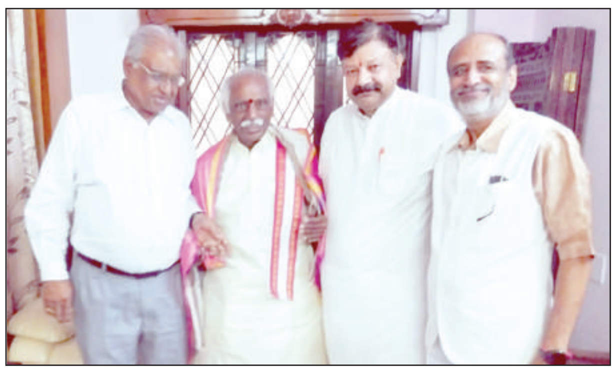

हरियाणा के राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय से शिष्टाचार भेंट करते हुए भाजपा नेता सतीश अग्रवाल, दुर्गा प्रसाद तिवारी, रवि शर्मा एवं सूर्यकांत।

श्री श्याम प्रेमी भाग्यनगर द्वार मुक्तरगंज सिद्दंबरबाजार से खाटू श्याम मंदिर काचीगुड़ा तक बड़ी धूम धाम से निकाली गई श्री श्याम फाल्गुन निशान यात्रा में भाग लेते हुए मनोज अग्रवाल, राखी अग्रवाल, यश अग्रवाल, श्याम अग्रवाल एवं अन्य भक्तजन उपस्थित रहे।

फाल्गुन एकादशी के अवसर पर हम लाडले सांवरिया द्वारा आयोजित श्री श्याम निशान यात्रा के आयोजक आशीष व्यास ने एनआर लक्ष्मण राव अध्यक्ष बजरंग सेना तेलंगाना को शॉल और कंडवा से सम्मानित किया इस अवसर पर येरम श्रीनिवास उपाध्यक्ष, राजशेखर शहर अध्यक्ष, राजाराम, आशीष व्यास और अन्य लोग उपस्थित थे।

सूरजगढ़ श्री श्याम निशान के दर्शन को उमडा श्रद्धालुओं का सैलाब

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री श्याम मित्र मंडल अत्तापुर की ओर से आयोजित भव्य सूरजगढ़ श्री श्याम निशान यात्रा के दर्शन करने के लिए बुधवार को श्याम भक्त उमड पड़े। इस बार भी राजस्थान सूरजगढ़ से पूजा के पश्चात लेकर आए श्रीकांत मित्तल के नेतृत्व में सूरजगढ़ निशान की पूजा 19 मार्च को शाम में 5:00 बजे विधि पूर्वक की गई थी। 20 मार्च को प्रातः 4:00 बजे से सुरेश शास्त्री के पंडिताई में लड्डू गोपाल का आकर्षक दरबार लगाकर मंडल द्वारा निर्मित 251 निशानों की पूजा कर श्याम भक्तों ने पदयात्रा कर काचिगुडा श्याम मंदिर में निशान अर्पित करने के लिए सौंपा। राम मंदिर में निशानों की आरती के पश्चात समाज सेवी गोपाल बलदवा, मेलारदेव्पल्ली पार्षद टोकला श्रीनिवास रेड्डी, भाजपा अध्यक्ष विजय कुमार का स्वागत किया गया। निशान यात्रा संयोजक पवन नालपुरिया ने बताया कि श्री श्याम मित्र मंडल अत्तापुर की ओर से आयोजित 12वें श्री श्याम निशान यात्रा के साथ चतुर्थ सूरजगढ़ श्री श्याम निशान यात्रा के दर्शन करने एवं मोर छड़ी का झाड़श्र लगवाने के लिए लोग उमड पड़े। इस अवसर पर अनेक लोगों ने सूरजगढ़ श्री श्याम निशान को मनोकामना मौली बांधकर मनौती मांगी। यात्रा में घोड़ा बग्गी में बाबा का सुंदर दरबार लगाया जिसमें श्रीकांत मित्तल, अमित मोदी, सुनील भूत, मुकेश अग्रवाल एवं अंकुश अग्रवाल ने यात्रा के दौरान रास्ते में हजारों श्याम भक्तों को बाबा के विधिवत दर्शन करवाए। निशान शोभा यात्रा में इस बार यात्रा का मुख्य आकर्षण सूरजगढ़ श्री श्याम निशान के साथ 251 रंग-बिरंगे श्री श्याम निशान पुरुष, औरतें एवं बच्चे लेकर अपने परिजनों के साथ चल रहे थे। जिससे यात्रा में करीब 500 लोगों का हुजूम था। इस बार सूरजगढ़ निशान के साथ श्री श्याम ज्योत सिगड़ी जिया नालपुरिया, संगीता भालवाले, आरती शर्मा अपने सर पर जलती हुई ज्योत लेकर निशान के साथ चल रही थीं। इस विशाल श्री श्याम निशान यात्रा का जगह-जगह अनेक धार्मिक संस्थाओं एवं सामाजिक संगठनों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया तथा अल्पाहार एवं चाय पानी की व्यवस्था की। इस मौके पर छत्रपति शिवाजी महाराज नवयुग मंडल, सुंदरकांड सत्संग समिति, सुंदरकांड पारायण समिति, रामाधनी खम्मा घणी सेवा समिति, गुर्जर गॉड ब्राह्मण समाज, सीरवी समाज, समाज-सेवी वनम श्री राम रेड्डी, बजरंग लाल बलदेव राम भाटी, भाजपा नेता अविनाश देवड़ा, व्यापार मंडल किराना मर्चेंट के मनीष भाटी, अत्तापुर के दत्तात्रेय ईगले, डॉ. प्रेम प्रकाश पलोड एवं परिवार, दायमा समाज के सुरेश गांधी एवं गोपाल डोबा, श्री लखदातार परिवार भाग्यनगर, मां दुर्गा सेवा संस्थान, खंडेलवाल समाज एवं श्री राजस्थानी जागृति समिति तथा निमली अड्डे पर और तीन संस्थाओं ने पुष्प वर्षा कर यात्रा का भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर सुरेश कुमार मोदी, राजेंद्र अग्रवाल, सोहनलाल नेहरा, अशोक शर्मा, पन्नालाल शर्मा ने भी संस्था अध्यक्षों का सम्मान कर धन्यवाद दिया। निशान यात्रा श्याम मंदिर काचिगुडा पहुंचने के पश्चात श्री श्याम मंदिर सेवा समिति ने सूरजगढ़ श्री श्याम निशान यात्रा का भव्य स्वागत किया। तत्पश्चात सूरजगढ़ श्री श्याम निशान एवं जलती हुई श्री श्याम ज्योत सिगड़ी को मंदिर गर्भगृह में श्याम दर्शन के पश्चात मंदिर की गुंबद पर सुशोभित किया गया। निशान यात्रा को सफल बनाने में योगेश जैन, अभिषेक अग्रवाल, अमरचंद दादरी वाले, अमित कुमार मोदी, अंकुश अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, अशोक शर्मा, अशोक शर्मा पांडुरंगा नगर, अशोक नापित, बाबूलाल जोशी, बद्री प्रसाद सरायवाला, बजरंग लाल बृजेश कुमार नालपुरिया, बेगराज कुमावत, बजरंग लाल भाटी, भंवरलाल चाहर, भंवरलाल थोलिया, बीरबल चौधरी, छाजूराम मीणा, धीरज सिंह बघेल, डालूराम, धनराज चौधरी, दिनेश अग्रवाल, दिनेश सोनी, घेवरचंद सांखला, गिरध-ारी लाल मिठारवाल, गोपाल बल्दवा, गोपाल मीणा, गोपाल राम, गोपाल शर्मा, गोपीचंद शर्मा, गोविंद राज अग्रवाल, हरि सिंह शेखावत, हरफूल चौधरी, हीरालाल, जुगल किशोर पारीक, जयप्रकाश बंग, करण सिंह जोधा, किरण शर्मा, कीर्ति सिंह एडवोकेट, हरिकिशन अग्रवाल, लालचंद गुटके वाले, लालनाथ सिद्ध, लोकेश पीत्ति, लक्ष्मी निवास सारडा, महेश शर्मा, मालीराम अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, मनीष शर्मा, मनोज गोयल, मानप्रकाश शर्मा, वीवीएसआर अंजनैयुलू, मुकेश दादरी वाले, मुकेश कुमार, मूलचंद शर्मा, मुरारी लाल शर्मा, नारायण दास हेडा, नरेंद्र जांगिड़, अशोक शर्मा, नवीन अग्रवाल, नवीन संथालिया, पंकज गॉड, पन्नालाल शर्मा, पवन कुमार नालपुरिया, प्रकाश भाटी, प्रेम चौधरी, पुरुषोत्तम कड़ेल, राधेश्याम शर्मा, राजेंद्र अग्रवाल, राजेश करवा, राजेश कुमार सर-ाओगी, राजेश साबू, राजेश शर्मा, राजेश स्वामी, राकेश अग्रवाल, राम अग्रवाल, राम प्रसाद रीनवा, राम अवतार गुप्ता, रामभरोस जांगिड़, रामेश्वर लाल शर्मा, रामेश्वर लाल मीणा, रामनिवास जाट, रवि प्रकाश शर्मा, रितेश अग्रवाल, सचिन मोर, संदीप कुमार शर्मा, संजय कुमार गुप्ता, संतोष चौधरी, संतोष अग्रवाल, शशिकांत शर्मा, सत्येंद्र सिंह ठाकुर, सतीश स्वामी, सत्यनारायण फोग्ला, सत्यनारायण रोहिवाल, सत्यनारायण सूरजगढ़ वाले, शिव प्रकाश शर्मा, सोहनलाल नेहरा, श्याम अग्रवाल, श्रीचंद स्वामी, श्रीकांत मित्तल, अशोक अग्रवाल, सुरेश गांधी, छोटेलाल चौधरी, सुनील कुमार भूत, सुरेश कुमार मोदी, तेजपाल नेहरा, उमेश कुमार नालपुरिया, मनोहर लाल पोद्दार तथा सभी श्याम भक्तों का सराहनीय सहयोग रहा। इसके लिए श्री श्याम मित्र मंडल के अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

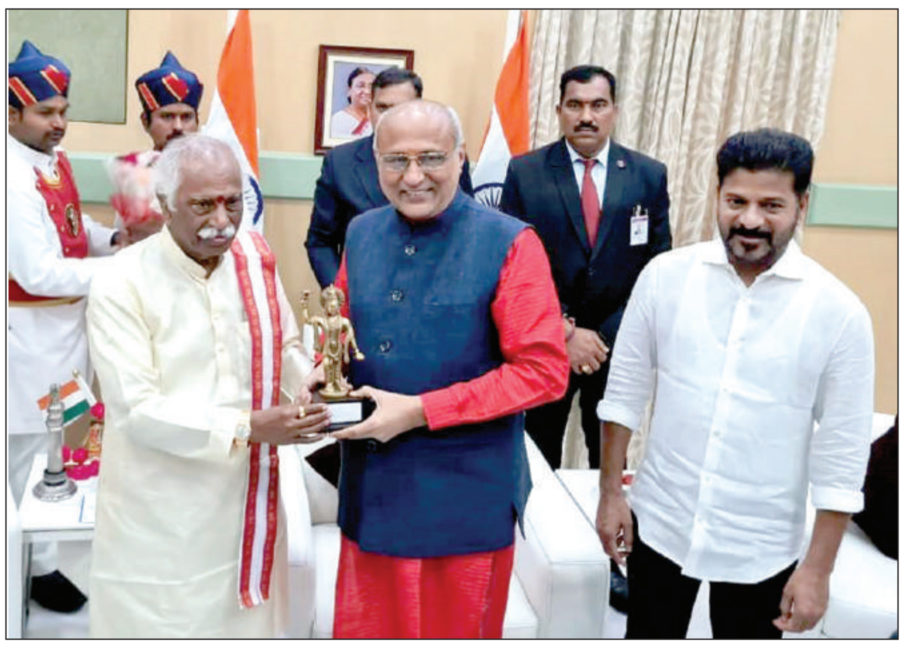

हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय बुधवार को हैदराबाद के राजभवन में सीपी राधाकृष्णन को तेलंगाना के राज्यपाल के रूप में कार्यभार संभालने पर बधाई देते हुए।

अमेरिका में हैदराबाद के छात्र का अपहरण परिजनों को आया फिरौती का फोन

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अमेरिका में रहकर पढ़ाई करने वाले हैदराबाद के एक छात्र के अपहरण का मामला सामने आया है। लापता छात्र के परिजनों ने इस बारे में जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि मोहम्मद अब्दुल सात मार्च से लापता है और अब फोन करके उनसे फिरौती मांगी गई है।

अब्दुल के पिता मोहम्मद सलीम ने बताया कि उनके बेटे की आखिरी बार सात मार्च को उनसे फोन पर बात हुई थी। इसके बाद से अब्दुल से कोई संपर्क नहीं हुआ है। पिता ने बताया कि उसका मोबाइल भी लगातार स्विच ऑफ जा रहा है। अब्दुल के परिजनों ने यह भी बताया कि 19 मार्च को एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन करके उनसे फिरौती की रकम की मांग की है। फोन करने वाले व्यक्ति ने कथित तौर पर उसके अपहरण की बात बताते हुए छोड़ने के बदले में 1200 अमेरिकी डॉलर की मांग की। इतना ही नहीं फिरौती की रकम न देने पर अब्दुल की किडनी बेचने की भी धमकी दी। वहीं, अमेरिका में अब्दुल के रूममेट्स ने क्लीवलैंड पुलिस में उसकी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई है।

अब्दुल के पिता ने बताया, कल, मुझे एक अज्ञात नंबर से फोन आया और फोन करने वाले ने मुझे बताया कि मेरे बेटे का अपहरण कर लिया गया है और उसने पैसे की मांग की। हालांकि फोन करने वाले ने भुगतान के तरीके का उल्लेख नहीं किया, लेकिन सिर्फ राशि का भुगतान करने के लिए कहा। जब मैंने फोन करने वाले से पूछा हमें मेरे बेटे से बात करने की अनुमति दें, उसने इनकार कर दिया।

लापता छात्र के पिता ने बताया कि वे मूल रूप से हैदराबाद के नाचारम के रहने वाले हैं। उन्होंने कहा कि उनका बेटा अब्दुल मई 2023 में क्लीवलैंड यूनिवर्सिटी से आईटी में मास्टर्स करने के लिए अमेरिका गया था। वो वहां क्लीवलैंड में रहता था। वहीं, भारत में अब्दुल के माता-पिता ने बेटे का पता लगाने और उसकी सुरक्षित वापसी को लेकर केंद्र से गुहार लगाई है। उन्होंने इस बाबत विदेश मंत्री एस जयशंकर को भी पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने अपने बेटे का पता लगाने और उसे सुरक्षित वापस लाने के लिए आवश्यक कदम उठाने का अनुरोध किया।

डॉ.संगीता शर्मा को आइडल वुमेन इंटरनेशनल अवार्ड

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

विश्व हिंदी रचनाकार मंच एवं अंतरराष्ट्रीय महिला मंच भोपाल, मध्य प्रदेश में आइडल वुमेन इंटरनेशनल अवॉर्ड सेरेमनी का आयोजन 17 मार्च को किया गया। विश्व हिंदी रचनाकार मंच व अंतरराष्ट्रीय महिला मंच के संस्थापक/अध्यक्ष राघवेन्द्र ठाकुर के अध्यक्षीय वक्तव्य के बाद 45 महिला शक्ति को यह अवार्ड दिए गए। हैदराबाद की वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. संगीता शर्मा को आइडल वुमेन इंटरनेशनल अवार्ड से सम्मानित किया गया। इसी मंच पर डॉ.संगीता शर्मा ने काव्य पाठ भी किया।

माहेश्वरी युवक संघ बेगम बाजार की होली महोत्सव के संदर्भ में बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

माहेश्वरी युवक संघ द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी होली के मधुर होरिया एवं राजस्थानी डांडिया 20 से 25 मार्च तक माहेश्वरी भवन बेगम बाजार में आयोजित की जाएगी। माहेश्वरी भवन में संघ की बैठक नारायणदास मालानी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में होली महोत्सव की समितिमों का गठन किया गया।

राजस्थानी होरिया एवं भजन संयोजक श्री शकरलाल राठी, दिनेश बंग और हेमन्त सारडा नियुक्त किए गए। राजस्थानी डांडिया का संयोजक नरसिंग, अभीषेक सारडा, और रौनक लोया को नियुक्त किया गया। भोजन संयोजक वसंत कासट, गोविन्द अट्टल और गोपाल बजाज को बनाया गया। ढूंढ संयोजक श्रीनिवासजी काकांनी, ब्रिजराज अट्टल और राजगोपाल राठी को बनाया गया। इस वर्ष संघ के वरिष्ठ सदस्यों के सम्मान हेतु आयु 63 से 65 वर्ष रखी गई है।संघ के मंत्री राजेश कुमार करखा ने सभी सदस्यों से आग्रह किया कि सपरिवार अधिकाधिक संख्या में पधारकर होली समारोह को पूर्ण सफल बनाएं।

कोषाध्यक्ष जुगल किशोर बलदवा ने सभी बन्धुओं से निवेदन किया है कि सामूहिक ढूंढ के कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पंजीकृत करा के कार्यक्रम को सफल बनाएं। उपाध्यक्ष डॉ. पुरषोतम बिदादा ने कहा पूर्ण कार्यक्रम माहेश्वरी भवन में रात्रि 9.30 बजे से 11.30 बजे तक रहेगा। सह मंत्री राजगोपाल बाहेती ने सभी बंधुओं से आग्रह किया कि सह भोज की टिकट जल्द से जल्द ले लें। संघ के परामर्शदाता लक्ष्मी नारायण राठी ने संघ के कार्यक्रम को भव्य रूप से मनाने की अपील की है। संघ के मंत्री राजेश कुमार करवा ने धन्यवाद ज्ञापन करके सभा को विराम दिया। बैठक में सत्यनारायण काबरा, नारायण दास लोया, गोविन्द नारायण बाहेती, गोकुल दास मुन्दडा, डॉ. पुरषोतम विदादा, रामनिवास सारडा, सीए कन्हैयालाल राठी, श्रीनिवास कांकानी, शकर लाल राठी, हेमन्त सारडा, अमित कुमार लड्डा, नरसिंग, राजगोपाल राठी, राजगोपाल बाहेती, ब्रिजराज अट्टल,महेश लखोटिया एवं रघु उपस्थित रहे।

क्रिकेट सट्टेबाजी रैकेट का भंडाफोड़ किया, तीन गिरफ्तार

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पुलिस ने क्रिकेट सट्टेबाजी रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से 1.50 लाख रुपए नकद, दो लैपटॉप और पांच मोबाइल फोन जब्त किए हैं। गिरफ्तार किए गए लोगों में उदय सिम्हा रेड्डी (40), मोहम्मद फहीमुद्दीन (27) और एम भानु प्रसाद (29) हैं। पुलिस के अनुसार दिलसुखनगर के रहने वाले उदय, फहीम और भानू अवैध रूप से ऑनलाइन सट्टेबाजी कर रहे थे और ऑनलाइन मोड के माध्यम से सट्टेबाजों से पैसे इकट्ठा कर रहे थे। सूचना मिलने पर पुलिस ने उन्हें उस समय पकड़ लिया जब वे चल रहे लीजेंड्स क्रिकेट ट्रॉफी 2024 के लिए सट्टेबाजी की रकम ले रहे थे।

कडप्पा जिले में दसवीं कक्षा की छात्रा की हृदय गति रुकने से मौत

अनंतपुर, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कडप्पा जिले के राजू पालेम मंडल के कोर्रापाडु गांव में दसवीं कक्षा के एक छात्र की हृदय गति रुकने से मौत हो गई। लिखिता नामक छात्रा 15 साल की थी।

लिखिता सोमवार को पहले दिन की परीक्षा में शामिल हुई, उसने आवासीय विद्यालय में दोपहर का भोजन किया और अगली परीक्षा के लिए अपनी पढ़ाई जारी रखी। पढ़ाई के दौरान उसे अचानक सीने में दर्द हुआ और वह बेहोश हो गई।

स्थानीय अस्पताल के डॉक्टर ने कहा कि छात्रा को मृत लाया गया था। माना जा रहा है कि लड़की को कार्डियक अटैक आया था।

20 आवारा कुत्तों को मारने वाले व्यक्ति को महबूबनगर पुलिस ने किया गिरफ्तार

महबूबनगर, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पोनक्कल गांव में एक महीने पहले हुई गोलीबारी में 20 आवारा कुत्तों की मौत हो गई थी और छह अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे, इस मामले में महबूबनगर पुलिस ने मंगलवार को हैदराबाद के तीन लोगों को गिरफ्तार किया।पुलिस ने कहा कि मुख्य आरोपी की पहचान नरसिम्हा रेड्डी (57) के रूप में हुई है, जिसने कथित तौर पर पूरी घटना को अंजाम दिया। महबूबनगर के एसपी ने बताया कि नरसिम्हा रेड्डी के ससुराल वाले, जो गाँव में रहते हैं, ने फरवरी के पहले सप्ताह में एक आवारा कुत्ते के हमले में अपने पालतू कुत्ते को खो दिया। मिंटू की मौत का बदला लेने के लिए, आरोपी ने अपने दोस्तों के साथ, हैदराबाद से पोनक्कल की यात्रा की और आवारा कुत्तों पर गोलियां चला दीं। गाँव में आवारा कुत्तों को मारने का फैसला करने के बाद, रेड्डी ने अपनी योजना में उसका साथ देने के लिए अपने दोस्तों मोहम्मद तारिक (44) और तारिक अहमद (40) से संपर्क किया। एसपी ने साझा किया कि तारिक एक पेशेवर निशानेबाज है और उसके पास एक लाइसेंसी बंदूक है, जिसका इस्तेमाल तीनों ने कुत्तों को मारने के लिए किया था।

ईटेला राजेंदर ने मल्काजगिरी निर्वाचन क्षेत्र के लिए घोषणापत्र किया जारी

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भाजपा के वरिष्ठ नेता और पार्टी के मल्काजगिरि के उम्मीदवार ईटेला राजेंदर ने बुधवार को मल्काजगिरि निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के लिए एक घोषणापत्र जारी किया। घोषणापत्र मोदी गारंटी-एटाला ज़मानत सात मुद्दों पर केंद्रित है। जिसमें विकासित मल्काजगिरी, स्वच्छ मल्काजगिरि, कुशल मल्काजगिरि, आरोग्य आयुष्मान मल्काजगिरि, आत्मनिर्भर नारी शक्ति मल्काजगिरि, डिजिटल/आईटी मल्काजगिरि और मेक इन मल्काजगिरि का वादा किया

गया है। इस अवसर पर बोलते हुए राजेंद्र ने मल्काजगिरी निर्वाचन क्षेत्र के युवाओं को आश्वासन दिया कि वह केंद्र सरकार की कौशल भारत और मेक इन इंडिया पहल के माध्यम से बेरोजगार युवाओं को रोजगार प्रदान करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि हैदराबाद में गरीबों के लिए घर बनाना मुश्किल हो गया है, ऐसे में उन्होंने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों को आश्वासन दिया कि यदि वह चुनाव जीतते हैं तो वह केंद्र सरकार के आवास कार्यक्रम के तहत बेघर गरीबों को घर उपलब्ध कराएंगे। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि वे आम आदमी को स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे।

चुनाव को लेकर जिलाधिकारी ने की बैठक

किनवट, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्युरो)।

सहायक जिलाधिकारी तथा सहायक निर्वाचन अधिकारी मेघना कावली आईएएस)ने कहा कि लोकसभा चुनाव कार्यक्रम घोषित हो चुका है, इस दौरान सभी संबंधित राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों को आचार संहिता का और आम जनता को आदर्श आचार संहिता पर कडा अमल करना चाहिए। आचार संहिता भंग होने पर कडी कार्रवाई की जाएगी। किनवट स्थित तहसील कार्यालय के सभागार में चुनाव से संबंधित बुलाई गई बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने आगे कहा कि आचार संहिता के संदर्भ में चुनाव आयोग ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि किनवट, माहुर विधानसभा क्षेत्र में कुल 2 लाख 65हजार 723मतदाता हैं, जिसमें 1 लाख 36 हजार 972 पुरुष, 1लाख 28हजार 740 महिला और अन्य 11 मतदाता है। क्षेत्र में 330 मतदान केंद्रो पर दि. 4 जुन, 2024 को मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि 85 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाताओं और विकलांगों को चुनावकर्मी घर जाकर मतदान प्रक्रिया पुरी कराएगा। मेघना कावली ने बताया कि मतदान करने के लिए युवाओं को बढ चढकर हिस्सा लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आचार संहिता के प्रभावी कार्यान्वयन के लिये एक टीम का गठन किया गयया है और नियंत्रण कक्ष के दुरभाष पर शिकायत दर्ज करायी जा सकती है। चुनावों को सुचारु रूप से संचलित करने के लिए मतदान केंद्र अध्यक्ष, मतदान अधिकारीयों के साथ-साथ फील्ड अधिकारी, कर्मचारियों को नियुक्त किया गया है। उन्होंने यहाँ यह स्पष्ट किया कि सार्वजनिक स्थानों के अलावा सड़कों अथवा निजी संपत्ति के आसपास चुनावी पोस्टर सहित बैनर, कट आउट आदि के इस्तेमाल के दौरान यह ख्याल रखना अनिवार्य होगा कि इसमें मालिक मंजूरी लेना अनिवार्य है। इस अवसर पर किनवट तहसीलदार शारदा चौडीकरमाहुर, तहसीलदार किशोर यादव, सीओ मुंगाजी काकडे,नायब तहसीलदार विकास राठोड, नायब तहसीलदार अनिता कोलगणे, आदि उपस्थित थे।

समुद्री लुटेरों से जहाजों को बचाने की हो रही सराहना

दुनिया ने भारतीय नौसेना का लोहा माना

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना द्वारा हाल ही में अरब सागर में एक जहाज को समुद्री लुटेरों से बचाया गया। नौसेना ने जिस काबिलियत और सैन्य क्षमता से इस ऑपरेशन को अंजाम दिया, उसकी पूरी दुनिया में तारीफ हो रही है और विशेषज्ञ भी भारतीय नौसेना की क्षमताओं के मुरीद हो गए हैं। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट में कई विशेषज्ञों के हवाले से कहा गया है कि भारतीय नौसेना की स्पेशल फोर्सेज की क्षमता दुनिया की सबसे ताकतवर स्पेशल फोर्सेस में से एक है।

नौसेना ने बीते हफ्ते ही एक व्यापारिक जहाज एमवी रुएन को समुद्री लुटेरों से बचाया था और उस ऑपरेशन में 17 क्रू सदस्यों को बचाया गया था और 35 के करीब समुद्री लुटेरों को आत्मसमर्पण के लिए मजबूर कर हिरासत में लिया गया था। इस ऑपरेशन में नौसेना के युद्धपोत, पेट्रोलिंग जहाज, ड्रोन, भारतीय वायुसेना के सी-17 ट्रांसपोर्ट विमान, सर्विलांस जेट और मरीन कमांडोज ने शिरकत की थी। काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशन इंटरनेशनल अफेयर्स के जॉन ब्रैडफोर्ड का कहना है कि इस ऑपरेशन की सफलता से पता चलता है कि भारतीय नौसेना की ट्रेनिंग, कमांड और कंट्रोल समेत अन्य क्षमताएं विश्व स्तर की हैं। इस ऑपरेशन की खास बात ये है कि इस मुश्किल ऑपरेशन में समन्वय के साथ ऑपरेशन चलाकर कम से कम नुकसान हुआ।

विशेषज्ञों को चिंता है कि इस्राइल हमास युद्ध के बाद से यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोही लगातार लाल सागर में व्यापारिक जहाजों को निशाना बना रहे हैं। हूती विद्रोही अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ हाथ मिला सकते हैं। वहीं समुद्री लुटेरे भी हाल के समय में काफी सक्रिय हो गए हैं। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय शिपिंग रूट और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर संकट पैदा हो सकता है। समुद्री लुटेरों ने बीते साल दिसंबर में माल्टा का झंडा लगे और बुल्गारिया द्वारा संचालित किए जा रहे व्यापारिक जहाज एमवी रुएन को अगवा कर लिया था। अगवा करने के बाद समुद्री लुटेरे जहाज को अपने क्षेत्र में ले गए थे। अब समुद्री लुटेरों द्वारा इस जहाज का इस्तेमाल अन्य जहाजों को लूटने के लिए किया जा रहा था।

भारतीय नौसेना ने हाल ही में एमवी रुएन जहाज को ट्रेस किया था। इसके बाद इलाके में निगरानी रख रहे अपने युद्धपोत आईएनएस कोलकाता को जहाज को समुद्री लुटेरों से बचाने भेजा। साथ ही ड्रोन की मदद से जहाज पर मौजूद समुद्री लुटेरों के बारे में पता किया। समुद्री लुटेरों ने नौसेना के जहाजों पर फायरिंग भी की। आईएनएस कोलकाता ने समुद्री लुटेरों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा। इस बीच सी-17 ट्रांसपोर्ट विमान की मदद से नौसेना की कमांडोज फोर्स मार्कोस को अरब सागर में एयर ड्रॉप किया गया।

पेपर लीक के बाद बिहार में शिक्षक भर्ती परीक्षा रद्द

पटना, 20 मार्च (एजेंसियां)। बिहार लोक सेवा आयोग ने तीसरे चरण की शिक्षक भर्ती परीक्षा को रद्द कर दिया है। बीपीएससी की ओर से इसके लिए नोटिस जारी कर दी गई है। 15 मार्च को ली गई दो पालियों की परीक्षा रद्द की गई है। इसके बाद आर्थिक अपराध इकाई ने खुलासा किया कि परीक्षा प्रश्न पत्र 13 मार्च और 14 मार्च को ही लीक हो गया था। ईओयू ने इस मामले में 266 लोगों को जेल भी भेजा था। इसके बाद बीपीएससी ने ईओयू से परीक्षा रद्द करने के पुख्ता साक्ष्य मांगे थे। ईओयू ने फिर ठोस साक्ष्य उपलब्ध करवाया। इसके बाद बिहार लोक सेवा आयोग ने इस परीक्षा को रद्द कर दिया। नई तारीख का ऐलान बाद में किया जाएगा।

लोकसभा चुनाव के पहले चरण की अधिसूचना जारी, नामांकन शुरू

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने लोकसभा चुनाव के पहले चरण में 102 सीटों के लिए बुधवार को अधिसूचना जारी की। पहले चरण में 19 अप्रैल को 17 राज्यों और चार केंद्र शासित प्रदेशों की 102 लोकसभा सीटों के लिए मतदान होगा। इनमें तमिलनाडु की 33, राजस्थान की 12, उत्तर प्रदेश की 8, मध्य प्रदेश की 6, उत्तराखंड, असम और महाराष्ट्र की 5-5, बिहार की 4, पश्चिम बंगाल की 3, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर और मेघालय की 2-2 सीटें और छत्तीसगढ़, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम, त्रिपुरा, अनादमन और निकोबार द्वीप समूह, जम्मू और कश्मीर, लक्षद्वीप और पुडुचेरी की एक-एक सीट पर पहले चरण में मतदान होगा।

नामांकन 27 मार्च तक भरे जा सकते हैं। मतदान 19 अप्रैल को होगा। लोकसभा की 543 सीटों के लिए आम चुनाव 19 अप्रैल से शुरू होकर सात चरणों में होंगे। मतगणना 4 जून को होगी। चुनाव आयोग की नोटिफिकेशन के मुताबिक, नॉमिनेशन फाइल करने की आखिरी तारीख 27 मार्च है। वहीं, नॉमिनेशन पेपर्स की स्क्रूटनी 28 मार्च को होगी। नामांकन वापस लेने की आ-खिरी डेट 20 मार्च निर्धारित की गई है। बिहार में त्योहार के चलते शेड्यूल में बदलाव किया गया है। यहां नॉमिनेशन की आखिरी तारीख 28 मार्च निर्धारित की गई है। स्क्रूटनी 30 मार्च को होगी। बिहार के कैंडिडेट अपना नाम 2 अप्रैल तक वापस ले सकेंगे।

भारत ने पूरी दुनिया के सिखों को दिलाया भरोसा

हम सिखों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध

अमेरिकी सिख नेता ने जयशंकर और राजनाथ की तारीफ की

वाशिंगटन, 20 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के एक प्रतिष्ठित सिख नेता ने बताया कि भारत सरकार ने उन्हें आश्वासन दिया है कि भारत दुनियाभर में समुदाय की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। अमेरिका के सिख संगठन के जस्सी सिंह हाल ही में भारत का दौरा करके लौटे हैं। एक सिख प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करते हुए उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात की।

जस्सी सिंह ने बताया कि भारत के इन वरिष्ठ नेताओं के साथ उन्होंने बात की कि कैसे सिख समुदाय भारत की मदद कर सकता है और देश के विकास का हिस्सा बन सकता है। उन्होंने कहा, हमें बहुत ही सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। विदेश मंत्री जयसंकर ने कहा कि भारत सरकार दुनिया भर के सिख समुदाय की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। बैठक में हमने पंजाब में विकास को लेकर चर्चा की। पंजाब को अलगाववादी आंदोलन के दौरान बहुत नुकसान का सामना करना पड़ा है। उन्होंने अमेरिका और कनाडा के एक वर्ग का खंडन किया जिन्होंने आरोप लगाया कि भारत में उनके साथ दुर्व्यवहार किया जाता है। इस पर उन्होंने कहा, ऐसा नहीं है। अन्य समुदाय की तरह सिखों का भी अपना मुद्दा है। भारत में अन्य नागरिकों की तरह सिखों को भी समान अधिकार प्राप्त है।

सिख नेता ने कहा कि सिख अमेरिकी समुदाय पंजाब और अमृतसर के विकास में मदद करने के लिए तैयार है। उन्होंने अमृतसर के युवाओं के लिए 100 छात्रवृत्तियों की घोषणा की है। इसके साथ ही उन्होंने अमेरिका में भारत के पूर्व राजदूत तर-नजीत सिंह संधू के भाजपा में शामिल होने के फैसले का समर्थन किया है। जस्सी सिंह ने कहा, मैं उन्हें बधाई देना चाहूंगा। भाजपा में अनुभवी और एक वरिष्ठ राजनायिक का शामिल होना बहुत अच्छी बात है। यह भाजपा के लिए बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने अपने गृहनगर मध्य प्रदेश के इंदौर, पंजाब में अमृतसर और दिल्ली का भी दौरा किया। सिख नेता ने कहा, मैंने भारत के युवाओं में राष्ट्रवाद की भावना, गौरव और कुछ करने की उत्सुकता देखी।

बाबा पर अंधविश्वास फैलाने व बलि प्रथा को बढ़ावा देने का सुरक्षा एजेंट के बयान पर केस दर्ज

सोनीपत,20 मार्च (एजेंसियां)। सोनीपत के गांव ठरू के एक बाबा पर अंधविश्वास फैलाने और बलि प्रथा को बढ़ावा देने के आरोप लगे हैं। पुलिस विभाग के सुरक्षा एजेंट ने मामले की शिकायत पुलिस को दी है। उनका आरोप है कि उनके पास आए वीडियो में बाबा लोगों को अंधविश्वास में धकेल बुरी प्रथाओं को बढ़ावा देता दिख रहा है। जिससे धार्मिक व सामाजिक सौहार्द खराब हो सकता है। इस पर सदर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

हवलदार सुरेंद्र ने सदर थाना पुलिस को बताया कि वह पुलिस विभाग में एजेंट (एसए) हैं। सदर थाना सोनीपत क्षेत्र में होने वाले घटनाओं की जानकारी जुटाकर वह अधिकारियों तक पहुंचाते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि कई दिन से जानकारी आ रही थी कि गांव ठरू निवासी सुरेश उर्फ सूर्यदेव बाबा लोगों को अंधविश्वास में धकेल रहा है। वह बलि देने बुरी प्रथा को बढ़ावा दे रहा है। देश के कई नामचीन नेताओं की तरफ से भी बलि देने की बात कह रहा है। जिससे धार्मिक व सामाजिक सौहार्द खराब हो सकता है। उन्होंने बताया कि इसे लेकर कई वीडियो भी वायरल हुई हैं।

युवा मतदाता बनेंगे प्रत्याशियों के भाग्यविधाता

दिल्ली में 45 प्रतिशत वोटर 40 से कम उम्र के

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली में कुल 1,47,18,119 मतदाता हैं जिनमें से 40 वर्ष से कम आयु के मतदाताओं की संख्या 66,45,299 है। इस तरह से लगभग 45 फीसदी मतदाता युवा हैं। मतदाता सूची के अनुसार, राजधानी में 18 से 30 वर्ष के मतदाताओं की संख्या 17.43 प्रतिशत है। इसके बाद सबसे ज्यादा मतदाता 30 से 39 वर्ष उम्र के हैं। इस उम्र वर्ग के 27.70 प्रतिशत मतदाता हैं। यदि 18 से 39 वर्ष की उम्र के सभी मतदाताओं को एक साथ मिला दें तो 18 से 39 वर्ष के उम्र के मतदाताओं की संख्या 45.15 प्रतिशत है। वहीं, वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान दिल्ली में कुल 1,43,16,453 मतदाता थे, जिनमें 40 वर्ष से कम आयु वाले मतदाताओं की संख्या 75,51,416 थी। इस तरह से लगभग 53 फीसदी मतदाता युवा थे। इस बार 18-19 वर्ष और 20-29 वर्ष के मतदाताओं की संख्या बीते लोकसभा चुनाव से काफी कम है।

चुनाव में बुजुर्ग भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते रहे हैं, इसलिए बीते चुनावों में बुजुर्ग मतदाताओं की भागीदारी अधिक देखी गई है। लोकसभा चुनाव में इस बार 60 वर्ष से अधिक उम्र के 23,07,241 मतदाता हैं। इसमें करीब 2.63 लाख मतदाता 80 वर्ष से अधिक उम्र के हैं, इसलिए बुजुर्ग मतदाता भी चुनाव में अहम भूमिका निभाएंगगे। चुनाव आयोग को उम्मीद है कि बुजुर्ग इस बार भी मतदान से लोकतंत्र को मजबूत करेंगे और युवाओं में मतदान के लिए जोश भरेंगे। बुजुर्गों और दिव्यांगो को घर बैठकर मतदान करना है तो उन्हें फॉर्म 12-डी भरना होगा। वे चुनाव आयोग में इसके लिए आवेदन करेंगे, तो फिर चुनाव आयोग की एक टीम घर जाकर मतदान करवाएगी।

सुप्रीम कोर्ट में के कविता की याचिका पर सुनवाई 22 को

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली आबकारी नीति में अनियमितता के मामले में गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली बीआरएस नेता के. कविता की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 22 मार्च को सुनवाई करेगा। दिल्ली शराब घोटाले में गिरफ्तार बीआरएस नेता के कविता ने अपनी गिरफ्तारी को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। के कविता ने साथ ही रिमांड ऑर्डर के खिलाफ भी सुप्रीम कोर्ट में रिट याचिका दायर की है। याचिका में कविता ने कहा कि रिमांड का आदेश संविधान के अनुच्छेद 141 के अनुसार नहीं है, जिसमें कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा घोषित कानून सभी राज्यों की अदालतों के लिए भी बाध्यकारी होगा। के कविता ने पीएलएलए कानून की धारा 19(1) को भी चुनौती दी है।

ईडी का दावा है कि के कविता ने आम आदमी पार्टी के नेताओं के साथ मिलकर कथित तौर पर साजिश रची। जिसके तहत दिल्ली शराब नीति में फायदा पाने के लिए आप नेताओं को करीब 100 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। के कविता को कथित दक्षिण लॉबी का हिस्सा बताया जा रहा है। दिल्ली शराब नीति मामले में ईडी अब तक देशभर में 245 ठिकानों पर छापेमारी कर चुकी है और मनीष सिसोदिया, संजय

सिन्हा और विजय नायर समेत 15 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

वहीं दूसरी तरफ सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को हैदराबाद के कारोबारी अभिषेक बोइनपल्ली को पांच सप्ताह की अंतरिम जमानत दे दी। अभिषेक को कथित दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया गया था। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने बोइनपल्ली को उनकी पत्नी तबियत सही नहीं होने के कारण अंतरिम जमानत दी है। पीठ ने कहा कि कारोबारी 18 महीने से हिरासत में है। साथ ही उनसे प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों को एक फोन नंबर देने को कहा है जिससे वे उनके संपर्क में रह सकें। पीठ ने उन्हें अपना पासपोर्ट जमा करने का निर्देश दिया। साथ ही यह भी आदेश दिया कि वह हैदराबाद से बाहर न जाएं। शीर्ष अदालत ने बोइनपल्ली की जमानत याचिका पर यह आदेश पारित किया।

उन्होंने दिल्ली उच्च न्यायालय के तीन जुलाई, 2023 के आदेश को भी चुनौती दी है जिसने नौ अक्टूबर, 2022 को उनकी गिरफ्तारी की वैधानिकता पर सवाल खड़ा करने वाली उनकी याचिका को खारिज कर दिया था।

आला हजरत एक्सप्रेस से गुजरात जा रही थी शराब एक तस्कर गिरफ्तार

सिरोहीं,20 मार्च (एजेंसियां)। सिरोही जिले के आबूरोड रेलवे स्टेशन पर रेलवे पुलिस द्वारा बरेली-भुज आला हजरत एक्-सप्रेस के स्लीपर कोच में 35 हजार रुपये से ज्यादा कीमत की गुजरात ले जाई जा रही अंग्रेजी शराब की 21 जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर ट्रेनों में अपराध नियंत्रण एवं असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर अंकुश लगाने तथा शराब, मादक पदार्थ, हथियार, बहुमूल्य सामग्री एवं नकदी परिवहन को रोकने के उद्देश्य से विशेष अभियान चलाया जा रहा इसके तहत रेलवे पुलिस टीम द्वारा गश्त के दौरान आबूरोड रेलवे स्टेशन पर खड़ी ट्रेन बरेली-भुज आला हजरत एक्सप्रेस के स्लीपर कोच में तलाशी ली गई।

हाईकोर्ट ने पूछा, ईडी में क्यों नहीं पेश हो रहे केजरीवाल?

वकील ने बताया, गिरफ्तारी के डर से

नई दिल्ली, 20 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली शराब घोटाला मामले में ईडी की ओर से जारी 9 समन को दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दी थी, जिस पर आज सुनवाई हुई। हाईकोर्ट ने केजरीवाल के वकील से कहा कि समन अरविंद केजरीवाल के नाम पर हैं। वह भारत के नागरिक हैं। उनके ईडी के समक्ष पेश होने में क्या दिक्कत है? इस पर केजरीवाल के वकील ने कहा कि वह ईडी के सामने पेश होने के लिए तैयार हैं, शर्त यह है कि उन्हें गिरफ्तार न किया जाए। मामले की अगली सुनवाई अब 22 अप्रैल को होगी। वहीं ईडी ने केजरीवाल को 21 मार्च को पेश होने के लिए समन भेजा है।

उल्लेखनीय है कि 16 मार्च को राऊज एवेन्यू कोर्ट की एडिशनल मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट दिव्या मल्होत्रा ने इस मामले में केजरीवाल को जमानत दी थी। इसके पहले एडिशनल मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट की ओर से जारी समन को केजरीवाल ने सेशंस कोर्ट में चुनौती दी थी। सेशंस कोर्ट ने केजरीवाल की याचिका खारिज करते हुए कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया था। उसके बाद केजरीवाल 16 मार्च को कोर्ट में पेश हुए थे। ईडी ने केजरीवाल के खिलाफ दो शिकायतें की हैं।

राऊज एवेन्यू कोर्ट ने 7 फरवरी को ईडी की पहली शिकायत पर संज्ञान लेते हुए केजरीवाल को कोर्ट में पेश होने का निर्देश दिया था। दिल्ली आबकारी घोटाला के मामले में पूर्व उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह न्यायिक हिरासत में हैं।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ईडी द्वारा भेजे के समन को हाईकोर्ट में चुनौती दी है। सीएम अरविंद केजरीवाल ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। केजरीवाल की याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई हो रही है। उन्होंने ईडी के समन को गैरकानूनी बताया है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा एजेंसी द्वारा उन्हें जारी किए गए कई समन को चुनौती देने वाली याचिका पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जवाब मांगा है। कोर्ट ने सुनवाई की तारीख 22 अप्रैल 2024 तय की है।

मंगलवार को याचिका में केजरीवाल ने तर्क रखा कि सभी समन गैरकानूनी है और निचली अदालत की ओर से उनके खिलाफ नोटिस जारी किए जाने के बावजूद ईडी व सीबीआई बार-बार समन जारी कर रही है। यह मात्र राजनीतिक रूप से जारी किए गए हैं। ईडी ने निचली अदालत में कहा था कि केजरीवाल को आठ बार समन जारी किया गया, लेकिन वे इसका अनुपालन नहीं करते हुए एक बार भी पेश नहीं हुए हैं। इसको लेकर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। उस मामले में केजरीवाल अदालत में पेश होकर जमानत ले चुके हैं। केजरीवाल के खिलाफ नौवां समन हाल ही में जारी किया गया है। मजिस्ट्रेट की अदालत ने ईडी की दो शिकायतों पर समन जारी किया था। पहली शिकायत पर सुनवाई के दौरान अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट दिव्या मलहोत्रा ने टिप्पणी करते हुए कहा था कि केजरीवाल ईडी के समन का सम्मान करने के लिए बाध्य हैं। धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत समन जारी होने के बावजूद जांच में शामिल होने में बार-बार विफल रहने के बाद ईडी ने केजरीवाल के खिलाफ अदालत से शिकायत की है।

ग्रामीण बैंक ने किया डिफाल्टर घोषित परेशान व्यक्ति ने ब्लेड से काटी हाथ की नस

फतेहाबाद,20 मार्च (एजेंसियां)। फतेहाबाद के बिगड़ चौक पर बुधवार को हरियाणा ग्रामीण बैंक के बाहर हंस कॉलोनी निवासी एक व्यक्ति ने अपने हाथ की नस काट ली। व्यक्ति काफी देर खून से लथपथ यहां बैठा रहा। जिसके बाद सूचना पाकर डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची और घायल व्यक्ति के हाथ पर रुमाल बांधकर उसे नागरिक अस्पताल पहुंचाया।अस्पताल उपचारधीन रवि अरोड़ा ने बताया कि उसने कुछ साल पहले बैंक से कर्ज लिया था। 2019 में उसने कर्ज की किश्तें चुका दी, लेकिन उसके बाद से उसे लगातार परेशान किया जा रहा था। उसे डिफाल्टर भी करार दे दिया गया। इससे वह काफी परेशान हो चुका था। बुधवार बैंक भी पहुंचा लेकिन कोई सुनवाई नही हुई। इसके चलते उसने अपने हाथ की यहां गेट पर बैठकर ब्लेड से हाथ की नस काट ली।

DAILY शुभ लाभ Classifieds

CHANGE OF NAME
I,SHANMUGA PRIYA P is legally wedded Wife of Service No. 14651126W, Rank : NK, Name : PADAVATTAN S, Unit : EME DEPOT BN, SECUNDERABAD, Residing at Vill : MITTAHALLI PUDUR, PO: MITTAHALLI, Dist : KRISHNAGIRI, State : TAMIL NADU, Pin : 635112, Changed my name from **SHANMUGA PRIYA P** to **P SHANMUGAPRIYA**, Affidavit Signed By advocate and Notary Talari Balaiah

CHANGE OF NAME & DOB
I, Indira Devi spouse of Yelisetti Venkata Rao, R/o H.No.5-7-113/68, Swarnandhra Colony, Yapral, Sec-bad, T.S-500087, have changed my name from **INDIRA DEVI and DOB 03-11-1959** to **YELISETTI INDIRA DEVI** and **DOB 01-04-1959** vide affidavit dt.4-3-2024.

सिकंदराबाद छावनी उपचुनाव के लिए कांग्रेस को मिला दमदार उम्मीदवार

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सिकंदराबाद छावनी विधानसभा क्षेत्र में होने वाले उपचुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता एन. श्री गणेश, जिन्होंने हाल ही में चुनाव लड़ा था, नाकामी के बाद कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। मल्काजगिरि लोकसभा क्षेत्र के भाजपा उम्मीदवार ईटेला राजेंदर के लिए प्रचार में भाग लेने के कुछ घंटों बाद गणेश ने अपनी वफादारी बदल ली।

मल्काजगिरि लोकसभा क्षेत्र के विधानसभा क्षेत्रों में से एक है। सिकंदराबाद छावनी का उपचुनाव 13 मई को लोकसभा चुनाव के साथ होने वाला है। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की मौजूदा विधायक जी. लास्या नंदिता का 23 फरवरी को एक सड़क दुर्घटना में निधन हो जाने के बाद यह सीट खाली हो गई।

37 वर्षीया नंदिता को 30 नवंबर, 2023 को हुए चुनाव में चुना गया था। नंदिता ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा के श्री गणेश को 17,169 वोटों के अंतर से हराया था।

श्री गणेश को भाजपा द्वारा एक बार फिर मैदान में उतारे जाने की संभावना थी, मगर उन्होंने कांग्रेस पार्टी में जाने के अपने फैसले से सभी को हैरान कर दिया। सत्तारूढ़ दल द्वारा श्री गणेश को उपचुनाव में मैदान में उतारे जाने की संभावना है।

इस उपचुनाव में बीआरएस नंदिता की बहन निवेदिता को मैदान में उतार सकती है और सीट बरकरार रखने के लिए सहानुभूति वोट मिलने पर भरोसा कर सकती है, दूसरी तरफ श्री गणेश के शामिल होने से कांग्रेस पार्टी को एक मजबूत उम्मीदवार मिल गया है।

यह उपचुनाव कांग्रेस पार्टी के लिए महत्वपूर्ण है, जिसके पास विधानसभा में मामूली बहुमत है और वह हैदराबाद में अपनी पैठ बनाना चाहेगी, क्योंकि विधानसभा चुनाव में उसे राज्य की राजधानी में एक भी सीट नहीं मिली थी। कांग्रेस पार्टी ने 2023 के चुनाव में 119 सदस्यीय विधानसभा में 64 सीटें जीती थीं।

यह उपचुनाव कांग्रेस के लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी 2019 में मल्काजगिरि लोकसभा सीट से चुने गए थे।

राजस्थान से पधारे ओम सिंह कांग्रेस महासचिव राजस्थान ने बाबा रामदेव मंदिर शिवरामपल्ली में रामदेव जी के दर्शन किए। इस अवसर पर उनका स्वागत करते हुए मंदिर ट्रस्ट श्याम सुंदर, धर्माराम ढाका, अभय सिंह दिया, हुकम सिंह सोलंकी, उदय सिंह चौहान आदि।

रेवंत सरकार ने बेमौसम बारिश से फसलों को हुए नुकसान की भरपाई को सर्वे के दिए निर्देश

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बेमौसम बरसात और ओलावृष्टि के कारण किसानों को हुए नुकसान के बीच राज्य सरकार ने बुधवार को क्षतिग्रस्त फसल क्षेत्र की सीमा की पहचान करने के उपाय शुरू किए। अधिकारियों को फसल के नुकसान पर एक रिपोर्ट सौंपने और किसानों को उनके नुकसान की भरपाई करने की संभावनाएं तलाशने का निर्देश दिया गया है।एक बयान में कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने कहा कि उन्होंने पहले ही मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के साथ इस मुद्दे को उठाया है, जिन्होंने संबंधित अधिकारियों को फसल नुकसान के अनुमान पर अपनी रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि राज्य सरकार किसानों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और अगले कुछ दिनों में उनके लिए आवश्यक समर्थन की घोषणा करेगी।उन्होंने कहा की फसल के नुकसान की सीमा की पहचान करने के लिए अधिकारी गुरुवार से किसान-केंद्रित सर्वेक्षण शुरू करेंगे। उनकी रिपोर्ट प्राप्त होने के तुरंत बाद हम इन प्रतिकूल परिस्थितियों के दौरान किसानों की सहायता के लिए उपाय शुरू करेंगे। मीडियाकर्मियों से अलग से बात करते हुए तेलंगाना राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष जी चिन्ना रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार उन किसानों को सभी आवश्यक सहायता देगी जिन्होंने अपनी फसल खो दी है और उनके नुकसान की भरपाई करेगी। जहां करीब नौ जिलों में फसलें बर्बाद हो गईं, वहीं कामारेड्डी जिला सबसे ज्यादा प्रभावित बताया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आगामी वानाकलाम (खरीफ) सीजन से किसानों को फसल बीमा कवरेज प्रदान किया जाएगा।

श्री श्याम महोत्सव के उपलक्ष्य में श्री श्याम निशान यात्रा का स्वागत करते हुए डॉ. प्रेम प्रकाश शर्मा, मंजू शर्मा, विजयलक्ष्मी जोशी, संतोष जोपट, प्रिया शर्मा, धीरज शर्मा, पंडित अनिल शर्मा, पंडित अनिल महाराज, पंडित हरिवल्लभ व्यास, पंडित संस्कार, श्रीकांत, देवेंद्र और अन्य गणमान्य उपस्थित थे। इस अवसर पर श्री वेंकटेश्वरा क्लिनिक चूड़ी बाजार बेगम बाजार द्वारा निशान यात्रा का स्वागत किया गया और लस्सी का वितरण भी किया गया।

फागुन मेला एवं एकादशी के पावन पर्व पर श्री श्याम मंदिर काचीगुड़ा में बाबा के दर्शना करते हुए भाजपा नेता सतीश अग्रवाल, दुर्गा प्रसाद तिवारी, रवि शर्मा, सूर्यकांत दिल्लीकर, अशोक सैन एवं अन्य।

केंद्रीय पुलिस बलों ने खम्मम में किया फ्लैग मार्च

खम्मम, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर केंद्रीय पुलिस बल और स्थानीय पुलिस ने खम्मम पुलिस आयुक्तालय क्षेत्राधिकार के तहत फ्लैग मार्च किया। पुलिस आयुक्त सुनील दत्त ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए फ्लैग मार्च किया जा रहा है कि लोग स्वतंत्र वातावरण में अपने मतदान के अधिकार का प्रयोग कर सकें। संसदीय चुनाव को बिना किसी कानून-व्यवस्था की समस्या के पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने की व्यवस्था की जा रही है।उन्होंने कहा कि संवेदनशील मतदान केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा के लिए अग्रिम योजना के साथ आवश्यक तैयारी की गयी है। उसी के हिस्से के रूप में, केंद्रीय पुलिस बल और स्थानीय पुलिस कर्मी फ्लैग मार्च का आयोजन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लाइसेंसी हथियारों को पुलिस के पास जमा कराने के लिए कदम उठाए जाएंगे। खम्मम शहर, वायरा, सथुपल्ली, मधिरा और खम्मम ग्रामीण पुलिस के तत्वावधान में फ्लैग मार्च निकाला गया। सीपी ने कहा कि जब भी लोगों को मदद की जरूरत होती है, पुलिस गश्ती वाहन और ब्लू-कोल्ट टीमें उन तक पहुंच रही हैं।

श्री जैन कुशल शांति गौ सेवा, हैदराबाद

अमावास्य, पूनम, जन्म दिन, वर्षगांठ, पुण्यतिथी, गृह प्रवेश या कोई भी शुभ कार्य पहली रोटी गाय की यह अवश्य ध्यान रखे एवं हमे सेवा का अवसर प्रदान करे।

हिन्दू धर्म में गौ को माता का स्थान दिया गया है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार गौ माता में 33 करोड़ देवी देवताओं का वास होता है। यदि घर की पहली रोटी गौ माता के नाम की रखी जाय तो देवी देवताओं को भोग लगाने का फल प्राप्त होता है। आपके सभी काम सफल होते हैं और जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि बनी रहती है।

त्रयनगर (हैदराबाद-सिकन्दराबाद-बोलाराम) की सभी गौशाला में रोटी की व्यवस्था का प्रावधान है।

1. बुकिंग एवं पेमेंट एक दिन पहले करनी होगी। 2. अमावस्या एवं पूर्णिमा की बुकिंग एवं पेमेंट तीन दिन पहले करनी होगी। 3. आपकी सुविधा एवं इच्छा अनुसार गौशाला तक रोटी पहुंचाने का डिलीवरी (रैपिडो, पोर्टर, ऑटो, उबर द्वारा होगी) शुल्क आपको देना होगा। 4. न्यूनतम ऑर्डर १००० रोटी। 5. पेयमेंट करने के बाद स्क्रीनशॉट अवश्य शेयर करें।

निम्न कोई भी स्कीम में अपना नाम लिखा सकते है।

1 साल की रोटी सेवा ₹ 46021/-
6 महीने की रोटी सेवा ₹ 23021/-
3 महीने की रोटी सेवा ₹ 12021/-
1 महीने की रोटी सेवा ₹ 4121/-
1 सप्ताह रोटी सेवा ₹ 921/-

प्रतिदिन ताजी रोटी की सेवा कि जाती है।

एक पैकेट 50 रोटी ₹ 125/-

1 दिन की गौ सेवा (41 पैकेट) ₹ 5121/- दो दिन पहले ऑर्डर करें

SCAN & PAY

paytm पे G Pay 7842223545

UPI : 7842223545@centralbank

पेमेंट करने के बाद स्क्रीन शॉट जरूर शेर करे।

अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करे :

टिम अशोक रामपुरिया 9395508877

sri jain printers 9849265643

गौशाला में सेवा : सुबह 8.00 से 8.30 बजे तक। सेवा का लाभ जरूर लेना।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.